नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 15

अंक : 23

सोमवार, 21 से 27 जुलाई 2025

मूल्य : 5 रूपए

रू 250 वार्षिक

मुख्यमंत्री ने कारगिल विजय दिवस पर बुजुर्गों से किया संवाद 03

100 साल तक सत्ता में रहने की सनक! फिर चुनाव लड़ेगा दुनिया का सबसे... 08

NCR समाचार

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को तीन विकेट से हराया 10

पहाड़ों से गिरते झरने और बादलों से ढके रास्ते स्वर्ग से कम नहीं लगते 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in BY C.R.O. TEAM twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

कास्टिंग डायरेक्टर से एक्ट्रेस बनीं भूमि 12

करगिल विजय दिवस पर द्रास में दो केंद्रीय मंत्रियों, सेना प्रमुख ने पुष्पांजलि अर्पित की

श्रीनगर/नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं दीं और कारगिल युद्ध में साहस और वीरता के साथ लड़ने वाले जवानों के बलिदान को याद किया. कारगिल संघर्ष के दौरान भारतीय सैनिकों द्वारा दिखाए गए साहस और निस्वार्थता को याद करते हुए भारत हर साल 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाता है.

राष्ट्रपति मुर्मू ने दी श्रद्धांजलि

राष्ट्रपति मुर्मू ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर देश के लिए प्राण न्योछावर करने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दीं. उन्होंने कहा, 'यह दिवस हमारे जवानों की असाधारण वीरता, साहस एवं दृढ़ संकल्प का प्रतीक है. देश के प्रति उनका समर्पण और सर्वोच्च बलिदान देशवासियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा. जय हिन्द! जय भारत!'

पीएम मोदी ने बलिदान को किया याद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं दी और कारगिल युद्ध में साहस और वीरता के साथ लड़ने वाले जवानों के बलिदान को याद किया. पीएम मोदी ने कहा कि जवानों द्वारा दिया गया बलिदान हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा. पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, 'कारगिल विजय दिवस पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं.

यह अवसर हमें भारत माता के उन वीर सपूतों के अद्वितीय साहस और पराक्रम की याद दिलाता है जिन्होंने राष्ट्र के गौरव की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया. मातृभूमि के लिए अपना सब कुछ कुर्बान करने का उनका जुनून हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा.'

राजनाथ सिंह ने भी किया नमन

इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पहुंचे और कारगिल युद्ध के दौरान कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वालों को श्रद्धांजलि दी. इस दौरान चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और तीनों सेनाओं के प्रमुख भी मौजूद रहे.

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पोस्ट किया, 'कारगिल विजय दिवस पर मैं उन वीरों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं जिन्होंने अत्यंत कठिन परिस्थितियों में भी देश के सम्मान की रक्षा में असाधारण साहस, धैर्य और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया. कारगिल युद्ध के दौरान उनका सर्वोच्च बलिदान हमारे सशस्त्र बलों के अटूट संकल्प की चिरस्थायी याद दिलाता है. भारत उनकी सेवा का सदैव ऋणी रहेगा.'

अमित शाह ने अर्पित किए श्रद्धासुमन

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, कारगिल विजय दिवस देश के वीर जवानों के गौरव और विजयगाथा का अविस्मरणीय दिन है. वर्ष 1999 में हमारे जवानों ने 'ऑपरेशन विजय' से दुश्मनों को घुटनों पर ला कर, अदम्य साहस व पराक्रम की अमिट मिसाल पेश की. कारगिल विजय दिवस के अवसर पर उन सभी शूरवीरों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा हेतु अपना सर्वोच्च बलिदान दिया. यह राष्ट्र आपके त्याग व बलिदान का सदैव ऋणी रहेगा.'

केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने कारगिल युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की. केंद्रीय राज्य मंत्री संजय सेठ ने सैनिकों को श्रद्धांजलि दी. आज 26वां कारगिल विजय दिवस है. सीडीएस अनिल चौहान उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एन.एस. राजा सुब्रमणि, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने भी कारगिल युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की.

दो महीने तक चला था कारगिल युद्ध

भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी और बलिदान के सम्मान में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में शहीद सैनिकों के परिजनों ने भावुक होकर अपनी यादें साझा की. बता दें कि कारगिल युद्ध 60 दिनों से अधिक समय तक चला और 26 जुलाई, 1999 को भारत की वीरतापूर्ण विजय के साथ समाप्त हुआ. भारतीय सशस्त्र बलों ने उन ऊंची चौकियों पर सफलतापूर्वक कब्जा कर लिया, जिन पर सर्दियों के महीनों में पाकिस्तानी सैनिकों ने विश्वासघातपूर्वक कब्जा कर लिया था.

भारतीय वायुसेना के अनुसार 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय वायुसेना के हवाई अभियानों के लिए कोडनेम 'ऑपरेशन सफेद सागर' कई मायनों में एक अग्रणी था और इसने साबित किया कि वायु शक्ति अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को पार किए बिना युद्ध की दिशा को निर्णायक रूप से बदल सकती है.

लोक परंपराओं में समाज को दिशा देने की शक्ति : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि हमारी लोक परंपराएँ कोई बीते युग की बातें नहीं है, इनमें आज भी समाज को दिशा देने की शक्ति है।

श्री मोदी ने अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात में आज कहा भारत की विविधता की सबसे खूबसूरत झलक हमारे लोकगीतों और परंपराओं में मिलती है और इसी का हिस्सा होता हैं, हमारे भजन और हमारे कीर्तन। लेकिन क्या आपने कभी सुना है कि कीर्तन के जरिए जंगल की आग के प्रति लोगों को जागरूक किया जाए? शायद आपको विश्वास न हो, लेकिन ओडिशा के क्योंझर जिले में एक अद्भुत कार्य हो रहा है। यहाँ, राधाकृष्ण संकीर्तन मंडली नाम की एक टोली है। भक्ति के साथ-साथ, ये टोली, आज, पर्यावरण संरक्षण का भी मंत्र जप

रही है। इस पहल की प्रेरणा प्रमिला प्रधान हैं। जंगल और पर्यावरण की रक्षा के लिए उन्होंने पारंपरिक गीतों में नए बोल जोड़े, नए संदेश जोड़े। उनकी टोली गांव-गांव गई। गीतों के माध्यम से लोगों को समझाया कि जंगल में लगने वाली आग से कितना नुकसान होता है। ये उदाहरण हमें याद दिलाता है कि हमारी लोक परंपराएँ कोई बीते युग की बातें नहीं है, इनमें आज भी समाज को दिशा देने की शक्ति है।

उन्होंने कहा भारत की संस्कृति का बहुत बड़ा आधार हमारे त्योहार और परम्पराएं है, लेकिन हमारी संस्कृति की जीवंतता का एक और पक्ष है। ये पक्ष है अपने वर्तमान और अपने इतिहास को दस्तावेजीकरण(डॉक्यूंट) करते रहना। हमारी असली ताकत वो ज्ञान है, जिसे सदियों से पांडुलिपियां के रूप में सहेजा गया है।

प्रौद्योगिकी की मदद से पक्षियों की 40 से ज्यादा प्रजातियों की पहचान हुई: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि प्रौद्योगिकी की मदद से पक्षियों की 40 से ज्यादा प्रजातियों की पहचान हुयी है। उन्होंने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के संबोधन में कहा, "हाल ही में एक ऐसा ही शानदार प्रयास हुआ है, जगह है असम का काजीरंगा नेशनल पार्क। वैसे तो ये इलाका अपने गैंडों के लिए मशहूर है, लेकिन इस बार चर्चा का विषय बना है, यहां के घास के मैदान और उनमें रहने वाली चिड़ियां। पार्क इलाके में पहली बार 'ग्रासलैंड बर्ड सेंसस' हुआ है। आप जानकर खुश होंगे कि इसकी वजह से पक्षियों की 40 से ज्यादा प्रजातियों की पहचान हुई है। इनमें कई दुर्लभ पक्षी शामिल हैं।" उन्होंने कहा, "आप सोच रहे होंगे इतने पक्षी कैसे पहचान में आए! इसमें प्रौद्योगिकी ने कमाल किया। पक्षियों की गिनती करने वाली टीम ने आवाज रिकॉर्ड करने वाले यंत्र लगाए। फिर कंप्यूटर से उन आवाजों का विश्लेषण किया। एआई का उपयोग किया। सिर्फ आवाजों से ही पक्षियों की पहचान हो गई और वो भी बिना उन्हें परेशान किए। "सोचिए! प्रौद्योगिकी और संवेदनशीलता जब एक साथ आते हैं तो प्रकृति को समझना कितना आसान और गहरा हो जाता है।" उन्होंने कहा कि हमें ऐसे प्रयासों को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि हम अपनी जैव विविधता को पहचान सकें और अगली पीढ़ी को भी इससे जोड़ सकें।

भारत ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस का संदेश दुनिया को दिया है: शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि भारत ने पूरी दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस का स्पष्ट संदेश दिया है। आज के परिवेश में भारत में भारत अब नई और उभरती प्रौद्योगिकियों, स्टार्ट-अप्स, हरित ऊर्जा और नवाचारों में विश्व में अग्रणी है।

भारत सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और इसके साथ ही देश के सामने चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। हमें और अधिक सतर्क रहना होगा और समस्याओं का समाधान अधिक जागरूकता के साथ करना होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत का बढ़ता कद आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों को और बढ़ाएगा। इन चुनौतियों से बेहतर समन्वय के माध्यम से निपटने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने रणनीति विकसित करने, उन्हें लागू करने और उनकी निगरानी के लिए केंद्र और राज्य एजेंसियों की समरूप टीमों के गठन का निर्देश दिया। साथ ही वास्तविक समय में डेटा साझा करने के लिए एक विश्वसनीय पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित किए जाने की बात कही।

नई दिल्ली में आठवां राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन-2025 गृह मंत्री अमित शाह के संबोधन के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कारगिल विजय दिवस के अवसर

पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सशस्त्र बलों और बीएसएफ के प्रयासों को सलाम किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के दृढ़ संकल्प और देशवासियों के समर्थन ने दुनिया भर में आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस का एक कड़ा संदेश दिया है।

शाह राष्ट्रीय चुनौतियों पर विचार-विमर्श करने और उनके समाधान तैयार करने के लिए प्रत्येक राज्य के युवा पुलिस अधिकारियों को शामिल करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन वरिष्ठ अधिकारियों को युवा अधिकारियों का मार्गदर्शन करने, उन्हें चुनौतियों से परिचित कराने और समाधान खोजने का मार्ग दिखाने में सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने विभिन्न राज्यों में फैले कई मुद्दों को हल किया है। अगले 5-10 साल देश के विकास और सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण होंगे। उन्होंने राज्य पुलिस बलों और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों से सुरक्षा, सजगता और समन्वय के आदर्श वाक्य को अपनाने का आह्वान किया।

उन्होंने तीन नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी कार्यान्वयन और नशीले पदार्थों की चुनौती से निपटने के लिए एक समान दृष्टिकोण अपनाने को कहा। नागरिकों के जीवन, संपत्ति और सम्मान की रक्षा के लिए पुलिस के प्राथमिक कर्तव्य पर जोर देते हुए अमित शाह ने प्रत्येक राज्य पुलिस बल और केंद्रीय एजेंसी को आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने का निर्देश दिया। वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में सर्वांगीण विकास की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने पुलिस महानिदेशकों से राज्य प्रशासनों के साथ समन्वय स्थापित करने का आग्रह किया, ताकि जमीनी स्तर पर 300 से अधिक केंद्रीय और राज्य विकास योजनाओं का कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

आप के शाशन में नहीं हुआ संगम विहार का विकास, मौजूदा विधायक लेंगे एक्शन?

नमिता चौहान

दक्षिणी दिल्ली के संगम विहार में बीते दिनों में बरसात के कारण रतिया मार्ग पर जल भराव की स्थिति देखने को मिली। इस जल भराव की वजह से आने जाने वाले लोगों को काफी समस्या उठानी पड़ी।

हालांकि पूरी दिल्ली में सुबह के वक्त भारी बरसात के कारण जल भराव हुआ लेकिन संगम विहार टइ रोड रतिया मार्ग पर जिस तरह की स्थिति थी वह काफी दयनीय थी।

बात साफ है कि, अगर पिछले 10 से 11 सालों में पुराने विधायक जो आम आदमी पार्टी से संगम विहार विधानसभा का नेतृत्व कर रहे थे, दिनेश मोहनिया ने नालियों का काम सही समय पर करवाया होता, सही ढंग से करवाया होता तो रतिया मार्ग पर जो पिछले कई सालों से जल भराव की समस्या होती आ रही है, वह नहीं होती, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और यही वजह रही कि, संगम विहार विधानसभा की जनता ने अपने

विधायक को बदलने का सोचा और नए विधायक भाजपा यानी की दूसरी पार्टी से इस वक्त संगम विहार विधानसभा का नेतृत्व कर रहे हैं।

भाजपा का दिल्ली में आगमन केवल 4 से 5 महीने पहले हुआ है, संगम विहार को भी भाजपा का विधायक मिला। जब से चंदन कुमार चौधरी का संगम विहार में आगमन हुआ है, तब से लगातार कोशिश की जा रही है कि, संगम विहार वासियों को अधिक से अधिक राहत दी जा सके।

हालाँकि संगम विहार विधानसभा इतनी पिछड़ी हुई है कि, उस पर काम कर पाना और जल्द से जल्द काम कर पाना बहुत मुश्किल है, लेकिन फिर भी भाजपा विधायक चंदन कुमार चौधरी की तरफ से जीतोड़ कोशिश की जा रही है कि, क्षेत्र में जल्द से जल्द वह सारे बदलाव हो, क्षेत्र की जनता को वह सारी सुविधा जल्द से जल्द मुहैया कराई जाए जिसकी वह हकदार है।

बीते दिनों जब जल भराव की स्थिति हुई तो उसे दिन भी लोगों का यही कहना था कि हमें बाकी सब चीज बाद में चाहिए, पहले हमारे विधायक रतिया मार्ग पर जल भराव की समस्या पर कम करें। अगर जल भराव की समस्या पर काम हो गया तो वह सबसे बड़ा काम होगा और जो आने जाने वालों को दिक्कतें होती है उससे बहुत राहत मिलेगी और यह राहत विधायक के वह वही का कारण बनेगा।

हालांकि संगम विहार विधानसभा के विधायक चंदन कुमार चौधरी लगातार नालियों को दुरुस्त करवाने का काम कर रहे हैं, जो रतिया मार्ग पर बनी हुई है। उम्मीद है कि जैसे ही वह नालियां दुरुस्त हो जाएगी सुचारू रूप से चलने लगेगी रतिया मार्ग पर होने वाली जल भराव की समस्या बहुत हद तक कम हो जाएगी।

कई ऐसे दुकानदार हैं जो लगातार चंदन कुमार चौधरी के इस कार्य का विरोध कर रहे हैं, लेकिन फिर भी विकास का कार्य संगम विहार में लगातार तेजी से दौड़ रहा है और उम्मीद है संगम विहार की जनता को की जल्द से जल्द उनके क्षेत्र का विकास बाकी विधानसभाओं की तरह ही होगा और चंदन कुमार चौधरी जो भाजपा पार्टी से विधायक बनकर आए हैं वह उन्हें वह सारी सुविधाएं मुहैया कराएंगे जिसके लिए वह कई सालों से तरस रहे हैं।

सरकार ने चेताया कहा- दूसरों को बलि का बकरा बनाने की कोशिश न करे एयर इंडिया

नई दिल्ली। अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के बाद एयर इंडिया पर कई तरह के सवाल उठने लगे हैं। हादसे के बाद विमानों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं जाहिर की जाने लगी हैं। इसी के चलते केंद्रीय उड्डयन मंत्रालय और टाटा संस व एयर इंडिया के चेयरमैन एन चंद्रशेखकरन के बीच मैराथन मीटिंग हुई है। इस मीटिंग में सरकार की तरफ से दो अहम सुझाव दिए गए हैं। इनमें से पहला सुझाव यह है कि एयर इंडिया के सभी डिपार्टमेंट में जिम्मेदार अपनी भूमिका निभाएं। दूसरों को बलि का बकरा बनाने से बचें। सुरक्षा संबंधी सभी फैसले अहम पदों पर बैठे लोग खुद लें और किसी अन्य के भरोसे न छोड़ें। इसके अलावा फ्लाइट के रख-रखाव को लेकर भी सुझाव दिए गए हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि खानापूर्ति से काम नहीं चलने वाला है।

इस बैठक में अहमदाबाद में हुए हादसे के साथ-साथ तमाम अन्य छोटी-बड़ी समस्याओं को लेकर भी बात हुई है। बैठक में केंद्रीय मंत्री राममोहन नायडू, सचिव समीर कुमार सिन्हा और डीजीसीए चीफ फैज अहमद किदवई ने एयर इंडिया के चेयरमैन चंद्रशेखरन से मुलाकात की। इस दौरान एयर इंडिया की सुरक्षा को पुख्ता बनाने को लेकर चर्चा हुई। चंद्रशेखरन ने इस दौरान मिले सुझावों को लागू करने पर सहमति भी जताई। मामले की जानकारी रखने वालों के मुताबिक उड़ान से पहले कुछ विभागों की भूमिका काफी अहम हो जाती है। इनमें सुरक्षा, ट्रेनिंग, मेन्टेनेंस, इंजीनियरिंग और इंटीग्रेटेड ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर है। ऐसा सामने आया है कि इनमें से कुछ डिपार्टमेंट्स में केवल खानापूर्ति हो रही है।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन : 9210761111

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

चुनाव आयोग पर कांग्रेस के आरोपों पर भड़के सुधांशु त्रिवेदी, बोले- आपातकाल के 50 साल बाद भी नहीं बदली मानसिकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए चुनाव आयोग पर बेतुके आरोप लगाने के लिए कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह संवैधानिक संस्थाओं को चुनाव जीते या नहीं के आधार पर मान्यता देने की उनकी 'मानसिकता' को दर्शाता है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल लगाने के फैसले का जिक्र करते हुए, जिसने संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता को काफी सीमित कर दिया था, सुधांशु त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की मानसिकता नहीं बदली है।

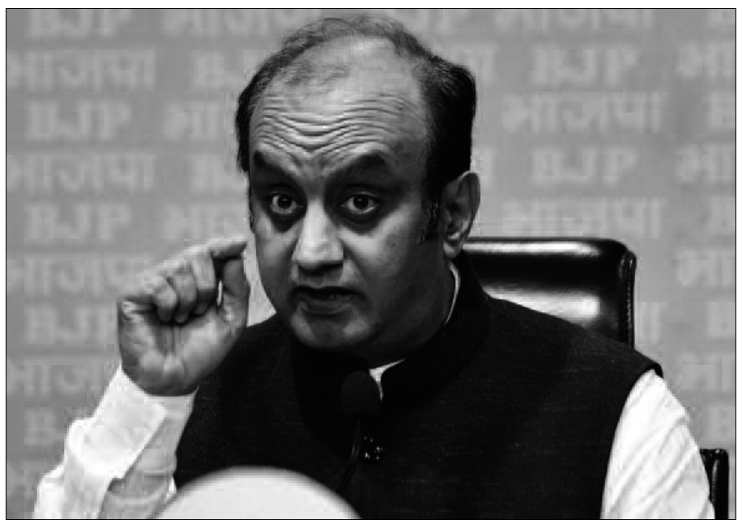

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि चुनावों के मामले में, कांग्रेस, इंडिया गठबंधन और खासकर राहुल गांधी बेतुके आरोप लगा रहे हैं। यह उस मानसिकता को दर्शाता है कि आपातकाल के 50 साल बाद भी मानसिकता नहीं बदली है। अगर इंदिरा जी कहती थीं कि संवैधानिक संस्थाओं की मान्यता इस आधार पर तय होगी कि वे चुनाव जीती हैं या नहीं, तो आज राहुल गांधी कहते हैं कि चुनाव आयोग की विश्वसनीयता इस आधार पर तय होगी कि वे चुनाव जीते हैं या नहीं।

त्रिवेदी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव आयोग पर कांग्रेस के आरोपों की कड़ी आलोचना की और कहा कि उनके अपने पूर्व अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव और महाराष्ट्र के प्रभारी (2018-2024), आशीष दुआ, कुछ और ही लिखते हैं। भाजपा नेता ने वार करते हुए कहा कि उन्होंने महाराष्ट्र चुनावों पर क्या-क्या कहा था। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के एक पूर्व सचिव, जो 2018 से 2024 तक महाराष्ट्र के प्रभारी रहे, ने महाराष्ट्र में हार का विश्लेषण करते हुए एक लेख में लिखा था कि वे किसी और को दोष नहीं दे सकते, वे कांग्रेस पार्टी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन की कमियों के कारण महाराष्ट्र हार गए।

त्रिवेदी की यह टिप्पणी राहुल गांधी द्वारा गुरुवार को चुनाव आयोग को दी गई चेतावनी के बाद आई है कि विपक्ष उन्हें बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान से नहीं बचने देगा। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने गुरुवार को लोकसभा स्थगित होने के तुरंत बाद संसद के बाहर संवाददाताओं से कहा, 'मैं चुनाव आयोग को संदेश देना चाहता हूं: यदि आपको लगता है कि आप इससे बच निकलेंगे, यदि आपके अधिकारी सोचते हैं कि वे इससे बच निकलेंगे, तो आप गलत हैं। आप इससे बच नहीं पाएंगे, क्योंकि हम आपके पीछे पड़ जाएंगे।'

सी आर पाटिल जल शक्ति मंत्री को सम्मान

फ़ैक्ट इंडिया न्यूज़

नई दिल्ली। आदरणीय श्री सी आर पाटिल जल शक्ति मंत्री के गुजरात प्रदेश अध्यक्ष के रूप में 5 वर्ष पूरे होने पर श्री राजीव द्विवेदी वरिष्ठ भाजपा नेता तथा अदिलीला फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ.आदिनारायण ने आदि लीला फाउंडेशन की तरफ से

उन का सम्मान किया गया और मोमेंटो प्रदान किया। सर्वाधिक वोट से जीतने वाले भारत के सांसद सी आर पाटिल की कार्यशाली की प्रशंसा करते हुए श्री राजीव द्विवेदी ने कहा की पन्ना प्रमुख का सबसे पहले उपयोग श्री सि आर पाटिल जी ने किया और हम सब कार्यकर्ताओं को एक ऐसा टूल दिया जिससे मतदाताओं को सहजने का काम सहज हो सका! पाटिल जी के उत्तम स्वास्थ्य और लंबे जीवन की कामना भी की गई, इस अवसर पर फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ आदिनारायण श्री अमरनाथ पांडे से मोहित पांडे समेत अनेक लोग उपस्थित रहे! उपरोक्त कार्यक्रम माननीय मंत्री जी के निवास सफदरजंग लेन में संपन्न हुआ।

कोटा में युवक पर ताबड़तोड़ फायरिंग, सीसीटीवी फुटेज आया सामने

कोटा (एजेंसी)। राजस्थान के कोटा जिले में देर रात दादाबाड़ी थाना क्षेत्र के वक्फ नगर में 5 बदमाशों ने एक युवक इरशाद (28) पर उसके घर के बाहर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। हमले में इरशाद को दो गोलियां लगी हैं, और घायल इरशाद को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें बदमाश फायरिंग करते साफ दिख रहे हैं। इरशाद ने बताया कि अल्फेज, शाहरुख, सलमान और भाया नाम के बदमाश दो बाइकों पर आए और उन पर 7 राउंड फायर किए। इरशाद का कहना है कि इन लोगों से उनकी पुरानी दुश्मनी है और पहले भी उस पर चाकू से हमला कर चुके हैं। कोटा पुलिस ने बदमाशों की धरपकड़ के लिए टीम गठित कर दी है। डीएसपी योगेश शर्मा ने बताया कि देर रात फायरिंग की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुरानी रंजिश के चलते हुई इस वारदात में घायल इरशाद को हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है। बदमाशों की धरपकड़ के लिए टीम गठित कर दी गई है। पुलिस टीम अलग-अलग इलाकों में दबिश दे रही है और जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मनसे कार्यकर्ताओं ने होटलों के बाहर गुजराती में लिखे साइनबोर्ड हटाए

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं ने मराठी साइनबोर्ड के इस्तेमाल की मांग को लेकर मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर स्थित कई होटलों के बाहर गुजराती में लिखे साइनबोर्ड को हटा दिया। महाराष्ट्र का पालघर जिला गुजरात की सीमा से लगा हुआ है। यह प्रदर्शन राज्य के प्राथमिक विद्यालयों में हिंदी को अनिवार्य करने को लेकर उठे विवाद के तुरंत बाद शुरू हुआ। सूत्रों ने बताया कि मनसे समर्थकों ने हलोली गांव के पास होटल के बाहर गुजराती में लिखा साइनबोर्ड तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि कई होटलों ने गुजराती में लिखे अपने बोर्ड काले कपड़े से ढक दिए हैं।

मायानगरी मुंबई में सुबह से हो रही मूसलाधार बारिश... कई इलाकों में जलभराव

मुंबई (एजेंसी)। मायानगरी मुंबई में शुक्रवार सुबह से ही लगातार बारिश हो रही है। भारी बारिश होने से कई इलाकों में जलभराव हो गया है। सुबह-सुबह दफ्तर जाते वक्त तेज बारिश से ट्रैफिक और लोकल ट्रेनों की रफ्तार भी थोड़ी सुस्त है। अंधेरी ईस्ट में भारी बारिश के कारण जलभराव हुआ है। इसकारण अंडरपास बंद किया गया है। बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स इलाके में भी मूसलाधार बारिश हो रही है। मुंबई में अगले कुछ दिनों तक मध्यम से भारी बारिश जारी रहने की संभावना है। बता दें कि आईएमडी ने शुक्रवार सुबह के वक्त मुंबई, ठाणे और पालघर जिलों में कुछ स्थानों पर तेज बारिश होने की संभावना जाहिर की थी। वहीं, 27 जुलाई तक हाई टाइड (ऊँची समुद्री लहरें) की चेतावनी दी है। जुहू बीच, मरीन ड्राइव और अन्य समुद्री तटीय क्षेत्रों में जाने से मना किया गया है। हाई टाइड के समय समुद्र की लहरें 4.5 मीटर (लगभग 15 फीट) तक ऊंची हो सकती हैं। इससे निचले इलाकों में पानी भरने का खतरा बना हुआ है। लगातार बारिश को देखकर मुंबई पुलिस ने एडवाइजरी जारी की है। मुंबई और आसपास के ज़िलों में भारी बारिश के कारण नागरिकों को सलाह दी गई है कि जब तक बहुत ज़रूरी न हो, घर के अंदर ही रहें, तटीय इलाकों से बचें और सावधानी से गाड़ी चलाएं।

सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को समन पर रोक का अंतरिम आदेश बरकरार रखा

-सावरकर पर टिप्पणी से जुड़ा हुआ है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ उत्तर प्रदेश में दर्ज एक आपराधिक मामले में समन पर लगी रोक को फिलहाल जारी रखा है। यह मामला 2022 में विनायक दामोदर सावरकर पर राहुल गांधी की कथित विवादास्पद टिप्पणी से जुड़ा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की पीठ ने शुक्रवार को इस मामले में सुनवाई करते हुए समन पर रोक को आगे भी बरकरार रखने का निर्देश दिया और अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद निर्धारित की है। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने निचली अदालत द्वारा जारी समन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर न्यायिक राहत की मांग की थी। अदालत ने पहले ही मामले की सुनवाई पर अंतरिम रोक लगाई हुई थी, जिसे अब आगे भी जारी रखा गया है।

राज्य सरकार ने दाखिल किया जवाब- उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गरिमा प्रसाद ने अदालत को सूचित किया कि राज्य सरकार ने राहुल गांधी द्वारा दाखिल याचिका के जवाब में अपना पक्ष कोर्ट में प्रस्तुत कर दिया है।

66 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति निष्ठा की शपथ ली

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में 66 कट्टर नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया, जो राज्य में वामपंथी उग्रवाद के लिए एक बड़ा झटका है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इसे सुरक्षा दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम बताया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि यह सामूहिक आत्मसमर्पण पांच जिलों में हुआ, जिसमें बीजापुर से 25, दंतेवाड़ा से 15, कांकेर से 13, नारायणपुर से 8 और सुकमा से 5 उग्रवादियों ने औपचारिक रूप से हिंसा का त्याग किया और लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति निष्ठा की शपथ ली। समूह में महिला उग्रवादियों का एक बड़ा हिस्सा शामिल था, जिनमें से कुछ दो दशकों से भी अधिक समय से नक्सली गतिविधियों में सक्रिय थीं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बताया कि हथियार डालने वालों में 49 उग्रवादी शामिल थे, जिन पर कुल 2.27 करोड़ रुपए का इनाम घोषित था। इनमें उच्च पदस्थ नेता और लंबे समय से उग्रवादी शामिल थे। इनमें सबसे प्रमुख रमन्ना इरपा उर्फ जगदीश था, जो विशेष क्षेत्रीय समिति का सदस्य था और जिस पर 25 लाख रुपए का इनाम था।

विधानसभा चुनाव से पहले बांग्ला कार्ड खेलने लगी ममता, भाजपा को कर रही सीधे टारगेट

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों से करीब 10 महीने पहले, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बांग्ला भाषा का मुद्दा उठाना शुरु कर दिया है। उन्होंने गुरुवार को कोलकाता में एक कार्यक्रम में एक नए भाषा आंदोलन का आह्वान किया। सीएम ममता ने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला भाषी लोगों को बांग्लादेशी कहकर हिरासत में लिया जा रहा है और उन्हें काम नहीं करने दिया जा रहा है, इस घटनाक्रम को उन्होंने भाषाई आतंकवाद करार दिया। उन्होंने कहा कि यह स्थिति अस्वीकार्य है और यह बांग्ला भाषी लोगों के उत्पीड़न के समान है। ममता ने जोर दिया कि बांग्ला दुनिया की पांचवीं सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है और भारत में करीब 30 करोड़ लोग बांग्ला भाषी हैं। उन्होंने हिरासत में लिए गए बांग्ला भाषी लोगों के हालिया मामलों का भी हवाला दिया, विशेष रूप से एनसीआर के गुरुग्राम में हुई घटना का।

ममता के इन बयानों से संकेत मिलता है कि वह विधानसभा चुनावों तक इस भाषा के मुद्दे को आगे बढ़ाना चाहती हैं, क्योंकि उन्होंने पहले भी चुनावों में बांग्ला कार्ड खेला है। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि बांग्ला भाषी लोगों पर इस तरह का हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और बंगालियों के लिए उनकी भूमि सर्वोपरि है, जिसके लिए वे कुछ भी करेगा। यह मुद्दा पश्चिम बंगाल के अलावा असम और त्रिपुरा जैसे राज्यों में भी बड़ी संख्या में बांग्ला भाषी आबादी के कारण महत्वपूर्ण है।

राबड़ी देवी का आरोप, बीजेपी-जेडीयू से तेजस्वी की जान को खतरा, अब तक 4 बार हमले हो चुके

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को राबड़ी देवी ने कहा, बचपन से गुंडई करते

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानमंडल के मानसून सत्र के 5वें और आखिरी दिन लंच के बाद भी सदन में विपक्ष का हंगामा देखने को मिला। सदन की कार्यवाही 7 मिनट के बाद स्थगित की गई। ढाई बजे कार्यवाही फिर शुरू हुई। विधानसभा स्पीकर ने विदाई भाषण में कुछ शायरियां पढ़ीं उन्होंने कहा कि नाराजगी कभी भी इतनी लंबी नहीं होनी चाहिए कि नाराजगी रह जाए और इंसान गुजर जाए। खूबियां इतनी नहीं हममें कि तुम्हें कभी याद आएंगे पर इतना इतबार हमें खुद पर है आप हमें कभी भूल नहीं पाएंगे।

इसके पहले सत्र में पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने सम्राट चौधरी पर कहा कि वे बचपन से बोरिंग रोड इलाके में गुंडई करता है। बोरिंग रोड चौराहे पर लड़कियों को छेड़ते रहे। वे कैसे दूसरे को गुंडा बोल सकते हैं।

दरअसल डिप्टी सीएम चौधरी ने सदन में तेजस्वी से कहा था कि जिसका बाप अपराधी वहां क्या बोलेगा। विधान परिषद में राबड़ी देवी ने तेजस्वी की जान को खतरा बताया और बीजेपी-जेडीयू पर इसके लिए साजिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तेजस्वी की जान को खतरा है। बीजेपी और जेडीयू वाले हमला करवा रहे हैं। अब तक 4 बार तेजस्वी पर हमले हो चुके हैं। ये लोग संस्कारहीन हैं। वहीं मुख्यमंत्री ने विपक्ष की तरफ इशारा करके कहा कि पहले यह लोग इस तरह का कपड़ा पहनते थे। राबड़ी देवी की तरफ इशारा करके कहा कि इन्हीं के कहने पर यह लोग सब इस तरह का कपड़ा पहन कर आ रहे हैं।

इसके बाद विधानसभा की कार्यवाही महज 5 मिनट में स्थगित कर दी गई। सदन शुरू करने से पहले स्पीकर ने मजाकिया लहजे में पूछा कि आज मौसम भी ठंडा है और माहौल भी ठंडा हैं। प्रश्नकाल से कार्यवाही शुरू हुई, विपक्ष के विधायक नारेबाजी करने लगे। राजद-कांग्रेस और माले के विधायक नारेबाजी करते हुए वेल में पहुंच गए। विपक्षी सदस्य टेबल पलटने लगे, इस पर विस अध्यक्ष ने कहा कि टेबल मत पलटिए, इसके बाद भी विपक्षी विधायक नहीं माने और हंगामा जारी रहा।

मणिपुर में छह महीने और बढ़ा राष्ट्रपति शासन, संसद में प्रस्ताव को मिली मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा लोकसभा में पेश किए गए एक प्रस्ताव के बाद मणिपुर में राष्ट्रपति शासन छह महीने के लिए बढ़ा दिया गया है। यह विस्तार 13 अगस्त, 2025 से प्रभावी होगा। मीडिया रिपोर्ट में आधिकारिक सूचना के मुताबिक यह सदन राष्ट्रपति द्वारा मणिपुर के संबंध में 13 फरवरी, 2025 को जारी की गई उद्घोषणा को 13 अगस्त, 2025 से छह महीने तक बढ़ा दिया है।

कर्नाटक में फिर घमासान: डीके शिवकुमार के साथ कर्नाटक सीएम सिद्धरमैया दिल्ली रवाना

बेंगलुरु (एजेंसी)। धुआं तभी उठता है जब आग होती है। कर्नाटक कांग्रेस में सियासी आग को ढंकने की कोशिशों के बीच धुआं उठता लोगों को दिखने लगा है। जहां एक तरफ कांग्रेस की सरकार में सब कुछ ठीक होने का दावा किया जा रहा है वहीं दूसरी तरफ अफरातफरी का महौल बना हुआ है। खबरें है कि कर्नाटक के राजनीतिक हलको में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के कार्यकाल पूरा करने को लेकर केवल इसी बात की चर्चा हो रही है कि वह मुख्यमंत्री बने रहेंगे या नहीं जबकि वह एक अनोखा रिकॉर्ड बनाने की ओर अग्रसर हैं। इस बीच, सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री व मुख्यमंत्री पद के एक और दावेदार डीके शिवकुमार एक बार फिर दिल्ली रवाना हो गए हैं। मुख्यमंत्री के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में सिद्धरमैया अब कर्नाटक के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित मुख्यमंत्री बनने के करीब हैं। वह वरिष्ठ नेता देवराज उर्स के रिकॉर्ड की बराबरी करने के करीब हैं।देवराज उर्स 2700 से अधिक दिनों तक मुख्यमंत्री बने रहे थे।

वैसे तो सिद्धरमैया बार-बार यह दावा करते रहे हैं कि वह अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे, लेकिन इसके बावजूद यह सवाल बना हुआ है कि क्या वह तथाकथित 'रोटेशनल फॉर्मूले' के तहत डीके शिवकुमार के लिए पद छोड़ देंगे। शिवकुमार को डीकेएस कहा जाता है। जून माह के बाद से दोनों नेता तीसरी बार दिल्ली गए हैं, जबकि कांग्रेस की राज्य इकाई में मुख्यमंत्री पद को लेकर असहज शांति व्याप्त है। राष्ट्रीय राजधानी की अपनी यात्रा के दौरान दोनों नेता (सिद्धरमैया व शिवकुमार) कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से मिल सकते हैं। कांग्रेस नेतृत्व के आदेश के बाद इस बार विधायकों ने मुख्यमंत्री के बदलने के संबंध में खुलकर कोई टिप्पणी नहीं की है।

हालांकि, अब तक इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। राज्य के राजनीतिक हलकों में, खासकर सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर इस बात की अटकलें काफी समय से लगाई जा रही हैं कि इस साल के अंत में मुख्यमंत्री बदले जा सकते हैं। यह चर्चा सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच सत्ता साझा करने के समझौते को लेकर है। ऐसा लगता है कि कांग्रेस नेतृत्व ने बिहार चुनाव समाप्त होने तक दोनों पक्षों को इंतजार कराने की रणनीति अपनाई है। इस समय सिद्धरमैया देश में कांग्रेस के इकलौते ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) मुख्यमंत्री हैं और पार्टी के कई नेताओं का मानना है कि अगर पार्टी उन्हें हटाती है तो इसका असर बिहार चुनाव पर पड़ सकता है क्योंकि यहां ओबीसी मतदाता की चुनाव परिणामों में निर्णायक भूमिका होती है।

सिद्धरमैया के खिलाफकोई कदम उठाया तो इसके क्या परिणाम हो सकते हैं? एक कांग्रेस नेता ने कहा कि यह कदम ओबीसी हितों के भी खिलाफमाना जाएग क्योंकि राहुल गांधी लगातार इसका (ओबीसी) समर्थन करते हुए नजर आ रहे हैं। जैसे कि वह जातीय जनगणना कराने और आरक्षण बढ़ाने का मुद्दा उठा रहे हैं। पार्टी पूरी तरह से इस बात को लेकर सतर्क है कि अगर उसने सिद्धरमैया के खिलाफ कोई कदम उठाया तो इसके क्या परिणाम हो सकते हैं। सिद्धरमैया को कर्नाटक में अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग और दलित समुदायों का जबरदस्त समर्थन प्राप्त है और उन्हें अधिकतर विधायकों का भी विश्वास हासिल है। कांग्रेस ने जब 2023 में राज्य का चुनाव जीता था तो सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच मुख्यमंत्री पद के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा रही थी। पार्टी ने डीकेएस को मना लिया और उन्हें उपमुख्यमंत्री बना दिया।

संघ द्वारा मुस्लिम समुदाय के साथ तालमेल बनाने की कवायद मानी जा रही मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में मुस्लिम मौलवियों, विद्वानों और समुदाय की प्रमुख हस्तियों से मुलाकात की और कई अहम मुद्दों पर विचार विमर्श किया। आरएसएस के संगठन मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (एमआरएम) के माध्यम से यह दिल्ली के हरियाणा भवन में यह बैठक आयोजित की गई। इस मुलाकात को संघ द्वारा मुस्लिम समुदाय के साथ तालमेल बनाने की कड़ी के तौर पर देखा जा रहा है। दरअसल, पिछले तीन साल से संघ प्रमुख मोहन भागवत की तरफ से प्रमुखता से मुस्लिमों और हिंदुओं के बीच की दूरी को पाटने की शुरुआत हुई है।

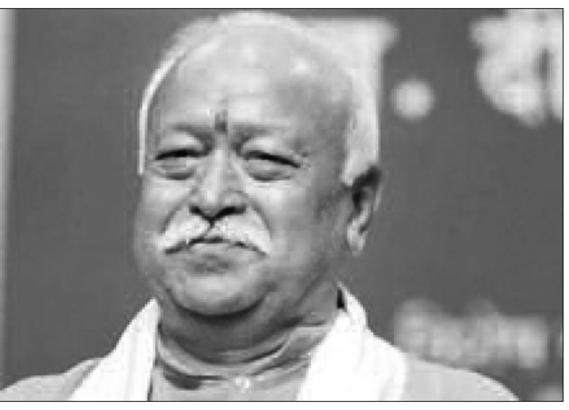

इस बैठक में भागवत के अलावा आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले, सह सरकार्यवाह कृष्ण गोपाल, राम लाल, इंद्रेश कुमार सहित आरएसएस के अन्य पदाधिकारी शामिल हुए हैं।भागवत ने 50 से अधिक मुस्लिम मौलवियों, विद्वानों से मुलाकात की, उनमें अखिल भारतीय इमाम संगठन के मुख्य इमाम उमर अहमद इलियासी, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय के पूर्व चांसलर और मौलाना अबुल कलाम आजाद के पोते फिरोज बख्त अहमद, मौलाना महमूद हसन, मौलाना नजीमुद्दीन, जुबैर गोपलानी के अलावा कई अन्य मौलवियों एवं विद्वान शामिल थे।

गौरतलब है कि सितंबर 2022 में, भागवत ने भारत में धार्मिक समावेशिता को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए कई प्रमुख मुस्लिम बुद्धिजीवियों से मुलाकात की थी। इस बैठक का उद्देश्य आरएसएस के विचारों का प्रचार-प्रसार करना और समुदायों के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देना था। उस दौरान ज्ञानवापी मस्जिद विवाद, हिजाब विवाद और जनसंख्या नियंत्रण जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई।

हरियाणा भवन में बृहस्पतिवार को हुई बैठक को लेकर संघ की तरफ से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया। फिरोज बख्त ने कहा, भाईचारा सबसे जरूरी मुद्दा रहा। एक खाई बनाने की कोशिश हो रही है, उसे पाटने पर बात हुई। हम अलग-अलग धर्मों को मानते होंगे, लेकिन हम सभी भारतीय हैं। इमाम इलियासी ने कहा कि यह पहली बार है जब इतनी बड़ी संख?या में मुस्लिम धर्मगुरुओं ने आरएसएस के साथ मीटिंग की है। आरएसएस नेता इंद्रेश कुमार वर्षों से मुस्लिमि समाज के साथ संवाद कर रहे हैं।

हरिद्वार पहुंचे 5 करोड़ कांवडिए, अपने-अपने घर लौटे पर 10 हजार मीट्रिक टन कचरा बना चुनौती

हरिद्वार (एजेंसी)। 23 जुलाई को कांवड़ मेला संपन्न हो गया है। इसमें में लगभग 5 करोड़ कांवडिया पहुंचे थे। इतनी बड़ी संख्या में उमड़ी भीड़ के कारण 10 हजार मीट्रिक टन कचरा बिखरा पड़ा है। जिसे समेटने और एकत्रित करने में एक हजार से ज्यादा सफाई मित्र पूरी ताकत से जुटे हुए हैं। गंगा सभा के सदस्य मनीष बताते हैं कि इस कचरे को स्थानीय स्वयंसेवक और नगम निगम के कर्मचारी मिलजुल कर हर की पौड़ी और दूसरे घाटों से हटा रहे हैं। जेसीबी लगी ट्रैक्टर-ट्रॉली को कूड़ा ढ़ोते देखा जा सकता हैं। जहां ट्रैक्टर नहीं जा पा रहे हैं वहां लोग हाथों से ही इसे उठा रहे हैं।

इस कचरे में अधिकांश सिंगल-यूज प्लास्टिक, मल्टीलेयर प्लास्टिक शामिल हैं। हरिद्वार की दैनिक कचरा निस्तारण क्षमता 30-50 मीट्रिक टन होने के बावजूद, मेले के बाद यह मात्रा कई गुना बढ़ गई है। हरिद्वार के जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बताया कि मेले के दौरान रोजाना लाखों कांवड़िए पैदल और वाहनों से हरिद्वार पहुंचे, जिसके कारण सफाई वाहनों का आवागमन मुश्किल हो गया था। उन्होंने कहा, जिन क्षेत्रों में सफाईकर्मी पहुंच पाए, वहां नियमित सफाई होती रही, लेकिन मेले के समापन के बाद अब गंदगी का निस्तारण बड़ी चुनौती है।

मेले के समापन के बाद हरिद्वार नगर निगम ने स्वच्छता को लेकर कमर कस ली है। नगर निगम ने 23 जुलाई की शाम से 24 जुलाई की सुबह तक 10 घंटे का विशेष सफाई अभियान चलाया, जिसमें 1,000 से अधिक कर्मचारियों को लगाया गया। इसके अलावा, तीन दिवसीय विशेष सफाई अभियान शुरू किया गया है, जिसमें हर की पौड़ी, मालवीय घाट, कनखल घाट, सुभाष घाट, नाई घाट, अलकनंदा घाट, शिव घाट, बिरला घाट, अपर रोड, कांवड़ पटरी मार्ग और अन्य प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया गया है। मेयर किरण जैसल ने मंगलवार को मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया और सफाईकर्मियों को कड़े निर्देश दिए कि कहीं भी कूड़े के ढेर नजर नहीं आने चाहिए। इस अभियान में ठोस कचरे का वैज्ञानिक निस्तारण किया जा रहा है। नगर निगम ने दुकानदारों को कंपोस्टेबल बैग वितरित किए थे, जो पर्यावरण के अनुकूल हैं और कचरे के निस्तारण में मदद कर रहे हैं। इस बार नगर निगम ने सफाई व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लाइनर बैग प्लस ड्रोन निगरानी मॉडल लागू किया, जो देशभर में चर्चा का विषय बना है। हर 6 घंटे में हर की पौड़ी और आसपास के क्षेत्रों में कूड़ा निस्तारण किया गया था। ड्रोन और सीसीटीवी के माध्यम से मेला क्षेत्र की निगरानी की जा रही थी ताकि सफाई कार्य सुचारु रूप से चल सके। इस पहल की स्थानीय व्यापारियों और श्रद्धालुओं ने सराहना की है।

मुख्यमंत्री ने कारगिल विजय दिवस पर बुजुर्गों से किया संवाद

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कारगिल विजय दिवस पर शालीमार बाग स्थित वरिष्ठ नागरिक कल्याण सोसायटी पहुंच कर बुजुर्गों से संवाद किया। यह जानकारी मुख्यमंत्री ने अपने एक्स अकाउंट पर साझा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे बुजुर्गों ने अपनी पूरी जिंदगी परिवार, समाज और राष्ट्र की सेवा में समर्पित कर दी। आज जब वे जीवन के एक खास पड़ाव पर हैं, तो उन्हें हमारे सहयोग, सम्मान और स्नेह की सबसे अधिक आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों से प्रेरित होकर हमारी सरकार ने 'आयुष्मान वय वंदना योजना' की शुरूआत की है, ताकि हर बुजुर्ग को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित हो सके।

मुख्यमंत्री ने कारगिल विजय दिवस पर मां भारती के वीर सपूतों को नमन किया। उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सेना के अद्वितीय शौर्य, अनुशासन और राष्ट्रनिष्ठा का प्रतीक है। कारगिल में मिली विजय भारत के साहस की भी विजय थी, संयम की भी विजय थी, मयार्दा और मातृभूमि-भक्ति की भी विजय थी। इस पावन दिवस पर हम वीर शहीदों को कृतज्ञता और श्रद्धा के साथ स्मरण करते हैं। उनका बलिदान हमें राष्ट्र सर्वोपरि की भावना को जीवन में उतारने की सतत प्रेरणा देता है। इनके साहस और बलिदान ने भारत की रक्षा की अमर गाथा लिखी।

कारगिल की जीत ने भारत के साहस और गरिमा को प्रदर्शित किया : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कहा कि कारगिल युद्ध में मिली जीत ने भारत के साहस, संयम और गरिमा को प्रदर्शित किया है। उन्होंने कहा कि 'कारगिल विजय दिवस' देश के सैनिकों के अद्वितीय पराक्रम, अनुशासन और समर्पण को श्रद्धांजलि है। कारगिल विजय दिवस हर साल 26 जुलाई को मनाया जाता है। भारतीय सेना ने 1999 में इसी दिन तोलोलिंग और टाइगर हिल समेत करगिल की बफीर्ली चोटियों पर लगभग तीन महीने तक चली लड़ाई के बाद ऑपरेशन विजय की सफल समाप्ति की घोषणा की थी। गुप्ता ने कहा कि कारगिल युद्ध केवल एक क्षेत्र की रक्षा के लिए नहीं था, बल्कि ये लड़ाई भारत के सम्मान, संप्रभुता और संकल्प की रक्षा के लिए भी थी। मुख्यमंत्री ने कहा, "कारगिल की विजय भारत के साहस, संयम, गरिमा और मातृभूमि के प्रति समर्पण की जीत थी। हम इस पावन दिवस पर वीर शहीदों को कृतज्ञता और श्रद्धा के साथ नमन करते हैं।"

इस साल 70 लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य : सिरसा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि हम सभी के सामूहिक प्रयासों से राष्ट्रीय राजधानी में इस साल 70 लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य जरूर पूरा करेंगे। वन महोत्सव 2025 के तहत शनिवार को एक पेड़ माँ के नाम अभियान में दिल्ली रिज में एक विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। समाज के विभिन्न क्षेत्रों से आई जानी-मानी हस्तियों ने अपनी माताओं की याद में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और मातृत्व के सम्मान का सशक्त संदेश दिया।

उन्होंने कहा, आज इन प्रतिष्ठित व्यक्तियों की मौजूदगी ने साबित कर दिया कि वन महोत्सव 2025 वास्तव में एक जन आंदोलन बन चुका है। इन पेड़ों को लगाकर उन्होंने यह संदेश दिया कि जैसे मां हमें जीवन देती है, वैसे ही

पेड़ पृथ्वी को जीवन देते हैं।

श्री सिरसा ने कहा, हम सभी के सामूहिक प्रयासों से दिल्ली इस साल 70 लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य जरूर पूरा करेगी। वन महोत्सव, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक पेड़ माँ के नाम 2.0 और दिल्ली सरकार की पर्यावरण कार्य योजना 2025 का अहम हिस्सा है, जिसका उद्देश्य दिल्ली की हवा को स्वच्छ करना और हरित क्षेत्र को बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि वन महोत्सव 2025 न्यायपालिका, मीडिया, चिकित्सा, राजनीतिक नेताओं और नागरिकों की भागीदारी से ऐतिहासिक गति प्राप्त कर रहा है।

क्राइम कंट्रोल एंड रिफॉर्म ऑर्गेनाइजेशन की आधिकारिक वेबसाइट हुई क्रेश

नमिता चौहान

नई दिल्ली। अपराध नियंत्रण एवं सुधार संगघन (Crime Control and Reform Organization) एक ऐसी संस्था हैं जो पूरे भारत में सक्रिय है और भारत सरकार द्वारा सोसायटी एक्ट. 1860 के तहत रजिस्टर्ड है। संस्था और इसके सदस्य बढ़ रहे अपराध को नियंत्रण करने और समाज सेवा का कार्य करते है, साथ ही पुलिस प्रशासन की मदद भी करते है।

संस्था द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, इस संस्था की आधिकारिक वेबसाइट https://www.cro-crimehq.in/ पर कुछ तकनिकी खराबी आने के कारण वेबसाइट पर दर्ज सदस्यों की तस्वींरें आपस में बदल गई है और कई ऐसी तस्वींरें भी

है जो दो से तीन सदस्यों की जानकारी में दिखाई दे रही है।

संस्था ने यह सूचना दी है कि, आज यानि 25 जुलाई, 2025 से आने वाले कुछ दिनों तक आधिकारिक वेबसाइट https://www.crocrimehq.in/ पर सदस्यों की जानकारी गलत दिख सकती है, जिससे लिए संस्था ने खेद व्यक्त किया है।

हालाँकि आज की तारीख तक संस्था की वेबसाइट पर तकनिकी खराबी के कारण हुई समस्या को काफी हद तक ठीक कर दिया गया है और जो रह गई है, उसे ठीक करने में कम से कम 10 से 15 दिन का समय लग सकता है। साथ ही संस्था ने यह भी बताया है कि, आने वाले महीने में 15 अगस्त की तारीख तक अपराध नियंत्रण एवं सुधार संगघन (Crime Control and Reform Organization) की आधिकारिक वेबसाइट https://www.cro-crimehq.in/ में कुछ नए अपडेट्स (बदलाव) किए जायेंगे, जिससे संस्था के सभी सदस्यों और प्रशासन को काफी सहूलियत होगी।

भारतीय सेना के शौर्य, गौरव-विजय का दिन है कारगिल विजय दिवस: सचदेवा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने देशवासियों को कारगिल विजय दिवस की बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन भारतीय सेना के शौर्य, गौरव और विजय का दिन है जिसपर हर भारतीय को गर्व है।

श्री सचदेवा ने शनिवार को कहा, "कारगिल की लड़ाई तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के शासन में लड़ी गई थी और इस लड़ाई के दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद को कुचलने का काम किया था।"

कारगिल विजय दिवस के मौके पर दिल्ली भाजपा ने सभी 14 संगठनात्मक जिलों में 140 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें प्रमुख रुप से तिरंगा यात्रा, विजय यात्रा, शिक्षण संस्थानों में व्याख्यान, शहीद स्मारकों में श्रद्धांजलि कार्यक्रम और शहीदों के परिवारों को सम्मानित करने जैसे कार्यक्रम शामिल थे।

श्री सचदेवा ने इस अवसर पर इंडिया गेट स्थित राष्ट्रीय समर स्मारक जाकर वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस मौके पर प्रदेश संगठन महामंत्री पवन राणा, प्रदेश महामंत्री एवं सांसद योगेन्द्र चंदोलिया, सांसद कमलजती सहरावत, प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल और प्रदेश भाजपा मीडिया रिलेशन प्रमुख विक्रम मित्तल भी उपस्थित थे।

श्री सचदेवा ने कहा कि आज का दिन भारतीय सेना की जीत का जश्न मनाने का है। यह हर भारतीय के गौरवान्वित होने का दिन है।

सत्र शुरू होने से पहले सुरक्षा को लेकर डीयू ने की तैयारी

- सोमवार को डीयू के अधिकारियों की पुलिस, एमसीडी, सभी कॉलेजों के प्रिंसिपल और विभागाध्यक्षों के साथ होगी बैठक
- डीयू ने जारी की अनुशासन और रैगिंग विरोधी दिशानिर्देश, सभी कॉलेजों ने डीयू को सौंपा अधिकारियों की सूची

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय अपना नया सत्र 1 अगस्त से शुरू करने जा रहा है। सत्र शुरू होने से पहले सुरक्षा को लेकर डीयू ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। डीयू के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सोमवार को दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों, दिल्ली परिवहन निगम, मेट्रो, सभी कॉलेजों के प्रिंसिपल और सभी विभागाध्यक्षों के साथ इसको लेकर बैठक आयोजित की जाएगी।

इससे पहले डीयू ने शैक्षणिक सत्र की शुरूआत से पहले छात्र अनुशासन और रैगिंग को लेकर दो पन्नों में विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी कॉलेजों, विभागों, छात्रावासों और संस्थानों को निर्देश दिया है कि वे समय रहते अनुशासन और रैगिंग से जुड़ी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें ताकि छात्रों को एक सुरक्षित और सकारात्मक माहौल मिल सके। कई कॉलजों व विभागों ने अपने यहां बनाई गई समितियों के नाम डीयू को सौंपें भी हैं। दिशानिदेर्शों के अनुसार, विश्वविद्यालय ने साफ किया है कि अनुशासन से जुड़ी जिम्मेदारी संबंधित कॉलेजों और विभागों के प्रमुखों, डीन, प्राचार्य और छात्रावास अधीक्षकों की होगी। प्रत्येक संस्थान को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके यहां कोई भी रैगिंग या अनुशासनहीनता की घटना न हो। इसके लिए वे एक वरिष्ठ शिक्षक या प्रशासनिक अधिकारी को अनुशासन प्रभारी के रूप में नियुक्त कर सकते हैं। यह प्रभारी विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर कार्यालय से समन्वय करेगा और गंभीर मामलों की रिपोर्ट करेगा। लगभग सभी कॉलेजों ने अपने गेट पर एंटी रैगिंग की जानकारी और पोस्टर जारी किए हैं। जिससे नए छात्रों को इसको लेकर जानकारी मिल सके। नए छात्रों के लिए एक मेंटर प्रणाली लागू करने का भी सुझाव दिया गया है, जिसमें वरिष्ठ छात्र उन्हें मार्गदर्शन देंगे ताकि वे नए वातावरण में सहज महसूस करें और अनुशासन का पालन कर सकें।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने रैगिंग रोकने के लिए कॉलेजों में डिसिप्लिनरी कमेटी, एंटी-रैगिंग सेल, और अनुशासन निगरानी दल गठित करने को कहा है। यह टीमें नियमित रूप से निगरानी करेंगी और छात्रों से जुड़ी किसी भी अनुशासनहीन गतिविधि की सूचना तुरंत उच्च अधिकारियों को देंगी। इन सभी समितियों की जानकारी और संपर्क नंबरों को छात्र सूचना पटल पर चस्पा करना अनिवार्य किया गया है। इसके साथ ही सभी विभागों, कॉलेजों और छात्रावासों को यह निर्देश भी दिया गया है कि अगर किसी छात्र या अभिभावक को कोई अनुशासन या रैगिंग से जुड़ी शिकायत करनी हो तो वे संबंधित अधिकारियों से सीधे संपर्क कर सकें। इसके लिए शिकायत पेटी, ईमेल और हेल्पलाइन नंबर जैसे विकल्प सक्रिय रखने होंगे।

मुनक नहर के किनारे विकसित होगा नया रिवरफ्रंट : मुख्यमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र स्थित पीतमपुरा में विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन व निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शालीमार बाग विधानसभा स्थित मुनक नहर के ऊपर जल्द ही एलिवेटेड कॉरिडोर बनना शुरू हो जाएगा। इसके पूरा होने के बाद इलाके के लोगों को ट्रैफिक जाम से मुक्ति मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि मुनक नगर के किनारे नया रिवर फ्रंट भी विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने इस दौरान पीतमपुरा के अलग-अलग ब्लॉक में नई सीवर लाइन के निर्माण कार्यों का उद्घाटन किया, जिसकी लागत 60 लाख रुपये है। इसके अलावा कॉलोनी की एक सड़क का उद्घाटन भी किया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 91 लाख रुपये की लागत से एसपी-टीपी की अन्य गलियों का निर्माण

जल्द शुरू होगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रेमबाड़ी पुल से सिंगलपुर गांव तक सड़क चौड़ीकरण परियोजना का निरीक्षण किया और इसे जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही लाला जगत नारायण मार्ग पर एनएसपी से मधुबन चौक पर प्रस्तावित यू-टर्न (लागत 40 लाख रुपये) का शिलान्यास भी किया। एलिवेटेड रोड से जाम की समस्या खत्म होगी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने निरीक्षण के दौरान मुनक नहर पर एलिवेटेड रोड परियोजना के बारे में बताया कि यह सड़क इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन से लेकर दिल्ली बॉर्डर तक बनेगी और आउटर व इनर रिंग रोड के बीच की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगी।

सुप्रीम कोर्ट पहुंची दिल्ली सरकार, पुराने वाहनों पर रोक के आदेश पर पुनर्विचार की मांग

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाकर दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में चल रहे 10 साल से अधिक पुराने डीजल वाहनों और 15 साल से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों पर लगे प्रतिबंध की समीक्षा करने की मांग की।

दिल्ली सरकार का तर्क है कि मौजूदा पॉलिसी से मध्यम वर्ग पर अनुचित दबाव पड़ रहा है। रेखा गुप्ता सरकार ने 2018 के उस नियम पर पुनर्विचार करने की मांग की है जिसमें पुरानी गाड़ियों पर प्रतिबंध है।

सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया गया है कि वह केंद्र सरकार या वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को एक व्यापक वैज्ञानिक अध्ययन करने का निर्देश दे। यह अध्ययन वाहनों की उम्र के

आधार पर लगाए गए प्रतिबंध के वास्तविक पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन करेगा और मूल्यांकन करेगा कि क्या यह कदम राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु गुणवत्ता सुधार में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

याचिका में इस बात पर जोर दिया गया है कि सभी वाहनों पर पूर्ण प्रतिबंध को लेकर पड़ने वाले असर और निष्पक्षता की दोबारा जांच की जाए। सरकार एक अधिक सटीक, उत्सर्जन-आधारित नियामक ढांचे की वकालत करती है, जो वाहन की उम्र के बजाय उससे होने वाले वायु प्रदूषण और गाड़ी की फिटनेस को ध्यान में रखे।

मौजूदा नियम सभी वाहनों के लिए एकसमान अनुपालन की मांग करता है, चाहे वे बहुत प्रदूषण फैलाने वाले हों या अच्छी तरह से रखरखाव किए गए, कम उपयोग वाले वाहन हों। यह क्षेत्र में प्रदूषण के स्तर को प्रभावी ढंग से कम करने के व्यापक लक्ष्य के साथ मेल नहीं खाता। दिल्ली सरकार ने बताया कि बीएस-6 वाहन, जो स्वच्छ उत्सर्जन मानक के तहत लाए गए हैं, बीएस-4 वाहनों की तुलना में काफी कम प्रदूषण फैलाते हैं। सरकार ने तर्क दिया कि वर्तमान में प्रतिबंध से प्रभावित कई वाहन अच्छी तरह से रखरखाव किए हुए हैं और जरूरी मानदंडों का पालन करते हैं।

विभिन्न अध्ययनों का हवाला देते हुए सरकार ने कहा है कि कम इस्तेमाल होने वाली पुरानी गाड़ियों से प्रदूषण बहुत कम होता है। यह प्रतिबंध मध्यम वर्ग के लोगों पर अनावश्यक बोझ डाल रहा है, जो इन गाड़ियों का इस्तेमाल सीमित लेकिन जरूरत के अनुसार करते हैं। सरकार चाहती है कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए अधिक वैज्ञानिक और निष्पक्ष उपाय किए जाएं।

एक नजर

दिल्ली में पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई, तीन घंटे में 79 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तरी बाहरी जिला पुलिस ने तीन घंटे की गश्त के दौरान आबकारी, जुआ अधिनियम, अवज्ञा समेत विभिन्न धाराओं में 79 लोगों को गिरफ्तार किया है। 82 वाहन जब्त किए गए। गश्त में जिले के 350 अधिकारी व कर्मचारी शामिल हुए। जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर ने बताया कि 24 और 25 जुलाई की रात्रि 10 बजे से एक बजे के बीच बाहरी उत्तरी जिला दिल्ली में एक सामान्य गश्त की गई। इस गश्त के दौरान, क्षेत्र में दो पुलिस उप-निरीक्षक, पांच सहायक पुलिस अधीक्षक, 19 निरीक्षक, 65 अपर अधीनस्थ, 224 अवर अधीनस्थ और 26 गृह रक्षकों शामिल हुए। गश्त के दौरान पुलिस ने जुआ अधिनियम के तहत पांच मामले दर्ज किए गए, इनमें 22 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया और 63 हजार 850 रुपये नकद बरामद किए गए। आबकारी अधिनियम के तहत दर्ज पांच मामलों में छह आरोपित गिरफ्तार किए गए और 948 क्वार्टर, 81 बोतलें और एक स्कूटी बरामद की गई। एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज मामले में एक व्यक्ति से 11.28 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। बीएनएस की धारा 223 में नौ आरोपित और धारा 126/170 (107/151 सीआरपीसी) के तहत 41 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा 42 लोगों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। 82 वाहनों को डीपी अधिनियम की धारा 66 के तहत जब्त किया गया। 549 लोगों को डीपी अधिनियम की धारा 65 के तहत हिरासत में लिया गया।

अंतर-धार्मिक जोड़े की सुरक्षा संबंधी याचिका पर हाईकोर्ट ने पुलिस से मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक अंतर-धार्मिक प्रेमी जोड़े की याचिका पर संज्ञान लेते हुए संबंधित जिला पुलिस उपायुक्त से रिपोर्ट तलब की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि पुलिस ने उन्हें सुरक्षा देने के बजाय अलग कर दिया। कोर्ट ने दक्षिण-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) को मामले की व्यक्तिगत जांच कर महिला से शेल्टर होम में संपर्क करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति संजीव नरूला की एकल पीठ ने आदेश दिया कि डीसीपी स्वयं महिला से मिलें। यदि वह याचिकाकर्ता के साथ रहना चाहती है, तो दिल्ली पुलिस की एसओपी के अनुसार दोनों को किसी सुरक्षित स्थान पर भेजने की व्यवस्था की जाए। याचिका के अनुसार, उत्तर प्रदेश निवासी यह जोड़ा 22 जुलाई को दक्षिण-पूर्वी डीसीपी के पास सुरक्षा की मांग को लेकर पहुंचा था। लेकिन पुलिस ने उन्हें न तो सुरक्षा दी और न ही सेफ हाउस में रहने की अनुमति दी। याचिका में दावा किया गया कि महिला को जबरन अलग कर दिया, उसकी मेडिकल जांच कराई और फिर 24 जुलाई की सुबह तीन बजे उसे एक महिला शेल्टर होम में भेज दिया। जबकि महिला बार-बार अपने प्रेमी के साथ रहने की इच्छा जता रही थी। कोर्ट ने आदेश दिया कि संबंधित डीसीपी 23 और 24 जुलाई की घटनाओं की विस्तृत और व्यक्तिगत रूप से सत्यापित स्थिति रिपोर्ट दाखिल करें। जिसमें याचिकाकताओं की शिकायत पर की गई कार्रवाई का उल्लेख हो। कोर्ट ने आठ अगस्त को होने वाली अगली सुनवाई तक रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया है। साल 2018 से दोनों के बीच है प्रेम संबंध : याचिका में कहा गया है कि दोनों साल 2018 से एक-दूसरे के साथ प्रेम संबंध में है। वे अपने संबंध को वैध रूप से विवाह में बदलना चाहते थे। लेकिन उनके रिश्ते को परिवार की ओर से विरोध और धमकियों का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद दोनों एक-दूसरे के संपर्क में रहे और कानूनी तरीके से विवाह करने का निर्णय लिया।

द्वारका में मोबाइल चोर गिरफ्तार, 4 फोन बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के द्वारका की बिंदापुर पुलिस ने बड़े ऑपरेशन में सक्रिय चोर अमन कुमार यादव को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने चार चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ पहले से छह आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) अंकित सिंह के अनुसार, बिंदापुर थाना पुलिस की एक विशेष टीम को क्षेत्र में सक्रिय अपराधियों पर नजर रखने का जिम्मा सौंपा गया था। इस टीम में हेड कांस्टेबल नीरज, जिले सिंह, कांस्टेबल राजेश डागर और आशीष शामिल थे। इनकी अगुवाई इंस्पेक्टर दर्शन लाल (थाना प्रभारी, बिंदापुर) और सहायक पुलिस आयुक्त राजकुमार (दबरी) कर रहे थे। 21 जुलाई को पुलिस को सूचना मिली थी कि चोरी के मोबाइल फोन में एक सिम कार्ड था, जो दोबारा चालू हुआ। पुलिस ने कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और सर्विलांस के जरिए सिम के मालिक की जानकारी हासिल की। लोकेशन ट्रेस करने पर पता चला कि फोन दिल्ली के उत्तम नगर स्थित नन्हे पार्क में है। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थानीय जांच शुरू की। जांच में पता चला कि अमन कुमार यादव नाम का व्यक्ति इस इलाके में रहता है। पुलिस ने अमन से फोन के बारे में पूछताछ की, लेकिन वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। जांच में पाया गया कि यह फोन बिंदापुर थाने में दर्ज ई-एफआईआर नंबर 80063217/25 में चोरी का था। इसके बाद अमन के कमरे की तलाशी ली गई, जिसमें तीन अन्य चोरी के मोबाइल फोन बरामद हुए। ये सभी फोन जिपनेट के जरिए चेक किए गए और बिंदापुर थाने में दर्ज अन्य चोरी के मामलों से जुड़े पाए गए। अमन कुमार यादव (24), जो भोला यादव का बेटा है, उत्तम नगर के नन्हे पार्क में रहता है। वह कबाड़ इकट्ठा करने का काम करता है और मुख्य रूप से गत्ते (कार्डबोर्ड) बेचता है। अमन पहले भी चोरी और छिनतई के छह से अधिक मामलों में शामिल रहा है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच अभी जारी है और अन्य संभावित अपराधों की भी पड़ताल की जा रही है।

विकास यादव से जुड़े अपहरण मामले में सह-आरोपी को मिली जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी। पटियाला हाउस कोर्ट ने पूर्व सरकारी अधिकारी विकास यादव से जुड़े चर्चित फिरौती व अपहरण मामले में सह-आरोपी जलालुद्दीन उर्फ समीर को जमानत दे दी है। विकास यादव अमेरिका में खालिस्तानी अलगाववादी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश के मामले में आरोपी है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सौरभ प्रताप सिंह ललेर की अदालत ने आदेश में कहा कि प्राथमिकी दर्ज होने के तीन सप्ताह के भीतर ही शिकायतकर्ता राजकुमार वालिया और आरोपी जलालुद्दीन के एक साथ थाईलैंड यात्रा पर गए थे, जिससे शिकायत की विश्वसनीयता प्रथम दृष्टया संदेह उत्पन्न होता है। मामला दिसंबर 2023 में दर्ज हुआ था। जिसमें वालिया ने आरोप लगाया था कि 17 दिसंबर को विकास यादव और अब्दुल्ला खान ने उन्हें अगवा कर मारपीट की, नशीला इंजेक्शन दिया और नकद, गहनों और चेक सहित कीमती सामान लूट लिया। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने फिरौती के लिए अपहरण, हत्या के प्रयास, आपराधिक धमकी, लूट, आपराधिक साजिश और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था। कोर्ट के समक्ष जलालुद्दीन के वकील ने बताया कि वालिया और जलालुद्दीन दोनों छह जनवरी 2024 को थाईलैंड पहुंचे, जो कि प्राथमिकी दर्ज होने के बाद की बात है। यह तथ्य न तो जांच अधिकारी और न ही अदालत के समक्ष शिकायतकर्ता ने कभी उजागर किया। कोर्ट ने पासपोर्ट प्रविष्टियों को निर्विवाद और वस्तुनिष्ठ साक्ष्य करार देते हुए कहा कि शिकायतकर्ता इस यात्रा को लेकर कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दे सके। साथ ही जलालुद्दीन के खिलाफ कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। कोर्ट ने एक लाख रुपये के निजी मुचलके और दो जमानतदारों के आधार पर जमानत दी।

मध्य प्रदेशः झाबुआ में ब्लड डोनेशन कैम्प लगवाने के संबंध में सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक को लेटर जारी किया

मुजफ्फर खान शेख

मध्य प्रदेशः संचालनालय लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग (राज्य रक्ताधान परिषद्) मध्यप्रदेश के संदर्भ में निजी चिकित्सक संगठन द्वारा समय-समय पर प्रति वर्ष स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन करवाया जाता है। वर्तमान में जिला चिकित्सालय झाबुआ स्थित ब्लड बैंक में रक्त की कमी को देखते हुए आपके संगठन द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन प्रारम्भ कर अधिक से अधिक रक्त संगृहण स्वैच्छिक कार्य करवाने का निर्णय लिया ताकि जरूरतमंदो को समय पर ब्लड बैंक द्वारा रक्त प्रदान किया जा सके। चार चरण में ये शिविर को प्रारंभ किया है जिसमें पहले चरण में जैसे राणापुर, उदयगढ़, झाबुआ, पेटलावा थांदला, टाडी, के निजी चिकित्सकों ने अपना कीमती वक्त देखकर लोगों को फायदा पहुंचाने वाला कार्य किया और स्वैच्छिक रक्त दान शिविर आयोजन में शामिल हुए।

वहीं निजी चिकित्सक संगठन के अध्यक्ष डॉ एल एस राठौर ओर उपाध्यक्ष डॉ लोकेश दवे, सचिव डॉ अरविंद दतला ने जिले के सभी डॉक्टर्स और लोगों को रक्त दान के लिए प्रेरित किया ओर स्वैच्छिक रक्त दान शिविर को सफल बनाया। सचिव डॉ अरविंद दतला ने लोगों को बताया कि ब्लड डोनेट करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

अगर आप ब्लड डोनेट करने जा रहे हैं तो आपको अच्छी नींद लेना जरूरी है। अगर नींद पूरी न हुई हो तो इससे आपकी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। शरीर और कमजोर हो सकता है और चक्कर आने और थकान जैसी दिक्कतें हो सकती हैं।

अगर आप ब्लड डोनेट करने जा रहे हैं तो आपको किसी तरह का इंफेक्शन है तो इससे बचना चाहिए। या फिर सर्दी-जुकाम की समस्या होने पर भी ब्लड डोनेट करने से बचना चाहिए।

अगर आपने हाल फिल्हाल में अपनी बॉडी पर कोई भी टैटू बनवाया है तो आपको ब?लड डोनेट करने से बचना चाहिए।

रक्तदान एक महादान है, जो किसी की ज़िंदगी बचा सकता है। लेकिन हर कोई रक्तदान नहीं कर सकता। रक्तदान करने से पहले कुछ बातों का जानना बेहद जरूरी है ताकि यह प्रक्रिया दाता और प्राप्तकर्ता दोनों के लिए सुरक्षित रहे।

आइए, जानते हैं रक्तदान से जुड़ी जरूरी बातें कौन कर सकता है रक्तदनः 18 से 65 वर्ष की आयु के स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकते हैं। रक्तदाता का वजन कम से कम 50 किलोग्राम होना चाहिए। रक्तदान से पहले हीमोग्लोबिन की जांच की जाती है, पुरुषों में यह कम से कम 13 ˘/छि और महिलाओं में 12.5 ˘/छि होना चाहिए।

शिवसेना पदाधिकारी ने पूर्व मंत्री इकबाल महमूद के विरोध में मान्यवृष पुलिस अधीक्षक के गिरफ्तारी की मांग

अजय सक्सेना

उत्तर प्रदेशः शिवसेना जिला प्रमुख के नेतृत्व में आज शिवसेना पदाधिकारी ने पूर्व मंत्री इकबाल महमूद के विरोध में नारेबाजी` वह मान्यवृष पुलिस अधीक्षक महोदय जी से उनके खिलाफ मुकदमा लिखने में गिरफ्तारी की मांग की शिवसेना जिला प्रमुख ने कहा किसी भक्त कांवड़ियों के खिलाफ अभद्र भाषा का उपयोग करने व अपार्ट करने व हिंदुओं की भावनाओं को आहत करने वाले पूर्व मंत्री इकबाल में मोदी को गिरफ्तार किया जाए इसके लिए शिवसेना हिंदू हितों के के लिए सड़कों पर उत्तर के आंदोलन करेगी आज कार्यक्रम में मुख्य रूप से वीरेंद्र अरोड़ा कमल सिंह राव मुदित उपाध्याय शिबू पांडे अरुण ठाकुर उमेश ठाकुर राहुल सिंह पंकज पाल आकाश सिंह बादाम सिंह धर्मेंद्र कश्यप आदि ने भाग।

प्रशिक्षण संबंधी कार्य को सुचारू एवं सुव्यवस्थित रूप से संपादित करने हेतु बीएलओ को प्रशिक्षण दिया गया

आरिफ मोहम्मद

मध्य प्रदेशः भारत निर्वाचन आयोग निदेर्शानुसार 17 जून 2025 द्वारा निर्वाचक नामावली के त्रुटि रहित बनाने के निदेर्शों के अन्तर्गत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा मीना के निर्देश के पालन में बीएलओं के क्षमता विकास हेतु सभी बूथ लेवल ऑफिसर्स को प्रशिक्षित किए जाने के संबंध में बीएलओं को विधिक प्रावधानों, निर्वाचक नामावली तैयार करने संबंधी प्रक्रिया, घर-घर जाकर सर्वे कर निर्वाचक मतदाता की जानकारी का सत्यापन करना, मृत/स्थानान्तरित/दोहरी प्रवृष्टि की जानकारी तथा राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि बूथ लेवल एजेन्ट से समन्वय, फॉर्म, 6,7,8, बीएलओं एप्प आदि के संबंध में बारिकियों से भलि भांति अवगत करवाने के लिए विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्र. 193 झाबुआ अन्तर्गत निर्वाचन प्रशिक्षण संबंधी कार्य को सुचारू एवं सुव्यवस्थित रूप से संपादित करने हेतु समस्त प्रशिक्षण कार्यों का नोडल अधिकारी तहसीलदार एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी श्री सुनिल कुमार डावर तहसील झाबुआ एवं मास्टर ट्रेनर श्री अजय कुशवाह, श्री हरीश कुण्डल द्वारा आज मतदान केन्द्र क्रमांक 1 से 50 तक के बीएलओं को प्रशिक्षण दिया गया है।

यह ट्रेनिंग 4 दिवस तक चलने वाली है प्रतिदिन 50 बीएलओं की ट्रेनिंग रहेगी सोमवार से गुरूवार तक कुल 192 मतदान केन्द्र झाबुआ तहसील के अन्तर्गत आने वाले बीएलओं की ट्रेनिंग झाबुआ तहसील कार्यालय बैठक हॉल में प्रशिक्षण जारी रहेगा। विधानसभा 193- झाबुआ में कुल 356 मतदान केन्द्र है 356 में से मतदान केन्द्र 164 की ट्रेनिंग राणापुर में भी दी गई है। नोडल अधिकारी तहसीलदार एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी हुकुमसिंह निंगवाल तहसील राणापुर एवं मास्टर ट्रेनर श्री मनीष पंवार प्रचार्य बन, दिपक रावल सहा. प्रध्यापक शा. आदर्श महाविद्यालय झाबुआ द्वारा आज दिनांक मतदान केन्द्र क्रमांक 180, 194 से 242 तक के बीएलओं को प्रशिक्षण दिया गया है। तहसील कार्यालय झाबुआ में प्रशिक्षण का अवलोकन निरीक्षण उप जिला निर्वाचन अधिकारी जिला झाबुआ श्री एच. एस. विश्वकर्मा द्वारा किया गया तथा उचित मार्ग दर्शन दिया गया है।

एक नजर

पश्चिम बंगाल के सामशेरगंज में २० लीटर चोरी की शराब बरामद

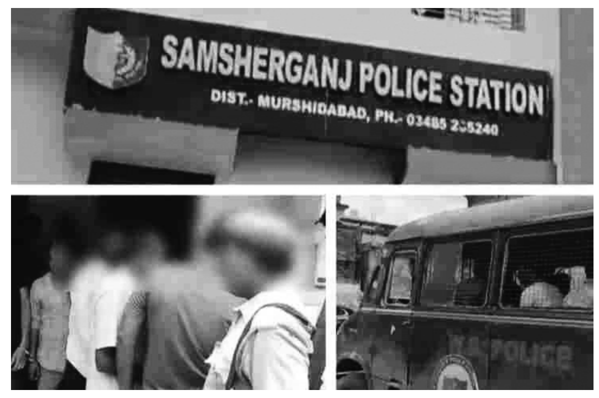

सुभाष शर्मा/पश्चिम बंगालः सामशेरगंज पुलिस को मिली बड़ी सफलता। शुक्रवार की रात ९ बजे की सामशेरगंज थाने की ओसी के निर्देश पर एस आई दीपक दास तथा उसकी टीम सामशेरगंज के पाकुड़ रोड के पास घोड़ामारा इलाका में अभियान चलाया। इस दौरान झारखंड से होते हुए एक टोटो बंगाल की ओर आ रही थी। शक होने पर टोटो को रोक कर तलाशी ली गई। इस दौरान प्लास्टिक की ड्रम में २० लीटर चोरी की शराब बरामद हुई। इसके साथ ही तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए अभियुक्त के नाम देवराज दास, कालाम शेख और सफीकुल शेख। इनमें से कालाम शेख और सफीकुल शेख का घर पाकुड़ जिले में है। शनिवार सुबह तीनों आरोपियों को जंगीपुर महाकुमा अदालत में भेजा गया।

सरयू और गंगा जल लेकर मुख्यमंत्री आवास पहुंचे युवा, पुलिस ने पकड़ा

हरिओम शुक्ला/उत्तर प्रदेशः देश के सबसे प्रदेश की राजधानी में स्कूलों की मनमानी फीस लेने की शिकायत को लेकर कुछ युवा खुद को कावड़िया बता कर मुख्यमंत्री आवास पहुंचे थे। जब पुलिस ने उन्हें अंदर जाने से रोका तब वो वहीं प्रदर्शन करने लगे। उन्होंने बोतलों में सरयू और गंगा का जल भर रखा था। गोल्फ चौराहे के पास युवाओ और पुलिस के बीच धक्का मुक्की हुई थी।

युवाओं से बात करने पर पता चला की वो मुख्यमंत्री को भगवान की तरह मानते है। इसीलिए वो गोंडा से चल कर आये है। वो स्कूलों की मनमानी से त्रस्त है इसी लिए वो मुख्यमंत्री से मिल कर इस चीज की शिकायत करना चाहते हैं। निजी स्कूल लगाकर अपनी फीस बढ़ाते जा रहे हैं जिसकी वजह से बच्चों के माता पिता को बहुत परशानियों का सामना करना पद रहा है इसको लेकर एक बार वो विधान सभा का घेराव कर चुके है पर अभी तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है।

कोडरमा-गया रेलखंड में शुरू हुआ टिकट चेकिंग अभियान

विष्णु कुमार बरनवाल

झारखण्डः धनबाद मंडल ने कोडरमा-गया रेलखंड में बड़े पैमाने पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया। इस अभियान के तहत 110 यात्रियों को बिना टिकट या अनुचित तरीके से यात्रा करते हुए पकड़ा गया और उनसे 71,970 रुपये की जुमार्ना राशि वसूली गई।

अभियान के मुख्य बिंदु

- 110 यात्रियों को पकड़ा गयाः बिना टिकट, बिना उचित प्राधिकार और बिना बुक किए गए सामान के साथ यात्रा करने वाले यात्रियों को पकड़ा गया।
- 71,970 रुपये जुमार्नाः पकड़े गए यात्रियों से जुमार्ने के रूप में 71,970 रुपये की राशि वसूली गई।
- भविष्य में भी जारी रहेगा अभियानः धनबाद मंडल द्वारा भविष्य में भी टिकट जांच अभियान जारी रखने की बात कही गई है।

धनबाद मंडल यात्रियों से उचित टिकट के साथ यात्रा करने और प्लेटफॉर्म में प्रवेश करने की अपील करता है। साथ ही, यात्रियों से अनुरोध करता है कि वे जिस श्रेणी का टिकट खरीदते हैं, उसी श्रेणी में यात्रा करें।

ब्रह्मऋषि पत्रीजी परिनिर्वाण दिवस पर ध्यान सत्र एवं शाकाहार यात्रा का सफल आयोजन

निखिल खुरानिया

हिरयाणाः नारायण पिरामिड ध्यान केंद्र, कैथल द्वारा 24 जुलाई 2025 को ब्रह्मऋषि पत्रीजी परिनिर्वाण दिवस (महाकरुणा दिवस) के पावन अवसर पर एक विशेष ध्यान सत्र एवं शाकाहार यात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सायं 4:00 बजे ध्यान सत्र से हुआ, जिसमें साधकों ने आंतरिक शांति, करुणा और आत्म-जागरूकता की अनुभूति की। ध्यान सत्र के पश्चात 5:00 बजे से शाकाहार यात्रा आरंभ हुई, जिसमें लगभग 200 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा का शुभारंभ मीनाक्षी खुरानिया जी एवं निखिल खुरानिया जी द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। यात्रा कव्र्छक बैंक, कुरुक्षेत्र रोड से आरंभ होकर शोरे वाला मार्ग, अम्बाला रोड, सर छोटू राम चौक से होती हुई पुनः IDBI बैंक पर समाप्त हुई। यात्रा के दौरान बच्चों द्वारा बनाए गए प्रेरणादायक बैनर आकर्षण का केंद्र रहे और जोशपूर्ण नारों ने वातावरण को जीवंत बना दिया। इस शाकाहार यात्रा के माध्यम से शाकाहार, अहिंसा, स्वास्थ्य और पर्यावरण संतुलन का संदेश जन-जन तक पहुँचाया गया। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों के लिए अन्नप्रसादम् की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम को स्थानीय प्रशासन का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ, जिसके लिए ध्यान केंद्र ने सम्पूर्ण प्रशासन का आभार प्रकट किया। यह यात्रा ब्रह्मऋषि पत्रीजी की करुणा, शांति और अहिंसा की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुँचाने का एक सशक्त माध्यम बनी। यह आयोजन आत्म-जागरूकता, पर्यावरणीय संतुलन और करुणामय जीवन शैली के प्रति जनचेतना जगाने में पूर्णतः सफल रहा।

राणापुर में नशीले पदार्थ का अवैध कारोबार

धड़ल्ले से बिक रही हे मौत रुकने का नाम नहीं लें रहा नशे का कारोबार

मुजफ्फर खान शेख

मध्य प्रदेशः राणापुर के कई घरों के उभरते हुए युवा सितारों की जिंदगी दाव पर जिससे परिवार चिंतित पुलिस प्रशासन से सभी परिवार वालों की गुहार के विक्रेताओं को जल्द से जल्द पकड़े ओर राणापुर को नशा मुक्त करे राणापुर में नशे का काला कारोबार तेजी से फैलता जा रहा है। इसकी चपेट में बड़ी संख्या में युवा पीढ़ी अपना जीवन बर्बाद कर जिंदगी को मौत के मुंह में धकेल रहे हैं। ठउफ समाचार की टीम ने कुछ परिवारो से वातार्लाब की जिससे युवाओं के परिवार और परिजनो ने अपनी बात रखी विशेषकर युवाओं को टारगेट कर नशे के विक्रेता इन्हें अपने जाल में फंसा रहे है। गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र के रास्तें बड़े पेडलर पुलिस की आंखों में धूल झोंकते हैं। इस धंधे में अच्छा खासा मुनाफा होने के कारण पेडलरों के साथ महिलाएं भी इस कार्य में शामिल है।

पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी दिनेश रावत की टीम नशे पर निगरानी बनाए हुए हैं। शहर में नशा बेचने वाले पुलिस की नजर में है। पुलिस की इस कार्रवाई में छोटे-मोटे सप्लायरों की धरपकड़ होती है। इधर-उधर चौराहों ओर संभ्रांत गलियों में छुपते छुपाते नशा बेचने वाले लोग पकड़ में आ रहे हैं। किन्तु बड़े पेडलरों तक प्रशासन के हाथ नहीं पहुंच रहे। सार्वजनिक स्थानों और स्कूल के आसपास शराब पीने पर प्रतिबंध है। मगर इस प्रतिबंध की धज्जियां उड़ाई जा रही है। नगर के दशहरा मैदान, पुराने अस्पताल, तालाब किनारे और मंदिरों के पीछे बैठकर शराब, गांजा और ड्रग्स का सेवन किया जाता है।

गूगल वाले के बच्चे की फीस ग्यारह लाख रुपये, सोशल मीडिया पर वायरल

हरिओम शुक्ला

वायरलः जरा सोच कर देखिए कि क्या किसी बच्चे की स्कूल फीस सालाना 11.2 लाख रुपये हो सकती है? और वो भी केवल एक बच्चे की। भारत जैसे देश में जहां करोड़ों लोग 20-30 हजार की नौकरी में अपने पूरे परिवार भरण पोषण की कोशिश करते हैं, वहां इतना खर्च सिर्फ स्कूल के नाम पर सुनकर हैरानी होना लाजमी है। इस मुद्दे पर अब सोशल मीडिया पर चर्चा तेज हो गई है।

गरीब और अमीर के बीच की खाई कितनी चौड़ी हो गई है, इसका ताजा उदाहरण एक वायरल पोस्ट से सामने आया है, जिसमें बताया गया है कि गूगल में काम करने वाला एक दंपति अपने इकलौते बच्चे की स्कूल फीस पर हर साल 11.2 लाख रुपये खर्च करता है। इस खुलासे ने न सिर्फ आम लोगों को हैरान कर दिया,

बल्कि यह भी सोचने पर विवश कर दिया कि क्या आज के भारत में शिक्षा अब एक 'प्रिविलेज' यानी खास लोगों की चीज बन गई है?

गूगल में काम कर रहा कपल, बच्चे की स्कूल फीस 11 लाख सालाना

सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह जानकारी सामने आई है कि गूगल में काम करने वाला एक युवा दंपति अपने बच्चे की स्कूल फीस पर हर साल 11.2 लाख रुपये खर्च करता है। यह पोस्ट एक ऐसे शख्स ने डाली है जो खुद एक छोटी सी प्रॉपर्टी मैनेजमेंट कंपनी में जूनियर पद पर काम करता है। उसने बताया कि जब वह एक ग्राहक की फाइनेंशियल प्लानिंग से जुड़ी फाइल की समीक्षा कर रहा था, तभी उसकी नजर एक दस्तावेज पर पड़ी जिसमें उस दंपति की पूरी सालाना आमदनी और खर्चों की जानकारी थी। दोनों पति-पत्नी गूगल में काम करते हैं और सालाना मिलाकर करीब 60 लाख रुपये की कमाई करते हैं। लेकिन सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह थी कि उनके सालाना खर्चों में सिर्फ स्कूल फीस के तौर पर 11.2 लाख रुपये दर्ज थे। इस पोस्ट के सामने आते ही सोशल मीडिया पर लोगों ने अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देनी शुरू कर दीं।

कई यूजर्स ने कहा कि यह आज की आर्थिक असमानता को दिखाता है, जहां एक ओर करोड़ों लोग बच्चों की सरकारी स्कूल में फीस भरने के लिए जूझते हैं, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग एक प्राइवेट स्कूल की फीस पर लाखों रुपये खर्च कर देते हैं। कई लोगों ने यह भी कहा कि अगर अच्छी शिक्षा पाने के लिए इतनी भारी रकम चुकानी पड़े तो यह शिक्षा नहीं, एक लग्जरी बन जाती है। सोशल मीडिया पर यह बहस अब इस ओर मुड़ गई है कि क्या भारत में अब स्कूल भी सिर्फ अमीरों की दुनिया बन गए हैं और क्या आम आदमी के बच्चे इस रेस में कभी शामिल हो पाएंगे।

धनोप माता सेन समाज धर्मशाला में भामाशाह ने दिया 1.11 लाख का सहयोग

राजेश शर्मा

राजस्थानः शक्तिपीठ धनोप माताजी मंदिर परिसर पर चारों चोकला सेन समाज धर्मशाला में हरियाली अमावस्या के उपलक्ष पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर भामाशाह सेन ने धर्मशाला के मुख्य बाउंड्री वॉल व प्रवेश द्वार निर्माण हेतु 1,11,000 रुपए (एक लाख ग्यारह हजार रुपए) की कैश सहयोग राशि कमेटी को प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान हरियाली अमावस्या के पावन अवसर पर भामाशाह प्रेमचंद सेन के कर कमलों द्वारा धर्मशाला परिसर में पौधारोपण भी किया गया। पर्यावरण संरक्षण के इस पुनीत कार्य से समाज के सभी वर्गों को प्रेरणा मिली। तत्पश्चात कार्यक्रम में धर्मशाला कमेटी द्वारा प्रेमचंद सेन हियालियां का माल्यार्पण व साफा पहनाकर आत्मीय भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया।

इसके साथ ही दूर-दराज से पधारे अतिथियों का भी सम्मानपूर्वक स्वागत हुआ। समाज के पूर्व अध्यक्ष स्व. कालूराम सेन को भी इस अवसर पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित सभी समाज बंधुओं ने उनके योगदान को याद किया और उनकी स्मृति में भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के तहत समाज बंधुओं का भोजन प्रसादी आयोजन भी हुआ। इस कार्यक्रम में सत्यनारायण सेन, संपतलाल सेन, महावीर सेन, प्रवीण सेन विजयनगर, महावीर सेन, संपतलाल सेन गुलाबपुरा, रामस्वरूप सेन धामनिया, दिनेश सेन, तेजपाल सेन, रामगोपाल सेन, दुर्गा सेन, बजरंग सेन, शंकरलाल सेन, कुलदीप सेन, प्रह्लाद सेन शाहपुरा तथा शिवराज सेन, सत्यनारायण सेन, शिवजी सेन, दिलखुश सेन, जगदीश सेन, देवराज सेन, धमीचंद सेन आदि गणमान्य समाजबंधु उपस्थित रहे।

महानगर में सिविल डिफेंस कोतवाली डिविजन की बैठक हुई संपन्न

अजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश: महानगर में दिनांक 24 जुलाई 2025 दिन बृहस्पतिवार सिविल डिफेंस कोतवाली डिविजन की एक बैठक जीएमडी रोड चड्ढा परिसर के सामने महिंद्र रेस्टोरेंट के बेसमेंट में संपन्न हुई। इस बैठक का आयोजन पोस्ट कोठीवाल नगर द्वारा किया गया।कोठीवाल नगर पोस्ट से एडवोकेट विपुल अग्रवाल पोस्ट वार्डन, शाकिर हुसैन आरक्षित पोस्ट वार्डन, नदीम अख्तर प्रधान (हाजी जी), डिप्टी पोस्ट वार्डन, एवं सेक्टर वार्डन पंकज जैन, नितिन जैन, सरदार हरप्रीत सिंह जी का विशेष सहयोग रहा। बैठक का संचालन डिप्टी डिवीजन वार्डन कोतवाली एडवोकेट चक्रेश लोहिया जी द्वारा किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में सिविल डिफेंस के डिप्टी कंट्रोलर आदरणीय श्री नीरज चक जी उपस्थित रहे। एवं उनके साथ सहायक डिप्टी कंट्रोलर सतीश कुमार जी उपस्थित रहे। बैठक में डिवीजन कोतवाली के अंतर्गत आने वाली पोस्ट कोठीवाल नगर पोस्ट, बारादरी पोस्ट, टाउन हॉल पोस्ट, डेरिया मोहल्ला पोस्ट, अमरोहा गेट पोस्ट, 84 घंटा पोस्ट, नवाबपुर पोस्ट, दौलत बाग पोस्ट चौकी हसन खां पोस्ट, नई बस्ती पोस्ट, के समस्त पोस्ट वार्डन, आरक्षित पोस्ट वार्डन, क्छड, डिप्टी पोस्ट वार्डन उपस्थित रहे।

बैठक का संचालन करते हुए डिप्टी डिवीजन वार्डन चक्रेश लोहिया जी ने कहा, "प्रिय साथियों, आज हम यहाँ एक महत्वपूर्ण उद्देश्य के साथ इकट्ठे हुए हैं। सिविल डिफेंस की भूमिका शहर की सुरक्षा और व्यवस्था में बहुत ही महत्वपूर्ण है। हमें अपने शहर को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए मिलकर काम करना होगा। हमें अपने अनुभवों और कौशलों का उपयोग करके शहर के लोगों की सेवा करनी होगी। आइए, हम सब मिलकर अपने शहर को एक आदर्श शहर बनाने के लिए काम करें। हमें अपने शहर के लोगों की सुरक्षा और व्यवस्था के लिए हमेशा तैयार रहना होगा। आइए, हम सब मिलकर इस महत्वपूर्ण कार्य में अपना योगदान दें। आने वाली कावड़ यात्रा के लिए हमें विशेष तैयारियाँ करनी होंगी। हमें अपने शहर के लोगों की सुरक्षा और व्यवस्था के लिए विशेष इंतजाम करने होंगे। हमें कावड़ यात्रियों के लिए आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करनी होंगी और उनकी सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध करने होंगे। आइए, हम सब मिलकर इस महत्वपूर्ण कार्य में अपना योगदान दें और अपने शहर को एक आदर्श शहर बनाने के लिए काम करें। कोठीवाल नगर पोस्ट डिवीजन कोतवाली के आरक्षित पोस्ट वार्डन शाकिर हुसैन जी ने अपने वक्तव्य में कहा, "आज हमारे शहर में कावड़ यात्रा की तैयारियाँ चल रही हैं और हमें इस यात्रा को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए मिलकर काम करना होगा। हमें कावड़ यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए विशेष प्रबंध करने होंगे और उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए काम करना होगा।"

उन्होंने आगे कहा, "हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि कावड़ यात्रा के दौरान शहर की शांति और सुव्यवस्था बनी रहे और किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। हमें अपने शहर के लोगों की भावनाओं का सम्मान करना होगा और उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए काम करना होगा।"

बरेली में ड्रोन दहशत के बीच गन्ने के खेत में छुपा संदिग्ध युवक को लोगों ने पकड़ा

राजू

उत्तर प्रदेश: बरेली के रिठौरा में ड्रोन की दहशत के बीच शुक्रवार को ग्रामीण ने एक संदिग्ध युवक को पकड़ लिया, वह गन्ने के खेत में छुपकर बैठा था। इससे इलाके में ड्रोन वाला चोर पकड़े जाने का शोर मच गया। ग्रामीणों की भीड़ जुट गई, सूचना पर पहुंची पुलिस ने व्यक्ति से पूछताछ की उसने खुद को बिहार का रहने वाला बताया।

थाना हाफिजगंज के कस्बा रिठौरा में शुक्रवार को एक संदिग्ध व्यक्ति खेत में बैठा दिखाई दिया, लोगों ने एक-दूसरे से यह बात बताई देखते-देखते काफी भीड़ जमा हो गई। सूचना पर रिठौरा चौकी से पुलिस भी मौके पर पहुंच गई, ग्रामीणों का कहना है कि संदिग्ध व्यक्ति दो दिन से इलाके में देखा जा रहा है। वह गन्ने के खेत में छुपा था, शुक्रवार को ग्रामीणों से पकड़ लिया।

पुलिस ने युवक को हिरासत में लेने के बाद उसे संदिग्ध मानकर पूछताछ कर रही है। कस्बे के लोगों का कहना है कि इलाके में लगातार ड्रोन कैमरे उड़ने से दहशत है, लोगों के मन में डर है। थाना अध्यक्ष पवन कुमार सिंह ने बताया कि व्यक्ति बिहार से भटक कर यहां पहुंच गया, उससे पूछताछ की जा रही है।

देवेंद्र फडणवीस के जन्मदिन पर भाजपा आध्यात्मिक आघाड़ी पत्रकारिता द्वारा आयोजित कार्यक्रम

प्रकाश नागनाथराव उर्फ राजेभाऊ केदारे

महाराष्ट्र: महाराष्ट्र राज्य के वर्तमान मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस साहब ने तालुका पाथरी में भारतीय जनता पार्टी की ओर से विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं में विशेष उत्साह देखा गया, पार्टी और पद से ऊपर उठकर लोगों ने विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए। रक्तदान शिविर, गौ-पूजा। विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम, वृक्षारोपण, स्कूल साहित्य वितरण, मंदिर की सफाई और देवन्ना अभिषेक, यज्ञ आदि विभिन्न स्थानों पर आयोजित किए गऐ विशेष रूप से श्री देवेंद्र फडणवीस साहब की इच्छा के अनुसार, उन्होंने पोस्टर और विज्ञापन बनाने की इच्छा व्यक्त की थी, लेकिन सभी कार्यक्रम उनके सम्मान में थे और शांतिपूर्ण ढंग से नहीं किए गए। परभणी जिले की पालकमंत्री मेघनाताई बोरडीकर ने सभी कार्यकताओं से इस बारे में जिज्ञ-ासा व्यक्त की। भारतीय जनता पार्टी आध्यात्मिक अघाड़ी के पूर्व तालुका अध्यक्ष प्रकाश केदारे की ओर से श्री देवेन्द्र फड़नवीस के जन्मदिन के अवसर पर माजी तालुका अध्यक्ष प्रकाश केदारे की ओर से रेनापुर शिवार में 108 पिंडी महादेव मंदिर, पंचमुखी गणेश मंदिर और पंचमुखी हनुमान मंदिर, पाथरी बाबुलतराशी की स्थापना की गई, इस कार्य में भारतीय जनता पार्टी आध्यात्मिक अघाड़ी के सभी कार्यकताओं और महिलाओं ने भाग लिया। या फिर इस काम के लिए गोविंद सारंग, मौली सारंग, विष्णु पथ्रिकर, भैया घाट रे, वसंत पद्मावर, नितिन पाटिल, वैभव मुले, सीतारामजी चिंचाणे, बबनराव घाटुल, तुकाराम जी चिंचाणे, काशीनाथराव घोलप, नारायण चिंचाणे, सुभाष चिंचाणे, हनुमान गायकवाड, मनोज केदारे, विनोद धोत्रे और पाथरी तालुका माजी तालुक अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी प्रकाश देव। केदारे आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे और विशेष बात यह रही कि 108 पिंडी महादेव मंदिर में पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था की गई, नामदेव नगर की धर्मपत्नी काशीनाथराव घोलप को श्री फडणवीस साहब के जन्मदिन के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी आध्यात्मिक आघाड़ी की ओर से तीन फुट बोर और सभी पाइप, साहित्य और मोटर सामग्री दी गई। बहुत-बहुत धन्यवाद। या कार्य आध्यात्मिक आघाड़ी के कार्यकर्ता, वैशाली धात्रे, चिंचनी बाई, स्नेहल होल्कर, भक्ति धात्रे, भाग्यश्री सारंग, मौली सारंग आदि उपस्थित रहे।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण मे पतवाड़ी गांव की ग्रीन बेल्ट में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई हुई

नरेंदर

उत्तर प्रदेश: ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने शनिवार को पतवाड़ी गांव के पास सेक्टर 2 और 3 की ग्रीन बेल्ट में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। सुबह 6 बजे शुरू हुई इस कार्रवाई में प्राधिकरण ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में करीब 24 अवैध दुकानों को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई से लगभग एक लाख वर्ग मीटर ग्रीन बेल्ट की जमीन अतिक्रमण से मुक्त कराई गई। मलवा हटाने के साथ ही प्राधिकरण ने मौके पर पौधरोपण भी शुरू कर दिया।यह ग्रीन बेल्ट 130 मीटर रोड पर स्थित है, जो ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट को जोड़ती है। यहां खसरा संख्या 663, 668, 670, 725, 729, 730, 739, 740 और 741 की जमीन पर अवैध रूप से ऑटोमोबाइल, एल्यूमिनियम वर्क्स और मार्बल की दुकानें बनाई गई थीं। प्राधिकरण ने इन दुकानों को हटाने के लिए पहले नोटिस जारी किया था, लेकिन अतिक्रमण हटाने में असफल रहने पर प्राधिकरण ने यह कड़ा कदम उठाया।

प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर परियोजना विभाग के महाप्रबंधक एके सिंह के नेतृत्व में उद्यान और भूलेख विभाग की टीम ने यह कार्रवाई की। कार्रवाई में नोएडा पुलिस के एडिशनल सीपी हृदेश कठेरिया, एसीपी वीर सिंह, दीक्षा सिंह, वर्णिका सिंह, स्थानीय पुलिस और कमांडो शामिल रहे। आठ जेसीबी और डंपरों की मदद से चार घंटे तक चली इस कार्रवाई को ग्रीन बेल्ट में अतिक्रमण के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई बताया जा रहा है। सीईओ एनजी रवि कुमार ने कार्रवाई में शामिल टीम और नोएडा पुलिस की सराहना की। एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने चेतावनी दी कि ग्रीन बेल्ट में अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी और किसी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि संपत्ति खरीदने या किराए पर लेने से पहले प्राधिकरण से उसकी वैधता की जांच अवश्य करें।ओएसडी गुंजा सिंह ने बताया कि अतिक्रमण से मुक्त कराई गई जमीन पर पौधरोपण शुरू कर दिया गया है। कार्रवाई में ओएसडी भूलेख रामनयन सिंह, डीजीएम उद्यान संजय कुमार जैन, वरिष्ठ प्रबंधक चेतराम सिंह, राजेश कुमार निम, पीपी मिश्र, सहायक निदेशक उद्यान बुद्ध विलास, प्रबंधक प्रशांत समाधिया और मिथिलेश कुमार शामिल रहे।

कोटपूतली के बड़ाबास में निकली कलश यात्रा

प्रमोद कुमार बंसल

राजस्थान: कोटपुतली कस्बे के ढाणी तुकार्वाली वार्ड संख्या 24 बानसुर रोड स्थित मौःबड़ाबास से बुधवार को भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया। मासी के भक्तों द्वारा निकाली गई इस यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं सिर पर कलश धारण कर शामिल हुईं।

यात्रा कस्बे के मुख्य मार्गों से होती हुई धार्मिक धुनों और जयघोषों के बीच निकली।यात्रा के समापन के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन स्थल पर धर्मप्रेमियों की भीड़ उमड़ी रही। कार्यक्रम के अंतर्गत शाम को रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का भी आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय कलाकारों ने भक्ति गीतों व लोक नृत्यों से दर्शकों का मन मोह लिया।

मासी जयराम ने बताया कि यह आयोजन क्षेत्र में सामाजिक एकता और धार्मिक आस्था को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हर वर्ष किया जाता है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में क्षेत्रवासियों का विशेष सहयोग रहा।

मनोरमा नदी पुनर्जीवन में 1.200 किमी की प्रगति

2025-26 में 15 किमी जीर्णोद्धार का लक्ष्य है निर्धारित

"मनोरमा नदी के उद्गम स्थल ताड़ी ताल के पास जीर्णोद्धार कार्य।

दीपक कुशल

उत्तर प्रदेश: गोंडा में मनोरमा नदी के पुनर्जीवन कार्य को मिली रफ्तार, भूमिगत जलस्तर होगा मजबूत जिलाधिकारी के निर्देशन में मनोरमा नदी के 1.200 किमी क्षेत्र का जीर्णोद्धार सम्पन्ने गोंडा पौराणिक मनोरमा नदी का पुनर्जीवन कार्य प्रगति पर, ग्रामीणों ने निभाई अहम भूमिका रही मनोरमा नदी के पुनर्जीवन से जलसंचय और जैव विविधता को मिलेगा नया जीवने मा० मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की प्रेरणा एवं जिलाधिकारी महोदया श्रीमती नेहा शर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद गोंडा में मनोरमा नदी के जीर्णोद्धार का कार्य तेजी से प्रगति पर है। पौराणिक महत्व एवं प्राकृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जाने वाली मनोरमा नदी के उद्गम स्थल ताड़ी ताल से लेकर रेलवे पुल तक अब तक कुल 1.200 किलोमीटर क्षेत्र में पुनर्जीवन कार्य सफलतापूर्वक सम्पन्न किया जा चुका है। शेष दूरी में जीर्णोद्धार कार्य आगामी दिनों में सघन गति से पूरा किया जाएगा। इस नदी के जीर्णोद्धार कार्य की औपचारिक शुरूआत 8 जुलाई 2025 को की गई थी। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए नदी के उद्गम स्थल ताड़ी ताल से कुल 15 किलोमीटर तक जीर्णोद्धार कार्य का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। गोंडा में 97 किलोमीटर तक प्रवाहित है मनोरमा जनपद गोंडा एवं बस्ती के विभिन्न विकासखण्डों से होकर प्रवाहित होती है और क्षेत्र के भूगर्भीय जल स्तर, कृषि एवं स्थानीय आजीविका के लिए अत्यंत उपयोगी है। लोक मान्यता के अनुसार मनोरमा नदी का उद्गम विकासखण्ड रूपईडीह स्थित उद्दालक ऋषि आश्रम के समीप तिर्रेमनोरमा ताल से माना जाता रहा है, जबकि वर्तमान में इसका वास्तविक उद्गम स्थल विकासखण्ड इटियाथोक स्थित ताड़ी ताल में स्थित है। मनोरमा नदी की कुल लंबाई लगभग 212 किलोमीटर है, जिसमें से जनपद गोंडा में ही यह नदी लगभग 97 किलोमीटर तक प्रवाहित होती है।

जनसहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण

इस महत्वाकांक्षी कार्य में मशीनों के माध्यम से सफाई के साथ-साथ स्थानीय ग्रामीणों एवं अधिकारियों के सहयोग से श्रमदान को भी विशेष प्राथमिकता दी गई है। ताड़ी ताल नाला के टेल से 0.850 किलोमीटर पर निर्मित पुलिया के दोनों ओर लगभग 100 मीटर क्षेत्र में ग्रामीणों और सिंचाई विभाग के अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से श्रमदान कर नदी की सफाई एवं चौड़ीकरण का कार्य किया गया, जिसे जनसहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण माना जा रहा है।

जल आधारित आर्थिक गतिविधियों के नए अवसर

मनोरमा नदी के जीर्णोद्धार से न केवल क्षेत्र के भूमिगत जल स्तर में सुधार होगा बल्कि जल प्रवाह में निरंतरता बनी रहेगी, जैव विविधता को संरक्षण मिलेगा तथा बाढ़ प्रबंधन को सुदृढ़ता प्राप्त होगी। इसके अतिरिक्त कृषि क्षेत्र में जल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी तथा स्थानीय समुदाय को मत्स्य पालन एवं अन्य जल आधारित आर्थिक गतिविधियों के नए अवसर प्राप्त होंगे।

एक नजर

झाबुआ कलेक्टर ने मुख्यमंत्री निःशक्त शिक्षा प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत दिव्यांग छात्रों को दिए लैपटॉप

रियाज मोहम्मद खान

मध्य प्रदेश: थांदला, झाबुआ कलेक्टर ने मुख्यमंत्री निःशक्त शिक्षा प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत दिव्यांग छात्रों को लेपटॉप प्रदान किया गया। झाबुआ कलेक्टर नेहा मीना ने जिले में मुख्यमंत्री निःशक्त शिक्षा प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत श्री बंटी पिता मोहन डामोर निवासी धामनी पंचायत द्वारा कक्षा 9 वी, (बालक उत्कृष्ट उ,मा,विधायल थांदला) में 50,20% तथा इरम पिता फिरोज खान निवासी पेटलावद द्वारा कक्षा 12वीं (शासकीय कन्या हायर सेकंडरी स्कूल पेटलावद) में 70,40% प्राप्त करने पर लेपटॉप भेंट किया गया दोनों विधार्थियों द्वारा कलेक्टर को धन्यवाद दिया। कलेक्टर द्वारा भी उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गई तथा अन्य किसी सहायता के लिए सीधे सम्पर्क करने को कहा जैसे कि विदित है।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा मुख्यमंत्री निः शक्त शिक्षा प्रोत्साहन योजना का संचालन किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत दृष्टिबाधित श्रवण बाधित मंदबुद्धि अस्थिबाधित श्रेणी के दिव्यांग विधार्थियों को 9वीं में 50%प्राप्त कर अगली कक्षा 10वीं में प्रवेश लेने पर लेपटॉप दिया जाता है। वहीं अस्थिबाधित श्रेणी के दिव्यांगज द्वारा 60%से अधिक अंक प्राप्त कर 10वीं में प्रवेश लेने पर लेपटॉप दिए जाने का प्रावधान है।

अन्य श्रेणी के दिव्यांगज द्वारा गत परीक्षा में 50% अंक प्राप्त कर शासकीय उ, मा, विधायल, महाविद्यालय अथवा पॉलीटेक्निक (कालेज में न्यूनतम 2 वर्ष का डिप्लोमा) विधार्थि के रूप प्रवेश लिया को लेपटॉप दिया जाता है इस दौरान उपसंचालक सामाजिक न्याय विभाग श्री पंकज सांवले सुश्री नीलिमा थिटे उपस्थित रहे।

JPSC में अंकित कुमार ने 19वां रैंक किया हासिल, परिवार को किया गौरवान्वित

विष्णु कुमार

उत्तर प्रदेश: कोडरमा जिले के डोमचांच प्रखंड के मधुबन पंचायत के भेलवाटांड गांव निवासी अंकित कुमार ने झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) में 19वां रैंक हासिल कर अपने परिवार, समाज, गांव और पूरे कोडरमा जिलावासियों को गौरवान्वित किया है। विधायक निरा यादव की बधाई विधायक निरा यादव ने अंकित कुमार को उनकी सफलता पर बधाई देते हुए बाबा बैद्यनाथ से उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। परिवार और समाज का गौरव अंकित कुमार की इस उपलब्धि ने उनके परिवार और समाज के लिए गर्व का क्षण ला दिया है। अंकित कुमार की इस सफलता से कोडरमा जिले में खुशी की लहर है और उनकी इस उपलब्धि से युवाओं को प्रेरणा मिलेगी।

सीआईए स्टाफ कालांवाली ने 07.62 ग्राम हेरोइन सहित नशा तस्करों को किया गिरफ्तार

दर्शन सिंह/हरियाणा: डबवाली 25 जुलाई को दर्शन थिराज के डबवाली पुलिस द्वारा नशा तस्करों की धरपकड़ के लिए ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी है, जिसके तहत नशे को जड़ से मिटाने व नशा तस्करों के जेल भेजने की मुहिम में डबवाली पुलिस हर समय प्रयासरत है । जिसके तहत आए दिन भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद कर नशा तस्करों को जेल की सलाखों के पीछे भेजा जा रहा है। इसी कार्रवाई की एक मिसाल पेश करते हुए सीआईए स्टाफ कालांवाली ने एक नशा तस्कर आरोपी जितेन्द्र सिंह उर्फ बब्बू पुत्र कर्मवीर सिंह निवासी देसू मलकाना को 07.62 ग्राम हेरोइन सहित काबू करने में कामयाबी हासिल की है इस मामले के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए प्रभारी सीआईए स्टाफ कालांवाली उप नि. सुरेश कुमार ने बताया कि एएसआई मनोहर लाल अपनी पुलिस टीम मुख्य सिपाही पुरुषोत्तम, सिपाही भूपेन्द्र, एसपीओ आजाद व गृह रक्षी हरदीप सिंह के साथ गस्त पड़ताल अपराध व नशीले पदार्थों की रोकथाम के लिए देसू मलकाना रोड़ मंडी कालांवाली मौजूद थे कि एएसआई को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना मिली कि एक युवक जो नशा तस्करी का काम करता है

आज भी नशा तस्करी की फिराक में पंजाब बस अड्डा कालांवाली की तरफ आ रहा है ।जो सूचना को सही मानकर व साथी कर्मचारियों को सूचना से अवगत करवाकर सूचना के अनुसार बताए स्थान पंजाब बस अड्डा कालांवाली पर निगरानी शुरू की जो कुछ समय एक शख्स उनकी तरफ आता दिखाई दिया । जो सामने एकदम पुलिस पार्टी को देख कर वापिस मुडकर तेज तेज कदमो से जाने लगा । जो अरकको किसी अपराध का अंदेशा होने पर साथी मुलाजमान की मदद से शख्स को काबू करके उसकी तलाशी ली तो आरोपी की पहनी हुई जीन्स की दाहिनी जेब से एक पारदर्शी पन्नी में से हेरोइन चिट्टा बरामद होने पर थाना कालांवाली में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत अभियोग दर्ज कर कार्रवाई की गई । पकड़े गये आरोपी जितेन्द्र सिंह उर्फ बब्बू को अदालत में पेश करके पुलिस रिमांड पर लिया जायेगा और इस नेटवर्क (हेरोइन चिट्टा तस्करी) से जुड़े अन्य लोगों के बारे में नाम पता मालूम कर उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी ।

संपादकीय

गाजा में सैंकड़ों लोग भूख से मर रहे हैं

गाजा में सैंकड़ों लोग भुखमरी से मर रहे हैं। इंडियन एक्सप्रेस ने एक ऐसा चित्र छापा है जिसमें बच्चे खाली बर्तन हाथ में लिए कुछ खाने की चीजों की भीख मांग रहे हैं। यहां तक कि गाजा के पत्रकारों की हालत भी बहुत खराब है। गाजा में समाचार एकत्रित करने वाले एक पत्रकार ने कहा है कि मेरी हालत इतनी खराब है कि मैं किसी भी क्षण मौत का आलिंगन कर सकता हूँ। क्योंकि मेरे पास अब कोई भी ऐसा साधन नहीं है जिससे मैं अपनी भूख को शांत कर सकूं। गाजा में ऐसे अनेक पत्रकार हैं जो एजेंसियों के लिए काम बरसों से करते रहे हैं। परंतु अब उनके पास इन एजेंसियों द्वारा दिया जाने वाला जो थोड़ा बहुत वेतन मिलता था उस वेतन से अब अपना एवं अपने परिवार का पेट नहीं भर पा रहे हैं।

सैंकड़ों लोग भूख से मर रहे हैं। फ्रांस से संबंधित एजेंसी के एक पत्रकार ने यह सूचना दी है कि उनमें से अनेक पत्रकार किसी भी क्षण भूख के शिकार हो सकते हैं। इस समय फिलिस्तीन के लोगों के साथ इजराइल वैसा ही व्यवहार कर रहा है जैसा यहूदियों के साथ हिटलर ने किया था। कुछ मामलों में उसके द्वारा किया जाने वाला व्यवहार हिटलर द्वारा किए जाने वाले व्यवहार से भी ज्यादा खराब है। एजेंसियों के अनुसार अनेक लोगों तक सहायता नहीं पहुंच पा रही है। मिली खबर के अनुसार अस्पताल में एक ऐसा व्यक्ति है जिसके शरीर में सिर्फ हड्डियां और चमड़ी रह गई है, क्योंकि उसे कई दिनों से भोजन नहीं मिला है। वह कुछ क्षणों में उन 15 व्यक्तियों में शामिल हो जाएगा जिनकी भुखमरी से पिछले 24 घंटों में मौत हो गई है। बच्चों के लिए दूध नहीं मिल रहा है। 100 डॉलर में एक लीटर दूध मिलता है। ऐसे सैंकड़ों फिलिस्तीनी हैं जो पिछले कई दिनों से भुखमरी के शिकार हो रहे हैं। इस समय फिलिस्तीन के लोगों का वैसा ही हाल है जैसा अंग्रेजों के समय बंगाल में हुआ था। यह इतिहास में दर्ज है कि जब अमरीका की तरफ से सहायता एक ट्रक के माध्यम से बंगाल के लोगों तक भेजी जा रही थी तो ब्रिटेन के प्रधानमंत्री चर्चिल ने उस ट्रक से भोजन की सामग्री को उतरवा लिया था और उसके स्थान पर उसमें हथियार भेजना उचित समझा। इस तरह की क्रूरता अब फिलिस्तीन में हो रही है। एक मौटे अंदाज के अनुसार इजराइल की फौजों ने कम से कम साठ हजार फिलिस्तीनियों को मार दिया है और अभी भी उसका इरादा है कि वह चुन-चुनकर गाजा में रहने वाले फिलिस्तीनियों को मारेगा। कोई सहायता यदि भेजी भी जाती है तो वह भुखमरी से प्रभावित लोगों तक नहीं पहुंच पाती है। यहां तक कि संयुक्त राष्ट्र संघ भी इस तरह की सहायता नहीं पहुंचा पा रहा है।

अमेरिकी हस्तक्षेप से मुक्ति की दिशा में मध्य एशिया

आम लोग ही नहीं बल्कि गजा में युद्ध की रिपोर्टिंग करने वाले अनेक स्थानीय व विदेशी पत्रकार व उनका परिवार भी भुखमरी का सामना करने को मजबूर है। कुछ पत्रकार तो इस हद तक असहाय हो चुके हैं कि वे अपने मासूम असहाय बच्चों व परिवार के लिए भोजन तक नहीं जुटा पा रहे हैं। गजा में काम करने वाले कुछ पत्रकार तो अपनी जान की बाजी लगाकर लाइनों में लगकर चैरिटी किचन से खाना ले रहे हैं। उनके बच्चे दिन में सिर्फ एक बार दाल, चावल या पास्ता खा कर गुजारा करने को मजबूर हैं।

-तनवीर जाफरी-

इस्त्राईल को लंबे समय से मिल रहे अमेरिकी संरक्षण से वैसे तो पूरी दुनिया भली भांति वाकिफ है। परन्तु अब इस अमेरिकी संरक्षण के चलते इस्त्राईल खासतौर से गजा में जिसतरह मानवता की लगातार बर्बर हत्या करता जा रहा है उसे देखकर दुनिया के अधिकांश देश न केवल इस्त्राईल के खिलाफ होते जा रहे हैं बल्कि उन्हें इस्त्राईल को दिया जाने वाला अमेरिकी संरक्षण भी अब रास नहीं आ रहा है। वास्तव में शांतिप्रिय मध्य एशिया में तबाही, बबार्दी व अशांति की इबारत लिखने वाला अमेरिकी संरक्षित इस्त्राईल ही है। 7 अक्टूबर 2023 को जब से दक्षिणी इस्त्राइल पर हमास द्वारा हमले किये गये और 251 लोगों को बंधक बनाया गया उसके बाद इस्त्राईली सेना (आईडीएफ) ने हमास की आतंकी कार्रवाई के जवाब में जिस तरह गजा पट्टी में बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई शुरू की और आज तक जारी है उसने इस्त्राईल व अमेरिका के अमानवीय चेहरे को पूरी तरह उजागर कर दिया है। गजा में बर्बरता और अत्याचार की हर सीमाओं को इस्त्राईल पार कर चुका है। रिहाइशी बस्तियों अस्पतालों स्कूलों शरणार्थी कैंपों धर्मस्थलों आदि को खंडहर बनाने के बाद अब भूखे निहत्थों को मार रहा है।

खबर है कि गजा में गजा ह्यूमनटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) की ओर से बांटा जा रहा खाना बहुत कम लोगों तक पहुंचने के कारण वहां भुखमरी की स्थिति पैदा हो गई है। कई बार ऐसी अमानवीय घटना भी घटी कि जब जीएचएफ के भोजन वितरण केंद्र पर मदद लेने के लिए भूख से तड़पते बच्चे व महिलायें भोजन की खातिर आकर लाइन में लगे उसी समय उन पर इसराइली सुरक्षा बलों ने गोलियां चला दीं जिससे दर्जनों लोग मरे गये। कई बार इस्त्राईली सुरक्षा बलों द्वारा भूखे शरणार्थियों को खाना देने के लिये बुलाया गया, बाद में लाइन में खड़े होने के बाद उनपर गोलीबारी कर अनेक लोगों की हत्या कर दी गई। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के अनुसार पिछले दो महीनों में भोजन हासिल करने की कोशिश कर रहे एक हजार से अधिक फिलस्तीनी, इस्त्राईली हमलों में मारे जा चुके हैं। इनमें से कम से कम 766 लोगों की मौत उन चार वितरण केंद्रों के आसपास हुई है, जिन्हें जीएचएफ संचालित करता है। इसके अलावा 288 लोगों की मौत संयुक्त राष्ट्र और अन्य सहायता केंद्रों के पास हुई है। सौ से अधिक सहायता संगठनों और मानवाधिकार समूहों का कहना है कि गजा में बड़े पैमाने पर मानव जनित भुखमरी फैल रही है। अंतरराष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों ने इन हालात के लिए इस्त्राईल को ज़िम्मेदार ठहराया है क्योंकि वही फिलस्तीनी क्षेत्रों में भेजी जाने वाली सप्लाई को नियंत्रित करता है।

आम लोग ही नहीं बल्कि गजा में युद्ध की रिपोर्टिंग करने वाले अनेक स्थानीय व विदेशी पत्रकार व उनका परिवार भी भुखमरी का सामना करने को मजबूर है। कुछ पत्रकार तो इस हद तक असहाय हो चुके हैं कि वे अपने मासूम असहाय बच्चों व परिवार के लिए भोजन तक नहीं जुटा पा रहे हैं। गजा में काम करने वाले कुछ पत्रकार तो अपनी जान की बाजी लगाकर लाइनों में लगकर चैरिटी किचन से खाना ले रहे हैं। उनके बच्चे दिन में सिर्फ एक बार दाल, चावल या पास्ता खा कर गुजारा करने को मजबूर हैं। कुछ पत्रकारों ने तो यहाँ तक बताया कि उन्होंने भूख दबाने के लिए नमक मिला पानी पीना शुरू कर दिया है। जरा सोचिये जिन पत्रकारों की बदौलत दुनिया को इस्त्राईली सेना के जुल्म और गजा के लोगों की बेबसी व बबार्दी की खबर सुनाई व दिखाई देती थी अगर वही पत्रकार व उनका परिवार सुरक्षित नहीं रहेगा तो अमेरिकी संरक्षित इस्त्राईल के काले करतूत दुनिया तक कैसे पहुंचेंगे? इन्हीं हालात में अनेक अंतर्राष्ट्रीय राहत संगठन और मानवाधिकार समूह बड़े पैमाने पर भुखमरी फैलने की चेतावनी दे रहे हैं।

एक ओर तो इस्त्राईल-अमेरिका फिलिस्तीनियों के अधिकारों की लड़ाई लड़ने वाले हमास को आतंकी संगठन बताकर उसकी आड़ में पूरे फिलिस्तीन पर नियंत्रण हासिल करने की फिराक में है तो दूसरी ओर यही इस्त्राईल-अमेरिकाअहमद हुसैन अल-शरा, जिसे अबू मोहम्मद अल-जुलानी के नाम से भी जाना जाता है, को सीरिया में बशर अल असद का तख़्ता पलटकर उसे अंतरिम राष्ट्रपति बना देता है। यह वही जुलानी है जिसपर कुछ समय पहले तक अमेरिका ने दस मिलियन डॉलर का ईनाम घोषित कर रखा था। क्योंकि वह अलकायदा से जुड़ा था। 2017 में उसने अन्य कई आतंकी संगठनों के साथ मिलाकर हयात तहरीर अल-शाम एचटीएस नामक संगठन बना लिया था। अमेरिका ने एचटीएस को आतंकी लिस्ट में भी रखा था। अब अमेरिका ने उसके संगठन एचटीएस को आतंकी लिस्ट से भी हटा दिया है। गोया जो व्यक्ति अमेरिका के हर विभाजनकारी इरादों में साथ रहे वह उसके लिए आतंकवादी नहीं और जो उसके और इजरायल के खिलाफ हो या अपनी स्वतंत्र नीति रखता हो वह आतंकवादी घोषित हो जाता है चाहे वह ईरान जैसा संप्रभुता संपन्न राष्ट्र ही क्यों न हो?

बहरहाल, अमेरिका को सर्वशक्तिमान मानने वाले व अमेरिकी रहम ओ करम पर जीने वाले कुछ अमेरिकी पिट्ठू देशों की शासकों व तानाशाहों की बात छोड़ दें तो पूरा विश्व खासकर मध्य एशियाई देश इस बात को समझ चुके हैं कि अब समय आ गया है कि किसी भी तरह इस्त्राईल को सबक सिखाया जाये और मध्य एशियाई क्षेत्रों को अमेरिकी हस्तक्षेप से मुक्ति दिलाई जाये। ईरान का भय दिखाकर सुन्नी शिया मतभेदों को बढ़ावा देना दरअसल अमेरिका की सुन्नी देशों के प्रति हमदर्दी नहीं बल्कि एक बड़ी चाल है जिसे मुस्लिम जगत अब बखूबी समझ चुका है। मुस्लिम जगत जुलानी की आड़ में सीरिया को बर्बाद करने की साजिश को भी समझ रहा है। परन्तु खबर यह भी है कि सीरियाई जनता भी अमेरिका इस्त्राईल के सीरिया के प्रति नापाक इरादों को भांप कर एकजुट होने लगी है। मध्य एशियाई क्षेत्रों को अमेरिका से मुक्त कराने के शुरूआत संकेत मिलने लगे हैं। ईरान ने गत 23 जून को कतर की राजधानी दोहा स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे अल-उदीद एयरबेस पर मिसाइलें दाग कर तथा इराक और सीरिया में भी अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बना कर यह चेतावनी दे दी है कि अमेरिकी सैन्य अड्डे मध्य एशियाई क्षेत्रों में सुरक्षित नहीं हैं। साथ ही इराकी प्रतिरोध समूहों, विशेष रूप से कताइब हिजबुल्लाह, ने इराकी सरकार को यह चेतावनी जारी कर दी है कि वह अमेरिकी सेना को दो महीने के भीतर बगदाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और ऐन अल-असद बेस जैसे इराकी सैन्य ठिकानों, से पूरी तरह से हटने के लिए कहे। इराकी प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी को इस संबंध में पहले से सहमति के आधार पर कार्रवाई करने के लिए "पर्याप्त समय" दिया गया था, और अब केवल दो महीने बचे हैं। यानी सितंबर 2025 के अंत तक अमेरिका को इराक छोड़ने की चेतावनी दे दी गयी है। इस चेतावनी में यह भी कहा गया है कि अगर यह कार्रवाई समय सीमा में पूरी नहीं हुई, तो उनकी "अलग राय" होगी, हालांकि उन्होंने "अलग राय" को स्पष्ट नहीं किया। इस तरह की अनेक छोटी बड़ी घटनाओं व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हो रही गोलबंदी को देखते हुये इस निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है कि मध्य एशिया अमेरिकी हस्तक्षेप से मुक्ति के प्रयास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

डिजिटल शिक्षा बनाम पारंपरिक शिक्षा : भारत के ग्रामीण परिप्रेक्ष्य में

-डॉ. शैलेश शुक्ला-

भारत की ग्रामीण आबादी लगभग 65% है और यह आँकड़ा न केवल जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करता है, बल्कि भारत के भविष्य की नींव भी है। 2020 के बाद जब कोरोना महामारी ने दुनिया को घरों में कैद कर दिया, तब भारत की शिक्षा व्यवस्था के सामने असाधारण चुनौती आ खड़ी हुई। एक ओर जहाँ महानगरों में डिजिटल तकनीक के सहारे पढ़ाई जारी रही, वहीं दूसरी ओर देश के लाखों गाँवों में स्कूलों के बंद होने से शिक्षा लगभग ठहर-सी गई। यह विरोधाभास ही आज के इस बहस का मूल है-क्या डिजिटल शिक्षा ग्रामीण भारत के लिए वरदान है या फिर पारंपरिक शिक्षा की उपेक्षा का एक नया रूप?

भारतीय ग्रामीण समाज में शिक्षा केवल किताबी ज्ञान नहीं होती-वह जीवन मूल्य, सामाजिक व्यवहार, परंपरा और व्यावहारिक समझ का भी आदान-प्रदान होती है। गाँवों की पाठशालाओं में जो गुरुकुल जैसी आत्मीयता थी, वह स्क्रीन के पार के शिक्षक में नहीं पाई जाती। फिर भी, डिजिटल शिक्षा ने कई संभावनाओं के नए द्वार खोले हैं। इंटरनेट के माध्यम से अब गाँवों के छात्र भी उन्हीं व्याख्याताओं की कक्षाएँ सुन पा रहे हैं, जो कभी केवल शहरी छात्रों के लिए आरक्षित माने जाते थे। लेकिन इस स्वर्णिम अवसर के बीच अनेक अंधेरे गलियारे भी हैं, जिनका सामना विशेष रूप से ग्रामीण भारत को करना पड़ रहा है।

पारंपरिक शिक्षा की आत्मा और ग्रामीण भारत की वास्तविकता : गाँवों की पाठशालाओं में भले ही डिजिटल स्क्रीन न हों, पर वहाँ शिक्षक और छात्रों के बीच जो आत्मीय संवाद होता है, वह मनोवैज्ञानिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है। पारंपरिक शिक्षा में शिक्षक बच्चों की पारिवारिक, आर्थिक और मानसिक स्थितियों को जानते हैं, समझते हैं और उसी अनुरूप शिक्षा देने की कोशिश करते हैं। ये शिक्षक बच्चों के माता-पिता, ग्राम पंचायत और समुदाय के साथ मिलकर एक ऐसी शैक्षिक संस्कृति गढ़ते हैं, जो न केवल पुस्तकीय ज्ञान देती है, बल्कि लोकजीवन की समझ भी विकसित करती है।

पारंपरिक शिक्षा में ह्लगुरु-शिष्य परंपराह्व का स्वरूप भले बदल गया हो, लेकिन उसका मूल भाव अब भी गाँवों में जीवित है। वहाँ शिक्षक केवल पाठ पढ़ाने वाला नहीं होता, बल्कि वह सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने वाला मार्गदर्शक भी होता है। गाँवों में आज भी छात्रों के स्कूल न आने पर शिक्षक उनके घर जाकर पूछते हैं, परिवारों से संवाद करते हैं। यह समर्पण डिजिटल शिक्षा में संभव नहीं। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण भारत में स्कूल शिक्षा केवल औपचारिक ज्ञान का साधन नहीं, बल्कि बच्चों के सामाजिकरण का भी केंद्र है। बच्चे स्कूल में साथ बैठकर खाना खाते हैं, खेलते हैं, संस्कार सीखते हैं-ये सब मिलकर उन्हें एक अच्छा नागरिक बनाते हैं। क्या डिजिटल शिक्षा इस समग्र विकास का विकल्प बन सकती है?

डिजिटल शिक्षा की क्रांति : वर्चुअल क्लास से गाँव की क्लास तक : बिना किसी संदेह के, डिजिटल शिक्षा ने शिक्षा की पहुँच को अभूतपूर्व रूप से विस्तारित किया है। वर्ष 2021 में भारत में 1.2 बिलियन मोबाइल कनेक्शन और लगभग 850 मिलियन इंटरनेट उपयोगकर्ता थे-जिनमें बड़ी संख्या ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ी हुई है। भारत सरकार की ह्लडिजिटल इंडियाह्व, ह्लई-विद्याह्व, ह्लस्वयंह्व, ह्लदीक्षाह्व जैसी पहलें ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा को सुलभ और सस्ता बनाने की दिशा में प्रयासरत हैं।

आज अनेक ग्रामीण छात्र यूट्यूब, बायजूस, खान अकादमी और अनएकेडमी जैसे प्लेटफॉर्म के माध्यम से आईआईटी, नीट, यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं-और सफल भी हो रहे हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि डिजिटल शिक्षा में अवसर हैं, गति है, नवाचार है। एक क्लिक पर पाठ्यपुस्तकें, वीडियो व्याख्यान, क्विज, ई-लर्निंग एप्लिकेशन-सब उपलब्ध हैं।

लेकिन इस चमकती हुई तस्वीर के पीछे एक कठोर सच्चाई भी है-ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल शिक्षा के लिए जो आधारभूत ढांचा चाहिए, वह अभी भी अधूरा है। बिजली की अनियमितता, इंटरनेट कनेक्टिविटी की समस्या, स्मार्टफोन या टैबलेट की अनुपलब्धता जैसे कई अवरोध हैं। इसके अलावा, डिजिटल साक्षरता की कमी और माता-पिता की तकनीकी जानकारी का अभाव भी डिजिटल शिक्षा को सीमित कर देता है।

अंतर की खाई : जो आगे बढ़े और जो पीछे छूटे : शहरी और ग्रामीण भारत के बीच पहले से ही शैक्षिक असमानता मौजूद थी, पर डिजिटल शिक्षा ने इस खाई को और चौड़ा कर दिया है। जहाँ शहरों में बच्चों के पास हाई-स्पीड इंटरनेट, लैपटॉप, वर्चुअल ट्यूटर और अभिभावकों का सहयोग है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों को कई किलोमीटर दूर तक नेटवर्क ढूँढ़ने जाना पड़ता है, मोबाइल साझा करना पड़ता है या शिक्षा को पूरी तरह छोड़ देना पड़ता है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की 2021 की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 60% छात्र डिजिटल शिक्षा तक नियमित पहुँच नहीं बना पा रहे हैं। यह आँकड़ा सिर्फ तकनीकी कमी को ही नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विषमताओं को भी उजागर करता है। बहुत से परिवारों के पास एक ही मोबाइल होता है, जिसे माँ-बाप अपने काम के लिए उपयोग करते हैं और बच्चा केवल सीमित समय में पढ़ाई कर पाता है।

इसके विपरीत, पारंपरिक शिक्षा में स्कूल जाना, शिक्षकों से मिलना, कक्षा में बैठकर पढ़ना-ये सभी गतिविधियाँ सीखने की निरंतरता बनाए रखती हैं। डिजिटल शिक्षा में यह निरंतरता तब टूट जाती है जब बिजली न हो, मोबाइल चार्ज न हो या नेटवर्क डाउन हो।

धर्मान्तरण के खेल पर विपक्ष का मौन

-डा. रवीन्द्र अरजरिया-

समूची दुनिया में लोगों की निजी मान्यताओं को प्रभावित करने वाले प्रयासों में अचानक तेजी आ गई है। व्यक्तिगत जीवन शैली को साम्प्रदायिक मूल्यों के अनुरूप परिवर्तित करने वालों की भीड बढने लगी है। ऐसे गिरोहों को आर्थिक, सामाजिक और राजनैतिक सहयोग देने वालों की संख्या में निरंतर इजाफा होता जा रहा है। मजहब के नाम पर चलने वाली दुकानों को धार्मिक उन्माद फैलाने वाले कारखानों में बदल दिया गया है। पैसों की चमक, प्रतिष्ठा का लालच और विलासता का वैभव दिखाकर मासूम लोगों की भावनाओं से खुलेआम खिलवाड हो रहा है। जबरन धर्मान्तरण, निकाह और जेहाद के अनगिनत मामले तेजी से उजागर हो रहे हैं जिसमें सरकारी मशीनरी के महात्वपूर्ण कलपुर्जों को दबंगी से उपयोग किया गया है। पुलिस, प्रशासन और न्याय के मंदिरों का दुरुपयोग करने वालों की मनमानियों रह-रहकर सामने आ रहीं हैं। निजी सम्पर्क, चांदी की चमक और राजनैतिक प्रभाव से निदोर्षों पर कहीं झूठी प्राथमिकी दर्जा करायी गई तो कहीं कानूनी शिकंजा कसा गया। कहीं कार्यपालिका के आला अफसरों का प्रताडना भरा हुकुम चला तो कहीं पुलिसिया डंडों की बरसात हुई। नक्कारखाने में निरीहों की आवाज तूती बनकर रह गई। शेखों की ऐशगाहों में हिन्दुस्तान की कलियों कुचलने की संख्या में बेतहाशा वृद्धि होती चली गई। भय, डर और खौफ के शस्त्रों का प्रहार करने वाले आतंकी गिरोहों की तादात में इजाफा होता चला गया। सुर्खियों में आने के बाद भी ऐसे अनेक मामलों पर विरोधी दलों के नेताओं के मुंह से निंदा का एक भी शब्द बाहर नहीं आया। उनकी चुप्पी ने उनकी नीतियों, रीतियों और आदर्शों को उजागर कर दिया है। संविधान की किताब लेकर फोटो खिंचाने वाले चेहरों ने जबरन धर्मान्तरण वाले मामलों पर नकाब पहन कर मुंह छिपा लिया। पर्दे के पीछे से चल रहे इस षडयंत्र की बानगी ने ही आने वाले समय के विकार दावानल की दस्तक दे दी है। गांव से लेकर महानगरों तक में फैली अवैध बस्तियों में गैरकानूनी हथियारों की बडी खेपें मौजूद है। यह जानकारी वहां के स्थानीय प्रशासन और पुलिस के पास निरंतर पहुंच रही है परन्तु कार्यपालिक ने अभी तक कट्टरता के आतंक तले पनप रही इस विष बेल को उखाडने को प्रयास ही नहीं किया है। इस उपेक्षा के पीछे जहां तंत्र में मौजूद मीर जाफरों की फौज उत्तरदायी है वहीं अनेक राजनैतिक दलों के छाती पीट आयोजन की धमकी भी कारगर हो जाती है। अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही पर आतंकियों की भीडतंत्र, खद्दरधारियों की चीखें और न्यायालयों के फरमान हमेशा ही अवरोध के रूप में खडे होते रहे हैं। यह सब कुछ पूर्व निर्धारित षडयंत्र का व्यवहारिक स्वरूप है जो रह-रहकर सामने आता है। देश की बढती अर्थ व्यवस्था, वैश्विक प्रतिष्ठा और नागरिक खुशहाली को अस्तित्वहीन करने के लिए सीमापार से अनगिनत परियोजनायें चलाईं जा रहीं हैं। इस हेतु अनेक विकसित राष्ट्रों, कट्टर देशों और जेहादी संगठनों द्वारा पूरे देश में आस्तीन के सांपों को पौष्टिक दूध पिलाया जा रहा है। जेहाद के नाम पर जहर की खेती करने वालों ने जन्नत की कल्पना में गर्म खून झौंककर काफिरों को मृत्युदण्ड देने का फतवा जारी कर दिया है। अल्लाह के इस्लाम से कोसों दूर मुल्ला का इस्लाम अब मानव जाति पर कहर बनकर टूट रहा है।

व्यवहारिक आबादी के आंकडों में बहुसंख्यक होते ही वहां के इलाकों में तिरंगे से हटकर चांद-तारों की बातें होने लगतीं हैं। सरकारी दफ्तरों तक में रविवार के स्थान पर शुक्रवार का अवकाश तक घोषित कर दिया जाता है। यह देश की विडम्बना ही है कि समय के साथ सभी ज्वलंत और अमानवीय मुद्दे खामोशी अख्तियार कर लेते हैं। कोरोना काल में जिस तबलीगी जमात पर वायरस फैलाने, सरकारी आदेश न मानने और जबरन मनमानियां करने के आरोप लगाये गये थे, उस घटना पर की गई कानूनी कार्यवाही आज तक सामने नहीं आई। उत्तराखण्ड के वन क्षेत्रों में अवैध रूप से बनाई गई 5 हजार से अधिक मजारों के सुर्खियों में आने के बाद भी परिणाम सामने नहीं आये। राजनैतिक दलों के मुखियों ने हमेशा ही ह्यदेश की जनता जानना चाहती हैह्ल, ह्यदेश को जानने का हक हैह्ल, ह्यदेश को बताया जाना चाहिएह्ल, जैसे शब्दों का प्रयोग करके निहित स्वार्थों को साधने के लिए हमेशा से वोट बैंक बढाने के लिए षडयंत्र किया है। इसी के तहत कभी अल्पसंख्यकों पर अत्याचार का नारा दिया गया तो कभी भगवां आतंक का राग अलापा गया। कभी अनुसूचित जाति-जनजाति जैसे शब्दों को तलवार बनाकर सौहार्य की हत्या की गई तो कभी सनातन को मनुवाद कहकर कोसा गया। ऐसा करने वालों के निशाने पर केवल और केवल सनातन, हिन्दू और वैदिक परम्पराओं का अनुशरण करने वाले ही रहते हैं। ऐसे लोग कट्टरता से लोहा लेने की सोचने मात्र से ही सिहर जाते हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा पर रचनात्मक चर्चा जरुरी

-एस. सुनील-

आवश्यक है कि भारत की सभी पार्टियां एक स्वर में आतंकवाद की निंदा करें और उसके हर स्वरूप से लड़ने में भारत की सरकार के हाथ मजबूत करें। यह ध्यान रखने की जरुरत है कि इस मामले में दुनिया के देश भारत के साथ खड़े हैं। हाल ही में ब्रिटेन के दौरे पर गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर को आतंकवाद के मसले पर भारत का समर्थन करने के लिए धन्यवाद दिया।

संसद के मानसून सत्र के दूसरे हफ्ते के पहले दिन यानी सोमवार, 28 जुलाई को लोकसभा में और उसके अगले दिन राज्यसभा में पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा होगी। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए भीषण आतंकवादी हमले और धर्म पूछ कर 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या करने की नृशंस घटना के तीन महीने बाद संसद में इस विषय पर चर्चा होगी। साथ ही आतंकवादी संगठनों का ढांचा नष्ट करने के लिए हुई भारत की सैन्य कार्रवाई यानी ऑपरेशन सिंदूर पर भी चर्चा होगी। आरंभिक सहमति के आधार पर दोनों सदनों में 16-16 घंटे की चर्चा का समय तय हुआ है। परंतु निश्चित रूप से चर्चा लंबी चलेगी। चर्चा के अंत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी बोलेंगे। वे संसद में सदस्यों की ओर से उठाए गए सभी प्रश्नों का उत्तर देंगे। ध्यान रहे केंद्र सरकार संसद सत्र शुरू होने से पहले सर्वदलीय बैठक में ही कह चुकी थी वह पहलगाम और ऑपरेशन सिंदूर सहित सभी मसले पर चर्चा के लिए तैयार है। दुर्भाग्य की बात है कि विपक्षी पार्टियों ने इतने अहम मुद्दे को गंभीरता से नहीं लिया।

विपक्ष की प्राथमिक चिंता में आतंकवाद और राष्ट्रीय सुरक्षा का मसला नहीं है, बल्कि अपनी चुनावी राजनीति उसकी प्राथमिकता है। बिहार में विधानसभा का चुनाव होना है और वहां विपक्ष को लग रहा है कि चुनाव आयोग की ओर से चलाए जा रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से उसकी जमीन खिसक रही है तो उसे लेकर मानसून सत्र में पहले पूरे हफ्ते कोई कामकाज नहीं होने दिया गया। कांग्रेस और बिहार की उसकी सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल के साथ साथ देश भर की विपक्षी पार्टियों ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण के मामले में संसद के अंदर और बाहर खूब हंगामा किया। सवाल है कि अगर चुनाव आयोग मतदाता सूची से फर्जी नाम हटा रहा है तो किसी को भी इस पर क्यों आपत्ति होनी चाहिए?

चुनाव आयोग ने इस पूरी प्रक्रिया में सभी राजनीतिक दलों को भी शामिल किया है फिर भी विपक्षी पार्टियों ने अपने चुनावी हितों को आगे रखते हुए संसद की कार्यवाही ठप्प की। अगर विपक्ष के सरोकार में राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद का मामला भी प्राथमिकता में होता तो मानसून सत्र के पहले हफ्ते में ही पहलगाम कांड और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा हो जाती। यह कितने आश्चर्य की बात है कि 22 अप्रैल को हुए पहलगाम कांड और छह व सात मई की रात को हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस पर चर्चा के लिए विपक्ष के सारे नेता संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग करते रहे और जब संसद का सत्र शुरू हुआ तो वे दूसरा मुद्दा लेकर बैठ गए!

बहरहाल, लोकसभा अध्यक्ष महोदय की बुलाई बैठक में इस पर सहमति बनी है कि मानसून सत्र के दूसरे सप्ताह में यानी 28 जुलाई से शुरू हो रहे सप्ताह में संसद की कार्यवाही सुचारू रूप से चलेगी। दूसरे सप्ताह के पहले दिन लोकसभा में पहलगाम कांड और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा शुरू होगी। अगर विपक्षी पार्टियां न्यूनतम अनुशासन और राष्ट्रीय सुरक्षा व नागरिकों की जान की सुरक्षा के प्रति न्यूनतम प्रतिबद्धता दिखाती हैं तो निश्चित रूप से यह चर्चा रचनात्मक होगी। विपक्षी पार्टियों से उम्मीद की जाती है कि वे अपनी दलगत प्रतिबद्धता और राजनीतिक लाभ हानि की चिंता से ऊपर उठ कर देश की चिंता के साथ इस चर्चा में सम्मिलित होंगे। चर्चा में शामिल होते हुए वे इस बात का भी ध्यान रखेंगे कि ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है।

यह बात बहुत स्पष्ट शब्दों में देश के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने कही है। ऑपरेशन सिंदूर जारी है इसका सीधा अर्थ है कि भारत के सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान की सीमा में स्थित आतंकवादी ठिकानों की निगरानी जारी रखी है और उन्हें किसी भी भारत विरोधी कदम का संकेत मिलेगा तो वह फिर कार्रवाई करेगी। ध्यान रहे पिछले कुछ दिनों से ऐसी खबरें आ रही हैं कि पाकिस्तान फिर से दुनिया भर के देशों से भीख के रूप में मिले कर्ज के पैसे से पाक अधिकृत कश्मीर और अपने पंजाब के कुछ हिस्सों में आतंकवादी ठिकानों को खड़ा कर रहा है। भारतीय सेना और खुफिया एजेंसियों की नजर इस पर है। भारत के सशस्त्र बल, खुफिया एजेंसियां और राजनीतिक नेतृत्व हर दिशा में भारत की सुरक्षा को लेकर सजग है। तभी पिछले दिनों पूर्वोत्तर को लेकर खबर आई थी कि म्यांमार की सीमा में बने अलगाववादी संगठन उल्फा के कुछ ठिकानों को नष्ट किया गया। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई। परंतु सामरिक अभियानों में बहुत कुछ गोपनीय रखा जाता है।

तभी यह आवश्यक है कि भारत की सभी पार्टियां एक स्वर में आतंकवाद की निंदा करें और उसके हर स्वरूप से लड़ने में भारत की सरकार के हाथ मजबूत करें। यह ध्यान रखने की जरुरत है कि इस मामले में दुनिया के देश भारत के साथ खड़े हैं। हाल ही में ब्रिटेन के दौरे पर गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर को आतंकवाद के मसले पर भारत का समर्थन करने के लिए धन्यवाद दिया। दुनिया भर के देश आतंकवाद के खतरे को मानवता के लिए और राष्ट्रों की एकता, अखंडता व संप्रभुता के लिए खतरा मान रहे हैं और उससे लड़ने की आवश्यकता बता रहे हैं।

दुनिया के सारे देश आतंकवाद से लड़ने और आतंकवाद को पालने पोसने वाले देशों के खिलाफ एक समान रूप से कार्रवाई के समर्थक हैं। भारत की विपक्षी पार्टियों को इस वास्तविकता की रोशनी में अपनी बात रखनी चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत की विपक्षी पार्टियां अभी तक राजनीतिक आवश्यकता के हिसाब से तुष्टिकरण की नीति को प्राथमिकता देती रही हैं। तुष्टिकरण की उनकी नीति ने देश की सुरक्षा को खतरे में डाला है।

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रात: 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

क्राइम ब्रांच ने रेव पार्टी पर मारा छापा, 7 लोगों के साथ पूर्व मंत्री एकनाथ के दामाद भी गिरफ्तार

पुणे (एजेंसी)। पुणे पुलिस की अपराध शाखा (क्राइम ब्रांच) ने रेव पार्टी पर छापामार कार्रवाई करते हुए सात लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे के दामाद प्रांजल खेवलकर का नाम भी शामिल हैं। रेव पार्टी स्थल से पुलिस ने कोकेन सहित कई नशीले पदार्थ बरामद किए हैं। पुलिस ने रविवार सुबह बताया कि पुणे शहर के पॉश खराडी इलाके में एक स्टूडियो अपार्टमेंट में रेव पार्टी की सूचना मिली थी, इस पर अपराध शाखा की टीम ने छापामार कार्रवाई की। छापेमारी में पुलिस ने गांजा, शराब और हुक्का जैसे नशीले पदार्थ जब्त किए हैं। इसी के साथ पुलिस ने सात लोगों को हिरासत में लिया है, जिनमें पांच पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। जानकारी अनुसार प्रांजल खेवलकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार गुट) की नेता एडवोकेट रोहिणी खडसे के पति हैं। इंस्टाग्राम प्रोफाइल में प्रांजल एक उद्यमी, समाजसेवी और डॉक्टर भी हैं। एक अन्य जानकारी अनुसार वे व्यवसायी और निर्माता भी हैं। उन्होंने अपने बैनर समर प्रोडक्शंस के तहत बनाए गए संगीत वीडियो ना होना तुमसे दूर से मनोरंजन उद्योग में भी कदम रखा था। इस पूरे मामले में पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे का कहना है कि इस घटना के बारे में अभी उन्हें विशेष जानकारी प्राप्त नहीं हुई है और वे अधिक जानकारी जुटा रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, पांच लोग गिरफ्तार

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब में अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों के साथ संयुक्त अभियान चलाकर आईएसआई समर्थित एक अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने रविवार को बताया कि इस कार्रवाई में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए गिरोह के पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से संबंध थे। आरोपियों के पास से एक ए.के. सैगा 308 असॉल्ट राइफल, दो मैगजीन, दो 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल (चार मैगजीन सहित), एके राइफल के 90 कारतूस, पिस्तौल के 10 कारतूस, 7.50 लाख रुपये नकद, एक कार और तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए। डीजीपी यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह खेप गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया के सहयोगी नव पंडोरी को पहुंचाई जानी थी। इससे आतंकवाद और गैंगस्टर नेटवर्क के बीच साठगांठ की पुष्टि होती है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जोबनजीत सिंह उर्फ जोबन और गोरा सिंह (रंगगढ़ गांव), शेनशान उर्फ शालू (रसूलपुर कल्लर, अमृतसर), सनी सिंह और जसप्रीत सिंह उर्फ मोटू (रूपनगर) के रूप में हुई है।

दिल्ली एलजी ने टॉकीजों को लाइसेंस देने का अधिकार अब सरकार को सौंपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने टॉकीज, थिएटर और मल्टीप्लेक्स को लाइसेंस देने का अधिकार पुलिस से वापस ले लिया और सरकार को दे दिया है। मीडिया रिपोर्ट में एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवार को जारी एक आदेश में एलजी ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को निर्देश दिया कि वह संबंधित पुलिस अधिकारियों को चलचित्र अधिनियम के तहत लाइसेंस देने से संबंधित मामलों से तत्काल प्रभाव से अलग रहने का निर्देश दें। अधिकारी ने बताया कि लाइसेंसिंग व्यवस्था को और उदार बनाने व दिल्ली में कारोबार को सुगम बनाने के उद्देश्य से उठाए गए इस कदम से संबंधित जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता वाली समिति के पास लाइसेंस देने की सिफारिश करने का अधिकार होगा। समिति में संबंधित एमसीडी जोन के उपायुक्त, लोक निर्माण विभाग के सचिव की ओर से नामित एक संरचनात्मक इंजीनियर, दिल्ली अग्निशमन सेवा के मुख्य अग्निशमन अधिकारी की ओर से नामित एक अग्नि सुरक्षा विशेषज्ञ और बिजली विभाग के सचिव की ओर से नामित एक विद्युत प्रणाली विशेषज्ञ शामिल होंगे। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का एक प्रतिनिधि भी जिला मजिस्ट्रेट द्वारा नामित किया जाएगा। एलजी ने स्विमिंग पूल, भोजनालय, होटल, गेस्ट हाउस, डिस्कोथेक, वीडियो गेम पार्लर, मनोरंजन पार्क और ऑडिटोरियम समेत सात श्रेणियों के व्यवसायों को लाइसेंस जारी करने का अधिकार भी पुलिस से वापस ले लिया था।

झज्जर में लिंग जांच गिरोह का भंड़ाफोड़, 55000 रुपए में करते थे सौदा

-पुलिस ने नकली ग्राहक बनाकर बिछाया जाल, आरोपी मां-बेटा गिरफ्तार

झज्जर (एजेंसी)। हरियाणा के झज्जर में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अवैध लिंग जांच गिरोह का भंड़ाफोड़ किया है। आरोपियों में मां और बेटा भी शामिल हैं। दोनों की गिरफ्तारी के बाद कोर्ट ने दो दिनों के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। बताया जा रहा है कि मामले की मुख्य आरोपी डॉ. हेमलता खुद को बीएएमएस डॉक्टर बताती थी और उसने इस पूरे घटनाक्रम में बाहरी लोगों के साथ ही अपने बेटे को भी शामिल किया था। मामले में पोर्टेबल अल्ट्रसाउंड से गर्भ की जांच करने वाले दिल्ली नांगलोई के एक ऑपरेटर की पुलिस को तलाश कर रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्वास्थ्य विभाग की टीम को एक गुप्त सूचना मिली थी कि झज्जर में हेमलता नामक एक महिला जो खुद को बीएएमएस डॉक्टर बताती है गर्भ में पल रहे लिंग की जांच करती है। बाद में संबंधित गर्भवती महिला को उसके पेट में बेटी होने का हवाला देकर अपने क्लीनिक पर ही उसका गर्भपात कर मोटी रकम ऐंठती है। इस सूचना पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने इस गिरोह का भंडाफोड़ करने के लिए एक नकली ग्राहक को तैयार किया जो चार महीने की गर्भवती थी। इस ग्राहक ने पीएनडीटी टीम के कहने पर डॉ हेमलता को फोन किया और कहा कि उसको पहले तीन लड़कियां हैं और उसको अब लड़का चाहिए। वह अल्ट्रासाउंड जांच करवानी है। कुछ देर बातचीत के बाद डॉ हेमलता ने इस नकली ग्राहक के साथ 55000 रुपए में लिंग जांच का सौदा तय किया। उसने पैसे लेकर अपने घर बुलाया।

सरकार ने चेताया कहा- दूसरों को बलि का बकरा बनाने की कोशिश न करे एयर इंडिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के बाद एयर इंडिया पर कई तरह के सवाल उठने लगे हैं। हादसे के बाद विमानों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं जाहिर की जाने लगी हैं। इसी के चलते केंद्रीय उड्डयन मंत्रालय और टाटा संस व एयर इंडिया के चेयरमैन एन चंद्रशेखकरन के बीच मैराथन मीटिंग हुई है। इस मीटिंग में सरकार की तरफ से दो अहम सुझाव दिए गए हैं। इनमें से पहला सुझाव यह है कि एयर इंडिया के सभी डिपार्टमेंट में जिम्मेदार अपनी भूमिका निभाएं। दूसरों को बलि का बकरा बनाने से बचें। सुरक्षा संबंधी सभी फैसले अहम पदों पर बैठे लोग खुद लें और किसी अन्य के भरोसे न छोड़ें। इसके अलावा फ्लाइट के रख-रखाव को लेकर भी सुझाव दिए गए हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि खानापूर्ति से काम नहीं चलने वाला है।

इस बैठक में अहमदाबाद में हुए हादसे के साथ-साथ तमाम अन्य छोटी-बड़ी समस्याओं को लेकर भी बात हुई है। बैठक में केंद्रीय मंत्री राममोहन नायडू, सचिव समीर कुमार सिन्हा और डीजीसीए चीफ फैज अहमद किदवई ने

एयर इंडिया के चेयरमैन चंद्रशेखरन से मुलाकात की। इस दौरान एयर इंडिया की सुरक्षा को पुख्ता बनाने को लेकर चर्चा हुई। चंद्रशेखरन ने इस दौरान मिले सुझावों को लागू करने पर सहमति भी जताई। मामले की जानकारी रखने वालों के मुताबिक उड़ान से पहले कुछ विभागों की भूमिका काफी अहम हो जाती है। इनमें सुरक्षा, ट्रेनिंग, मेन्टेनेंस, इंजीनियरिंग और इंटीग्रेटेड ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर है। ऐसा सामने आया है कि इनमें से कुछ डिपार्टमेंट्स में केवल खानापूर्ति हो रही है। पदों पर कोई और बैठा है, फैसले कोई और ले रहा है। एयर इंडिया मैनेजमेंट और उड्डयन मंत्री के बीच बैठक के दौरान एक और अहम बात सामने आई। मैनेजमेंट ने बताया कि पूर्व में क्रैश हुए विमानों (एआई 171 नहीं) की चीजें गुरुग्राम स्थित मेगा कॉम्प्लेक्स में रखी हुई हैं। इसमें सीटें, इंस्ट्रूमेंट्स, फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर आदि हैं। बहुत से कर्मचारियों को यह पसंद नहीं आया है। वह इन चीजों को देखकर एक तरह की निगेटिविटी से भर जाते हैं कि इन्हीं सीटों पर किसी की जान निकली होगी। बहुत से कर्मचारियों ने कहा कि हमें बहुत ज्यादा सकारात्मकता की जरूरत है। हम उन सीटों को देखकर अंदर से डर जाते हैं।

कई अन्य हादसों का जिक्र

12 जून को एयर इंडिया 171 के साथ हुए हादसे के अलावा अन्य छोटे-बड़े हादसों पर मंत्रालय ने एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन के साथ उच्च स्तरीय चर्चा की हैं। चंद्रशेखरन के साथ हुई बैठक में भी इन बातों का जिक्र हुआ। यह भी सामने आया है कि जांच के दौरान एयर इंडिया के कई अधिकारियों ने पूछताछ के दौरान कुछ अहम बातें बताईं। इसमें कुछ लोगों को बलि का बकरा बनाने की बातें भी कही गईं। जैसे, 21 जून को डीजीसीए ने एयर इंडिया के तीन अधिकारियों को हटाने के निर्देश दिए। इन्हें लाइसेंसिंग, रेस्ट आदि में लापरवाही का जिम्मेदार बताया गया।

राज ठाकरे मातोश्री पहुंच उद्धव को दी जन्मदिन की बधाई

-इससे 6 साल पहले बेटे की शादी का देने गए थे न्योता

मुंबई (एजेंसी)। राज और उद्धव ठाकरे के बीच की दूरियां अब धीरे-धीरे समाप्त हो रही हैं। यही वजह है कि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) चीफ राज ठाकरे रविवार को उद्धव ठाकरे से मिलकर बधाई देने मातोश्री आए हैं। यहां राज ने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे को गुलदस्ता भेंट कर गले लगाया और जन्मदिन की बधाई दी है। यहां बताते चलें कि इस मुलाकात से 6 साल पहले 2019 में राज ठाकरे मातोश्री आए थे। दरअसल तब वे उद्धव ठाकरे परिवार को अपने बेटे अमित की शादी का न्योता देने आए थे। और पीछे की बात करें तो 2012 में राज मातोश्री तब आए थे जबकि बालासाहेब ठाकरे बीमार चल रहे थे। बहरहाल 20 साल बाद 5 जुलाई को उद्धव और राज मुंबई के वर्ली डोम में एक रैली के दौरान साथ-साथ नजर आए तभी कयास लगाए जा रहे थे कि अब ये नजदीकियां बढ़ती जाएंगी। इस अवसर पर दोनों ने ही आगे साथ-साथ चलने और मिलकर राजनीति करने के संकेत भी दिए थे। यही कारण है कि उद्धव के जन्मदिन पर राज खुद मातोश्री पहुंचे हैं और उन्हें गले लगाकर बधाई दी है।

सिर्फ उपाधि देने से कोई बाबा साहेब अंबेडकर नहीं बन सकता

–राहुल गांधी दूसरा अंबेडकर साबित होंगे के बयान पर केंद्रीय मंत्री ने कसा तंज

जोधपुर (एजेंसी)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राहुल गांधी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा है कि राहुल गांधी दूसरा अंबेडकर साबित होंगे। इस पर गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि सिर्फ उपाधि देने से कोई अंबेडकर नहीं बन सकता। राहुल गांधी को अंबेडकर की उपाधि देने पर प्रतिक्रिया देते हुए शेखावत ने कहा कि उनकी पार्टी उन्हें जो भी उपाधि दे, कोई नहीं रोक सकता है, लेकिन बाबासाहेब अंबेडकर बनने के लिए कठोर तपस्या, गहरी सोच, अध्ययन और खुले विचारों की जरूरत है। सिर्फ उपाधि देने से कोई अंबेडकर नहीं बन सकता। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत रविवार को जोधपुर में थे। वहां झालावाड़ में स्कूल भवन गिरने से हुई दुखद घटना पर शोक व्यक्त किया और कहा कि जांच पूरी होने के बाद निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि ऐसा हादसा भविष्य में दोबारा न हो। इसके लिए सभी सरकारी विद्यालयों और सार्वजनिक भवनों का ऑडिट करवाया जाएगा। सीएम भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में इस संबंध में निर्देश भी दिए जा चुके हैं।

शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को लेकर उन्होंने कहा कि इस्तीफा देना या मांगना राजनीतिक प्रेरित बयान होते हैं। जो कुछ हुआ वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था और टाला जा सकता था। अब हमें इससे सबक लेने की जरूरत है। इस दौरान नीतीश कुमार सरकार को लेकर चिराग पासवान की हालिया टिप्पणी पर शेखावत ने कहा कि ऐसे विषयों पर फौरी टिप्पणी करना जरुरी नहीं। एनडीए के सभी घटक दल एकजुट हैं और बिहार चुनाव में बीजेपी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनेगी। बता दें बिहार की आपराधिक घटनाओं पर चिराग ने कहा था कि मुझे शर्म है ऐसी सरकार को समर्थन देने में, जहां अपराध बेलगाम हो चुका है। बिहार में युवती से एंबुलेंस में दुष्कर्म की घटना पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव द्वारा दिए गए बयान कि अपराध इतना बढ़ गया है कि अपराधी सम्राट बन गया है।

गुजरात में मॉनसून फिर भारी बारिश, कई जिलों में रेड और ओरेंज अलर्ट जारी

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में मॉनसून फिर सक्रिय हो गया है, जिसके चलते राज्य में बारिश शुरु हो गई है। मौसम विभाग ने अगले सात दिनों तक बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान जताया है। रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में हुई बारिश में सबसे ज्यादा बारिश बनासकांठा के वडगाम में साढ़े सात इंच दर्ज की गई। भारी बारिश के कारण शहर में जलभराव हो गया और बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए।

इसके अलावा मोडासा में सवा छह इंच, तलोद में साढ़े पांच इंच, सिद्धपुर में सवा पांच इंच, कपराडा और दहेगाम में पांच इंच दर्ज की गई। इसके अलावा दीसा में 95 मिमी दर्ज की गई। डांग में 82.5 मिमी, अहमदाबाद में 47 मिमी, सूरत में 39 मिमी, गांधीनगर में 28 मिमी, राजकोट में 9 मिमी, बडोदा में 3 मिमी और वेरावल में 2 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई।

आईएमडीद ने रविवार को अगले कुछ घंटों के दौरान प्रदेश के बनासकांठा,

साबरकांठा, अरावल्ली, खेड़ा, पाटण, मेहसाणा, गांधीनगर, अहमदाबाद और सुरेंद्रनगर जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी कर भारी बारिश का अनुमान जताया है। इसके अलावा भरूच, नर्मदा, सूरत, तापी, कच्छ, मोरबी, जामनगर, राजकोट, बोटाद, भावनगर, आणंद, महिसागर, दाहोद, पंचमहल, छोटा उदयपुर, वडोदरा, आणंद, नवसारी, डांग और वलसाड़ जिलों के लिए ओरेंज अलर्ट जारी करते हुए इन जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई है।

रविवार को मौसम विभाग ने तापी, नवसारी,छोटा उदयपुर, नर्मदा और वलसाड जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी करते हुए इन जिलों में अत्यधिक भारी तथा कुछ स्थानों पर अति भारी बारिश हो सकती है। इसके साथ ही इन जिलों में तेज हवाएं चलने और बिजली गिर सकती है। इसके अलावा साबरकांठा, अरावल्ली, महिसागर, दाहोद, पंचमहल, वडोदरा, भरूच, सूरत और डांग जिलों के लिए ओरेंज अलर्ट जारी करते हुए इन जिलों में बहुत भारी बारिश होन का पूर्वानुमान लगाया है।

सोमवार को मौसम विभाग ने साबरकांठा, अरावल्ली और महिसागर जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी कर भारी बारिश की संभावना जताई है। इसके साथ ही इन जिलों में तूफान आने व बिजली गिरने की संभावना है। इसके अलावा विभाग ने बनासकांठा, पाटण, मेहसाणा, सुरेंद्रनगर, पंचमहल, दाहोद, छोटा उदयपुर, नर्मदा और नवसारी जिलों के लिए ओरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान यहां बहुत भारी बारिश होने की संभावना जताई है।

29 जुलाई को मौसम विभाग ने बनासकांठा और साबरकांठा जिलों के लिए ओरेंज अलर्ट जारी कर बहुत भारी बारिश होने की संभावना जताई है। इसके साथ ही इन जिलों में तूफान आने व बिजली गिरने की भी उम्मीद है। उत्तरी छत्तीसगढ़ और उससे सटे झारखंड पर बना अवदाब बहुत तेज़ी से करीब पश्चिम की ओर बढ़ा और उत्तरी छत्तीसगढ़ और उससे सटे पूर्वी मध्य प्रदेश पर केंद्रित हो गया। इसके मध्य प्रदेश में लगभग पश्चिम की ओर बढ़ते रहने और धीरे-धीरे कमजोर होकर एक सुस्पष्ट निम्न दबाव क्षेत्र में परिवर्तित होने की प्रबल संभावना है। औसत समुद्र तल पर मॉनसून की द्रोणिका अब अनूपगढ़, चुरू, ग्वालियर, रीवा, उत्तरी छत्तीसगढ़ और उससे सटे झारखंड पर अवदाब के केंद्र, पुरुलिया, कोंटाई से होकर दक्षिण-पूर्व की ओर पूर्व मध्य बंगाल की खाड़ी तक जा रही है।

फर्जी दूतावास चलाने वाले हर्षवर्धन को इंटरपोल से रेड कॉर्नर नोटिस जारी

जांच एजेंसियां आरोपी जैन को रिमांड पर लेकर करेंगी पूछताछ

नई दिल्ली (एजेंसी)। गाजियाबाद,(ईएमएस)। फर्जी दूतावास चलाने वाले हर्षवर्धन जैन के खिलाफ यूपी एसटीएफ ने इंटरपोल से संपर्क कर रेड कॉर्नर नोटिस जारी कराया है। खुद को राजदूत कहने वाले हर्षवर्धन से जुड़े रसूखदारों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। एसटीएफ और पुलिस की जांच में कुछ नए खुलासे हुए हैं। कई देशों में शेल कंपनियां खोलकर करोड़ों के लेनदेन के मामले में जैन के 18 खातों की जांच की जा रही है। इसकी पूरी रिपोर्ट इनकम टैक्स और ईडी को भी भेजी गई है।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि शहर के कई रसूखदारों ने भी आरोपी के जरिए मोटी रकम इधर से उधर की है। ऐसे में वे भी कानून के शिकंजे में फंस सकते हैं। वहीं जांच एजेंसियां अब आरोपी को रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही हैं। इसके लिए सोमवार को कोर्ट में अर्जी लगाई जाएगी। रिमांड पर पूछताछ

के बाद कड़ियों को जोड़ा जाएगा। हर्षवर्धन जैन के यहां काम करने वाले कुछ लोगों के साथ ही करीबियों को सरकारी गवाह बनाने की तैयारी है, ताकि उनसे भी सुराग मिल सके।

बता दें कविनगर में रहने वाले हर्षवर्धन जैन पर आरोप है कि वह खुद को कई देशों का राजदूत बताकर लोगों को विदेश में काम दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करते थे। इसके चलते एसटीएफ से शिकायत की गई। फिर उसके घर पर छापेमारी की गई। उसके पास से विदेश मंत्रालय की कई मोहर व दस्तावेज मिले थे। घर में कई देशों की करंसी, विदेश मंत्रालय की मोहर, 20 जोड़े डिप्लोमैटिक कार की नंबर प्लेट, 12 फर्जी पासपोर्ट, हर्षवर्धन नाम के दो पैन कार्ड, कई देश व कंपनियों की 34 मोहरें, 12 कंपनियों की महंगी घड़ी, लैपटॉप, मोबाइल और आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड व दो प्रेस कार्ड समेत अन्य पेपर बरामद हुए।

बता दें हर्षवर्धन जैन ने लंदन से एमबीए किया है। वहां रहते हुए वह तांत्रिक चंद्रास्वामी के संपर्क में आए। चंद्रस्वामी ने जैन की मुलाकात आर्म्स डीलर अदनान खरगोशी और एहसान अली सैयद से कराई। एहसान के साथ मिलकर हर्षवर्धन ने कई शेल कंपनियां खड़ी कीं। इनमें करोड़ों रुपए का ट्रांजैक्शन करने का आरोप है। अब एसटीएफ और पुलिस कड़ियां जोड़ने में लगी हैं। सबसे पहले उसके साथ काम करने वाले कुछ कर्मचारी और करीबियों को सरकारी गवाह बनाने की तैयारी है।

गोरखपुर में अपहरण के सबसे ज्यादा मामले, ज्यादातर लड़कियों के गायब होने के

गोरखपुर (एजेंसी)। गोरखपुर में 64 अपहरण के मामले दर्ज हुए हैं। वहीं, गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर व महराजगंज में यह आंकड़ा 117 तक पहुंच गया है। पुलिस का दावा है कि 60 फीसदी से ज्यादा मामलों में पीड़ित को बरामद किया है, लेकिन कई मामले ऐसे भी हैं जहां पुलिस की लापरवाही उजागर हुई है। जनवरी 2025 से अब तक गोरखपुर में 64, कुशीनगर में 40, महराजगंज में 7 और देवरिया में 6 अपहरण के मामले दर्ज किए गए। इनमें से ज्यादातर मामलों में नाबालिग लड़कियों के गायब होने की शिकायत है। जांच में कई मामले प्रेम-प्रसंग से जुड़े निकले, जबकि कुछ मामलों में परिजन की सूचना पर जबरन अपहरण की एफआइआर दर्ज कराई गई है।

पुलिस रिकार्ड के मुताबिक अब तक कुल मामलों में से करीब 60 फीसदी ही वर्कआउट हो सके हैं। गोरखपुर में सबसे अधिक 64 मामले दर्ज हैं, जिनमें 39 मामलों में बरामदगी की हुई है। शेष 25 मामले अब भी अधूरे हैं या विवेचना लंबित है। कुछ मामलों में पीड़ित पक्ष ने थानों में लापरवाही का आरोप भी लगाया। रामगढ़ताल क्षेत्र से लापता किशोरी की लोकेशन मुंबई में मिलने पर दारोगा ने पिता व रिश्तेदारों को भेज दिया। चार दिन मुंबई में भटकने के बाद वह लौट आए। किरकिरी होने पर अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस टीम भेजी गई।

बता दें फिरौती के लिए अपहरण की घटनाएं आज भले कम हो गई हों, लेकिन एक दौर था जब डॉक्टर, उद्योगपति और नामी लोग सुरक्षित नहीं थे। 1999 से लेकर 2010 तक हर साल कोई न कोई वारदात सामने आई जिसमें अपहरण कर फिरौती मांगी गई, कई लोगों को पुलिस ने बड़ी मशक्कत से छुड़ाया, ऐसे लोग भी हैं जो फिरौती देकर छूटे। एक समय ऐसा था जब अपहरण शब्द लोगों के ज़ेहन में बैठ गया था। 1999 में गोरखनाथ के प्रसिद्ध डाक्टर का अपहरण हुआ। तीन साल बाद फिरौती के लिए बदमाश एक उद्योगपति को उठा ले गए। 2007 में शहर के दो डॉक्टरों का अपहरण हुआ। अपहर्ता उन्हें बिहार उठा ले गए जहां दियारा व सीमावर्ती गांवों में उन्हें छिपाकर रखा गया। इसके अलावा एक छात्र के अपहरण पर भी हंगामा मचा था।

गीडा के पिपरौली गांव के अलीम का सात वर्षीय अर्श स्कूल से घर नहीं लौटा। अपहर्ताओं ने 50 हजार की फिरौती मांगी, लेकिन बाद में 20 हजार पर आ गए। जब तक पुलिस कुछ कर पाती, पड़ोसी शेर अली और उसके दो बेटों ने अर्श की हत्या कर दी थी। शव बोरे में भर कर पोखरे के पास फेंक दिया गया। 2020 में जंगल धूषण इलाके से बलराम का अपहरण हुआ। पिता महाजन के पास एक करोड़ की फिरौती की मांग आई, लेकिन जब तक पुलिस सक्रिय हुई, बलराम की हत्या हो चुकी थी। मामले में नौ लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

जगदीप धनखड़ की कुर्सी चली गई पर कारणों की तलाश में अटकलों का दौर जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जगदीप धनखड़ को उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिए करीब एक सप्ताह होने को है। इसके बाद भी इस्तीफा क्यों हुआ इसको लेकर अटकलों का दौर शुरु हो गया। मतलब जितने मुंह उतनी बातें शुरु हो गईं। कभी कहा गया कि धनखड़ की सरकार से अपेक्षाएं कुछ ज्यादा ही बढ़ गई थीं वो चाहते थे कि सभी सरकारी दफ्तरों में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के साथ उनकी भी तस्वीर लगाई जाए। अब कहा जा रहा है कि संसद टीवी में एक अफसर की नियुक्ति को लेकर भी विवाद खड़ा हुआ था। ऐसे कई कारण है जो इस्तीफे की असल वजह बताए जा रहे हैं।

दावा किया जा रहा है कि जगदीप धनखड़ ने अप्रैल में संसद टीवी के सचिव और इंचार्ज के रूप में एक अधिकारी की नियुक्ति करने के लिए अपने अधिकारों से परे जाकर काम किया। क्या वही नियुक्ति की कोशिश असल में उपराष्ट्रपति के इस्तीफे का कारण बना? जी हां, सरकारी टॉप सूत्रों ने इसे 'तख्तापलट जैसी स्थिति' कहा। अप्रैल में जगदीप धनखड़ ने एक ऐसी नियुक्ति की कोशिश की, जिसे केवल कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ही कर सकती है। यह कोशिश तब हुई, जब पीएम विदेश में थे और उनकी नियुक्ति रोकने के लिए सरकार के टॉप अफसरों को दखल देना पड़ा।

सूत्र के मुताबिक, जगदीप धनखड़ चाहते थे कि अप्रैल में तत्कालीन सचिव रजीत पुहनानी को कौशल विकास सचिव बनाए जाने के बाद एक जूनियर अधिकारी संसद टीवी के सचिव और प्रभारी का कार्यभार संभाले। ये एसीसी के पद हैं और राज्यसभा इन पर अधिकारियों की नियुक्ति नहीं कर सकती। राज्यसभा, लोकसभा, उपराष्ट्रपति और राष्ट्रपति इन पर नियुक्तियां नहीं कर सकते। अधिकारियों का चयन केंद्र सरकार की प्रस्तावित सूची में से किया जाना चाहिए। अधिकारियों का आवंटन एसीसी का काम है और केवल वही नियुक्तियां वैध मानी जाती हैं। जगदीप धनखड़ नियुक्ति वाला आदेश जारी करने वाले थे। सूत्रों ने आरोप लगाया, 'प्रधानमंत्री विदेश में थे और टॉप अधिकारियों को इसे रोकने के लिए दखल देना पड़ा। यहां तक कि उस अधिकारी को भी ज्वाइन न करने के लिए कहा गया। उसे बताया गया कि उसकी नियुक्ति अवैध है और कानूनी संकट पैदा होगा। इस नियुक्ति को टालने के लिए कैडर नियंत्रित प्राधिकरणों, पीएमओ और राज्यसभा सचिवालय के बीच कई कॉल किए गए। अधिकारी को यहां तक सुझाव दिया गया कि अगर ज्वाइन करने का दबाव आता है और राज्यसभा सचिवालय आदेश जारी करता है तो वह छुट्टी पर चला जाए। सूत्रों ने आरोप लगाया कि जगदीप धनखड़ ने अपने घर की शिफ्टिंग के दौरान भी बहुत तनाव पैदा किया था। इसके चलते सरकार ने उनकी शिकायत पर तत्कालीन शहरी विकास सचिव को बदल दिया था।

संक्षिप्त समाचार

सैटेलाइट ले जाने वाले रॉकेट घासेद का ईरान ने परीक्षण किया

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने सोमवार को एक उप-कक्षीय परीक्षण उड़ान के तहत अपने सैटेलाइट ले जाने वाले रॉकेट घासेद का परीक्षण किया। यह परीक्षण जून में ईरान-इजराइल युद्ध और अमेरिका द्वारा ईरान की परमाणु सुविधाओं पर हमले के बाद पहला ऐसा परीक्षण है। सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार, यह परीक्षण अंतरिक्ष तकनीक में नई उभरती तकनीकों का मूल्यांकन करने के लिए किया गया था। घासेद रॉकेट ठोस और तरल ईंधन से संचालित होता है और इसे पहली बार 2020 में प्रक्षेपित किया गया था। यह परीक्षण ईरान के अंतरिक्ष कार्यक्रम और उपग्रह क्षमताओं को बेहतर बनाने में सहायक होगा।

ट्रंप प्रशासन ने 2.6 अरब डॉलर के फंड को अवैध रूप से काटा

न्यूयॉर्क , एजेंसी। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने अमेरिका की एक संघीय अदालत में अहम मुकदमे की सुनवाई के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नीत प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। हार्वर्ड ने दलील दी कि ट्रंप प्रशासन ने उसके 2.6 अरब डॉलर के फंड को अवैध रूप से काटा गया है। प्रशासन ने हार्वर्ड पर उदारवाद और यहूदी विरोध का अड्डा होने का आरोप लगाया है। हार्वर्ड ने इसका विरोध किया है और फंड कटौती के खिलाफ यह मुकदमा उच्च शिक्षा जगत में ध्यान आकर्षित कर रहा है। विश्वविद्यालय का कहना है कि इससे अनुसंधान, करियर और प्रयोगशालाओं को नुकसान होगा। सरकार ने कहा कि ट्रंप के आदेशों का उल्लंघन होने पर वह फंड रोकने का अधिकार रखती है।

जोहरान ममदानी अमेरिका से युगांडा गए, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका में न्यूयॉर्क सिटी के डेमोक्रेटिक नेता का युगांडा दौरा चर्चा में है। न्यूयॉर्क सिटी में मेयर पद के उम्मीदवार जोहरान ममदानी अपनी शादी का जश्न मनाने जन्मस्थान युगांडा गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया और कहा कि यह निजी यात्रा पर इस पूर्वी अफ्रीकी देश में आए हैं और जुलाई के अंत तक न्यूयॉर्क सिटी लौट आएंगे। आगामी नवंबर में होने वाले चुनाव में 33 वर्षीय ममदानी का मुकाबला एंड्रयू कुओमो और मौजूदा मेयर एरिक एडम्स जैसे उम्मीदवारों से है। अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर वीडियो में ममदानी ने मजाक में कहा, ऑनलाइन ट्रोल की सलाह मानकर वे अफ्रीका लौट रहे हैं। हालांकि, उन्होंने कथित तौर पर घृणा करने वाले लोगों से माफी मांगते हुए ये भी कहा कि वे वापस जरूर आएंगे।

ब्रिटेन में प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर फेंके पत्थर और अंडे

लंदन , एजेंसी। लंदन के पास एक होटल में रह रहे शरणार्थियों के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान ब्रिटेन की पुलिस पर पत्थर और अंडे फेंके जाने की खबर है। पुलिस ने कहा कि रविवार को यौन शोषण के शक में गिरफ्तारी के बाद 100 से अधिक प्रदर्शनकारी जमा हुए। प्रदर्शनकारियों ने सेव अवर किड्स और सेंड देम होम जैसे नारे लगाए। विरोध उग्र होने पर पुलिस की गाड़ियों पर हमला हुआ। ऐसे प्रदर्शन पिछले सप्ताह भी हुए थे। पुलिस ने हिंसा से सख्ती से निपटने की चेतावनी दी है।

पंजाब प्रांत में ईशनिंदा का केस, ईसाई गिरफ्तार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक ईसाई व्यक्ति को ईशनिंदा के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि यह घटना पिछले हफ्ते लाहौर की निशात कॉलोनी में घटी। आरोपी का नाम आमिर मसीह है और उसे एक मुस्लिम, सनूर अली की शिकायत पर गिरफ्तार किया गया है। दोनों एक-दूसरे के पड़ोसी हैं। जानकारी के मुताबिक एक दिन मसीह अली की किनारे की दुकान पर आया और आर्थिक तंगी के चलते पाकिस्तान छोड़ने की बात करते हुए अचानक पैगंबर साहब के विरुद्ध अपमानजनक टिप्पणी की। अली ने पुलिस को बताया कि मैंने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन वह भागने में कामयाब रहा। पुलिस अधिकारी जुल्फकार अली ने कहा कि बाद में अली ने पुलिस से संपर्क किया और मसीह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जिसे बाद में गिरफ्तार कर लिया गया और पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 295-सी के तहत केस दर्ज किया गया।

पाकिस्तान के सीनेट चुनाव में इमरान खान की पार्टी को छह सीटें

इस्लामाबाद, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की सीनेट सीटों के लिए कराए गए चुनाव में 11 में से 6 सीटें जीती हैं। विपक्षी दलों को 5 सीटें मिलीं। चुनाव में 145 सदस्यों ने मतदान किया। सात सामान्य सीटों में से पीटीआई ने चार पर जीत दर्ज की, जबकि तीन विपक्ष के हिस्से गईं। तकनीकी सीटों में पीटीआई के आजम स्वाती और जे यूआई के दिलावर खान ने जीत हासिल की। आधिकारिक नतीजे कुछ दिनों में चुनाव आयोग द्वारा घोषित किए जाएंगे।

100 साल तक सत्ता में रहने की सनक ! फिर चुनाव लड़ेगा दुनिया का सबसे बूढ़ा राष्ट्रपति, विपक्ष बेचैन

याओंदे, एजेंसी। विश्व के सबसे बुजुर्ग राष्ट्राध्यक्ष कैमरून के राष्ट्रपति पॉल बिया हैं जिनकी उम्र 92 वर्ष है। मजेदार बात ये है कि पॉल बिया ने अभी भी रिटायरमेंट का फैसला नहीं किया है। उन्होंने अक्टूबर 2025 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में फिर से अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की है। इस कदम से उनकी 43 साल की सत्ता सात साल तक और बढ़ सकती है। यानी वह 100 वर्ष की आयु तक सत्ता में बने रह सकते हैं। बिया 1982 से सत्ता में हैं और उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की, जिसमें उन्होंने कहा, मैं 12 अक्टूबर 2025 के राष्ट्रपति चुनाव में उम्मीदवार हूं। निश्चिंत रहें कि आपकी सेवा करने का मेरा संकल्प हमारे सामने मौजूद गंभीर चुनौतियों के अनुरूप है। बिया ने अपने बयान में दावा किया कि उनकी उम्मीदवारी का फैसला कैमरून के सभी क्षेत्रों और प्रवासी समुदायों से अनेक और आग्रहपूर्ण अनुरोधों के बाद लिया गया है। हालांकि, उनकी लंबी सत्ता को लेकर देश के भीतर और बाहर से ताजा नेतृत्व की मांग तेज हो रही है। कई विपक्षी नेताओं और नागरिक समाज समूहों ने बिया के शासन को आर्थिक और लोकतांत्रिक विकास में बाधक बताया है।

विपक्ष की चुनौती और जनता की क्या प्रतिक्रिया : बिया की उम्मीदवारी की घोषणा के बाद कई विपक्षी नेताओं ने भी चुनाव में उतरने की घोषणा की है। इनमें 2018 के उपविजेता मौरिस कास्टो (कैमरून रेनेसां मूवमेंट), जोशुआ ओसिह (सोशल डेमोक्रेटिक फ्रंट), अकेरे मुना, और कैब्रल लिबी (कैमरून पार्टी फॉर नेशनल रिकॉन्सिलिएशन) शामिल हैं। ये सभी बिया के लंबे शासन की आलोचना करते हुए सुधारों और निष्पक्ष चुनाव की मांग कर रहे हैं। विपक्षी नेताओं का कहना है कि बिया के शासन में भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन, और सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में विफलता ने देश को संकट में डाल दिया है। कैमरून रेनेसां मूवमेंट के महासचिव क्रिस्टोफर एनकॉन्ग ने कहा, पापा, आपने अपना सर्वश्रेष्ठ कर दिया। क्या अब आप किसी अन्य कैमरूनवासी को सत्ता सौंपने के लिए नहीं जा सकते? राजधानी याओंदे की सड़कों पर लोगों ने बीबीसी को बताया कि वे राजनीति पर खुलकर टिप्पणी करने से डरते हैं, क्योंकि उन्हें प्रतिशोध का डर है। एक व्यक्ति ने गुमनाम रहते हुए कहा, मैंने कभी नहीं देखा या सुना कि इतनी उम्र का कोई व्यक्ति राष्ट्रपति चुनाव में उम्मीदवारी की घोषणा कर रहा हो।

बिया का शासन: उपलब्धियां और विवाद : पॉल बिया 1982 में अपने पूर्ववर्ती अहमदौ अहिद्जो के इस्तीफे के बाद सत्ता में आए। उनके शासनकाल में कैमरून ने आर्थिक संकट का डटकर सामना किया और एकदलीय शासन से हटकर बहुदलीय व्यवस्था की ओर बढ़ा। हालांकि, उनकी सरकार पर भ्रष्टाचार, धन के गबन, और कुप्रबंधन के आरोप लगातार लगते रहे हैं। 2008 में, बिया ने संविधान में संशोधन कर कार्यकाल की सीमा को समाप्त कर दिया, जिससे वह अनिश्चितकाल तक राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ सकते हैं। 2018 के चुनाव में उन्होंने 71 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल किए, लेकिन विपक्ष ने व्यापक अनियमितताओं का आरोप लगाया। बिया की सेहत को लेकर भी अक्सर सवाल उठते रहे हैं। पिछले साल उनकी छह सप्ताह से अधिक की सार्वजनिक अनुपस्थिति ने उनकी सेहत और शासन करने की क्षमता पर अटकलों को जन्म दिया, जिसमें उनकी मृत्यु की अफवाहें भी शामिल थीं। कैमरून में जहां औसत आयु केवल 18 वर्ष है और औसत जीवन प्रत्याशा 63 वर्ष है, वहां युवाओं में बिया के शासन के प्रति निराशा बढ़ रही है। डौआला में एक 27 वर्षीय मोटरसाइकिल टैक्सी ड्राइवर आंद्रे औआंदजी ने कहा, हमने कई साल पहले सरकार पर भरोसा करना छोड़ दिया। देश में बेरोजगारी, बढ़ती कीमतें, और खराब सार्वजनिक सेवाएं आम शिकायतें हैं। 2023 के एक सर्वेक्षण के अनुसार, 80प्रतिशत कार्यबल अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत है, और एक तिहाई आबादी प्रतिदिन 2 डॉलर या उससे कम पर जीवनयापन करती है। पश्चिमी कैमरून में अंग्रेजी भाषी अलगाववादियों द्वारा स्वतंत्रता की घोषणा के बाद हिंसा की आशंका भी बढ़ रही है।

तेल टैंकरों में रहस्यमयी धमाकों के बाद पुतिन का फरमान, विदेशी जहाजों की एंट्री पर नई शर्त

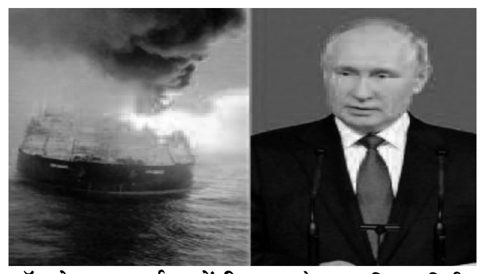

मॉस्को, ब्लूमबर्ग, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने देश के सभी समुद्री बंदरगाहों पर विदेशों से आने वाले जहाजों की जांच और एंट्री के नियम और सख्त कर दिए हैं। अब किसी भी विदेशी जहाज को रूसी समुद्री बंदरगाह में प्रवेश के लिए पोर्ट कप्तान की अनुमति लेनी होगी, जो फेडरल सिक्योरिटी सर्विस यानी रूस की मुख्य सुरक्षा एजेंसी के साथ मिलकर दी जाएगी। पहले तक, यह मंजूरी केवल उन्हीं जहाजों के लिए जरूरी थी जो रूसी नौसैनिक बेस के आसपास के पोर्ट्स पर आते थे, लेकिन अब यह देश के सभी बंदरगाहों पर लागू होगी। हाल के महीनों में रूसी या रूसी बंदरगाहों पर गए तेल टैंकरों में कई रहस्यमय ब्लास्ट हुए हैं। सबसे ताजा धमाका करीब एक महीने पहले लीबिया के पास एक ऐसे जहाज पर हुआ था, जो इसके पहले रूस के बाल्टिक बंदरगाह उस्त-लुगा और ब्लैक सी पोर्ट नोवोरोसिस्क पर भी रुका था। इन धमाकों के कारण सुरक्षा एजेंसियों ने संदेह जताया है कि किसी राज्य-प्रायोजित एजेंसी ने रूसी तेल टैंकरों को निशाना बनाया हो सकता है। सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए, रूस की सुरक्षा परिषद ने भी बंदरगाहों की सुरक्षा के उपायों को बढ़ाने की सिफारिश की थी। बंदरगाहों पर पहुंचने वाले जहाजों के पतवार (हुल) की अंडरवॉटर जांच के लिए रूस के पोर्ट अथॉरिटी ने बड़ा टेंडर निकाला है, जिसमें 3.16 अरब रूबल (करीब 40.4 मिलियन) खर्च किए जाएंगे। अब जहाज मालिक गोताखोरों और अंडरवॉटर ड्रोन की मदद से ऐसे जहाजों की जांच करा रहे हैं, जिन्होंने कभी रूसी बंदरगाहों पर लंगर डाला हो-इनमें बारूदी सुरंग या विस्फोटक लगाने का डर सता रहा है।

प्रिंस विलियम और प्रिंस हैरी की चचेरी बहन की संदिग्ध मौत, शव के पास मिली बंदूक; खुदकुशी करने की आशंका

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के राजकुमार विलियम और राजकुमार हैरी की चचेरी बहन रोजी रोश की संदिग्ध हालात में अपने घर में मौत हो गई। उनके शव के पास बंदूक पड़ी मिली। हालांकि पुलिस इसे खुदकुशी मान रही है। अफसरों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिवंगत राजकुमारी डायना के चाचा की पोती रोजी रोश विल्टशॉयर में रहती थी। 20 वर्षीय रोजी अपने दोस्तों के साथ छुट्टियां मनाने के लिए सामान पैक कर रहीं थीं। इस दौरान उनकी मां और बहन ने कमरे में उनका शव पड़ा देखा। शव को देखकर दोनों के होश उड़ गए। घटनास्थल से बंदूक बरामद की गई। कोरोनर ग्रांट डेविस ने कहा कि पुलिस ने रोजी की मौत को गैर संदिग्ध माना है। उन्होंने माना कि रोजी की मौत में किसी तीसरे का हाथ नहीं है। ऐसे में माना जा रहा है कि रोजी ने खुदकुशी की होगी। एक लेख में उनको ह्यू और पिप्पा की प्यारी बेटी, आर्ची और अगाथा बहन, डेरेक और रे लॉन्ग की पोती बताया गया। रोजी डरहम विश्वविद्यालय में अंग्रेजी साहित्य का अध्ययन कर रही थी। वह दोस्तों के साथ छुट्टी पर जाने के लिए बेहद उत्साहित थीं। एक प्रवक्ता ने कहा कि उनकी बहुत याद आएगी। परिवार ने उनके निधन को लेकर निजता बनाए रखने की अपील की है। उनको निधन के बाद निजी अंतिम संस्कार और निजी श्रद्धांजलि सभा होगी।

परमाणु कार्यक्रम फिर से शुरू करने की तैयारी में ईरान, तुर्किये में यूरोपीय देशों से करेगा बात

तेहरान, एजेंसी। पिछले महीने इस्राइल और अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। इसके बाद माना जा रहा था कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम नष्ट हो गया है। इसके बाद ईरान ने एक बार फिर परमाणु कार्यक्रम को लेकर बात शुरू कर दी है। तुर्किये में होने वाली बैठक में ईरानी अधिकारी ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के अधिकारियों से बात करेंगे। इस्राइल और अमेरिका के हमलों के बाद ईरान ने एक बार फिर परमाणु कार्यक्रम शुरू करने की तैयारी की है। ईरान अब तुर्किये में यूरोपीय देशों के साथ परमाणु वार्ता करने जा रहा है। इस्राइल के साथ युद्ध विराम के बाद यह पहला मौका है, जब ईरान परमाणु कार्यक्रम को लेकर नई शुरुआत करने जा रहा है। हालांकि मई में भी इस्तांबुल में ऐसी ही बैठक हुई थी। पिछले महीने इस्राइल और अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। इसके बाद माना जा रहा था कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम नष्ट हो गया है। इसके बाद ईरान ने एक बार फिर परमाणु कार्यक्रम को लेकर बात शुरू कर दी है। तुर्किये में होने वाली बैठक में ईरानी अधिकारी ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के अधिकारियों से बात करेंगे। इन तीनों राष्ट्रों को ई3 के रूप में जाना जाता है। बैठक में यूरोपीय संघ के विदेश नीति प्रमुख काजा कालास भी शामिल होंगे।

ईरानी विदेश मंत्रालय के

प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि बातचीत का विषय साफ है। पहला प्रतिबंधों को हटाना और दूसरा ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम से जुड़े मुद्दे। यह बैठक उप-मंत्री स्तर पर होगी। जर्मन विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मार्टिन गिसे ने कहा कि वार्ता विशेषज्ञ स्तर पर हो रही है। ईरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं करना चाहिए। इसलिए जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन ईरानी परमाणु कार्यक्रम के स्थायी और सत्यापन योग्य कूटनीतिक समाधान के लिए उच्च दबाव में काम करना जारी रख रहे हैं। यह कार्रवाई अमेरिका के साथ भी समन्वित है। गीसे ने कहा कि यह बहुत स्पष्ट है कि यदि अगस्त के अंत तक कोई समाधान नहीं निकलता है तो श्च3 के लिए स्नैपबैक एक विकल्प बना रहेगा। ईरानी विदेश मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव को लिखा पत्र ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने रविवार को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को पत्र लिखा है। इसमें कहा गया कि तीनों यूरोपीय देशों के पास इस तरह के तंत्र को लागू करने के लिए कानूनी, राजनीतिक और नैतिक आधार का अभाव है।

26 देशों ने कहा- युद्ध रोके इस्राइल, निंदा प्रस्ताव पारित; अमेरिका-जर्मनी ने नहीं किए हस्ताक्षर

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन, फ्रांस और कई यूरोपीय देशों सहित 26 राष्ट्रों ने संयुक्त बयान जारी कर गाजा युद्ध को तुरंत समाप्त करने की मांग की है। दूसरी ओर, इस्राइली सेना ने सोमवार को पहली बार गाजा के मध्यवर्ती शहर देर अल-बलाह में प्रवेश किया।

21 महीने के युद्ध में अब तक यह शहर बड़े युद्धक विनाश से बचा हुआ था। 26 देशों की ओर से संयुक्त बयान में गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों का हवाला दिया गया है। इसमें 800 से अधिक फलस्तीनियों की मौत को भयावह बताया गया। वे भोजन-पानी की तलाश में थे। उन्होंने अमेरिका समर्थित संगठन गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन के माध्यम से भेजे जा रहे भोजन वितरण के दौरान इस्राइली सैनिकों की गोलीबारी में सैकड़ों फलस्तीनियों के मारे जाने की भी निंदा की गई। इस बयान पर यूरोप के 20 देशों के साथ कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के विदेश मंत्रियों ने भी हस्ताक्षर किए, जबकि अमेरिका और जर्मनी इस सूची में शामिल नहीं है। गौरतलब है कि गाजा की 20 लाख से ज्यादा फलस्तीनी आबादी भयावह मानवीय संकट से जूझ रही है। अब ये मुख्यतः उस क्षेत्र में आने वाली सीमित मानवीय सहायता पर निर्भर हैं। यहां पर तमाम लोग कई बार विस्थापित हो चुके हैं। गाजा में जारी लड़ाई ने क्षेत्र के अन्य हिस्सों में भी संघर्षों को जन्म दिया है। इसमें इस्राइल और यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के बीच संघर्ष भी शामिल है। दीर अल-बलाह में इस्राइली सेना के प्रवेश करने के कदम को गाजा को सैन्य गलियारों में बांटने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। बंधकों के परिवारों ने इस्राइल के इस पर चिंता जताई है। इस्राइल का मानना है कि इस क्षेत्र में हमास के कब्जे वाले बंधकों का रखा गया है। इस्राइल का दावा है कि ताजा सैन्य कार्रवाई का उद्देश्य हमास पर बंधकों को छोड़ने का दबाव बनाना है। क्योंकि बंधकों का मुद्दा युद्धविराम वार्ता में सबसे बड़ी बाधा बना हुआ है। गाजा में 21 महीने से ज्यादा समय से जारी लड़ाई में जान गंवाने वाले फलस्तीनियों की संख्या 59 हजार से अधिक हो गई है।

ब्रिटेन की पूर्व सांसद का पति पर आरोप- 10 साल तक शोषण किया?

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की पूर्व सांसद केट निकोल ने अपने पति और पूर्व सांसद एंड्रयू ग्रिफिथ्स पर यौन शोषण और शादीशुदा जिंदगी में घरेलू हिंसा के गंभीर आरोप लगाए हैं। ब्रिटेन के टीवी चैनल आईटीवी1 की एक डॉक्यूमेंट्री में केट ने बताया कि ग्रिफिथ्स ने उनके साथ कई बार तब रेप किया, जब वह सो रही थीं। केट ने बताया वह तब मेरे साथ जबरन संबंध बनाता जब मैं नींद में होती थी। कई बार मैं बस सह लेती थी, लेकिन कई बार रो देती थी। तब वह गुस्से में मुझे बिस्तर से लात मारकर बाहर फेंक देता था। मैं रोती थी, डरती थी, लेकिन वह कहता था- कोई तुम्हारी बात पर भरोसा नहीं करेगा, मैं सांसद हूं, पुलिस भी मेरे साथ है। मैं खुद को एक कमरे में बंद कर लेती या घर छोड़कर चली जाती थी। ग्रिफिथ्स और केट की शादी 2013 में हुई थी। हालांकि 5 साल बाद ही 2018 में दोनों अलग हो गए। एक घटना याद करते हुए केट ने बताया कि उनकी बेटी सिर्फ दो हफ्ते की थी। एक सुबह जब वह दूध के लिए रो रही थी और ग्रिफिथ्स संसद जाने की तैयारी कर रहा था। तब उसने बच्ची पर चिल्लाते हुए कहा- चुप हो जा

हरामखोर.... केट आगे कहती है - लोग सोचते हैं कि मिडिल क्लास प्रोफेशनल लोगों के साथ ऐसा नहीं होता। लोगों को लगता है कि घरेलू हिंसा सिर्फ गरीब तबके में होती है, लेकिन सच ये है कि यह किसी के भी साथ हो सकती है। ब्रिटेन के एक फैमिली कोर्ट ने 2021 में माना कि ग्रिफिथ्स ने केट के साथ रेप किया और बार-बार शारीरिक हिंसा की। कोर्ट ने यह भी माना कि उसने मानसिक रूप से भी उन्हें प्रताड़ित किया। केट ने कहा कि वो 5 साल की यातना झेलने के बाद भी 5 साल तक कानूनी सिस्टम से लड़ती रहीं। केट के मुताबिक अलग होने के बाद भी ग्रिफिथ्स उन्हें 5 साल तक लीगल सिस्टम के जरिए परेशान करते रहे। केट की यह पूरी कहानी चैनल आईटीवी1 और उसके डिजिटल प्लेटफॉर्म आईटीवीएक्स पर ब्रेकिंग द साइलेंसः केट्स स्टोरी नाम की डॉक्यूमेंट्री में दिखाई जा रही है। इसमें केट की निजी कहानी के अलावा यह भी दिखाया गया है कि कैसे ब्रिटेन के फैमिली कोर्ट्स हर साल 30 हजार से ज्यादा घरेलू हिंसा के मामलों में कमजोर फैसले लेते हैं।

निमिषा प्रिया को रिहा किया जाएगा, ईसाई प्रचारक केए पॉल का दावा; पीएम मोदी को कहा धन्यवाद

सना, एजेंसी। यमन की जेल में बंद भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को रिहा किया जाएगा। ईसाई धर्म के प्रचारक केए पॉल ने ये दावा किया है। साथ ही केए पॉल ने पीएम मोदी को धन्यवाद भी कहा है। ईसाई धर्म के प्रचारक और ग्लोबल पीस इनीशिएटिव के संस्थापक डॉ. केए पॉल ने मंगलवार रात को एक वीडियो संदेश में दावा किया कि यमन की राजधानी सना की जेल में बंद भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की मौत की सजा रद्द कर दी गई है। डॉ. केए पॉल ने वीडियो संदेश में यमन के नेताओं को धन्यवाद दिया और उनकी कोशिशों की सराहना की।

डॉ. केए पॉल ने पीएम मोदी को दिया धन्यवाद : डॉ. केए पॉल ने कहा कि यमन के नेताओं ने बीते 10 दिनों तक दिन रात काम किया। डॉ. पॉल ने कहा कि मैं उन सभी नेताओं को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने निमिषा प्रिया की मौत की सजा को रद्द कराने में मदद की। भगवान के आशीर्वाद से निमिषा प्रिया को जल्द ही रिहा किया जाएगा और फिर वह भारत लौटेंगी। मैं प्रधानमंत्री मोदी को भी धन्यवाद करता हूं, जो निमिषा प्रिया को ले जाने के लिए राजनयिक भेज रहे हैं। बीते हफ्ते भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी अपने एक बयान में बताया था कि सरकार निमिषा प्रिया को बचाने के लिए क्या-क्या कदम उठा रही है। सरकार ने निमिषा प्रिया के परिवार की मदद के लिए एक वकील भी नियुक्त किया है, जो यमन के कानून के मुताबिक उनकी मदद कर रहा है। साथ ही शरिया कानून के तहत निमिषा को माफी मिलने के कोशिशों की भी जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के बयान से पहले केरल के ग्रैंड मुफ्ती शेख अबुबकर अहमद

कांतापुरम ने बताया कि उन्होंने यमन के मुस्लिम धर्मगुरुओं से बात की है और उनसे निमिषा प्रिया की रिहाई की अपील की। शेख अबुबकर ने दावा किया कि उनके बात करने के बाद ही निमिषा को 16 जुलाई को दी जाने वाली फांसी की सजा टाल दी गई थी।

निमिषा को यमन में क्यों मिली मौत की सजा : केरल के पलक्कड़ की निवासी निमिषा प्रिया साल 2008 में एक नर्स के रूप में काम करने के लिए यमन गई थीं। वहां कई अस्पतालों में काम करने के बाद निमिषा प्रिया साल 2011 में केरल वापस आई और यहां टॉमी थॉमस से उनकी शादी हुई। दोनों की एक बेटी है, जो इस समय केरल में रहती है। साल 2015 में निमिषा ने यमन के नागरिक तलाल अब्दो महदी के साथ मिलकर एक मेडिकल क्लीनिक की शुरुआत की थी। साल 2017 में महदी का शव एक वॉटर टैंक में पाया गया और हत्या का आरोप निमिषा पर लगा। आरोप है कि निमिषा ने नींद की दवा की अधिक डोज देकर महदी की हत्या की और उनके शव को छिपाने की कोशिश की। इसके एक महीने बाद निमिषा को यमन-सऊदी अरब की सीमा से गिरफ्तार किया गया। निमिषा के वकील ने दलील दी कि महदी ने निमिषा का शारीरिक उत्पीड़न किया और उसका पासपोर्ट भी जब्त कर लिया था और निमिषा को धमकाया था। हालांकि तलाल अब्दो महदी के भाई ने इन आरोपों से इनकार किया। साल 2020 में, सना की एक अदालत ने निमिषा को मौत की सजा सुनाई। साल 2023 में यमन के सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस सजा को बरकरार रखा। निमिषा प्रिया फिलहाल सना जेल में बंद है। निमिषा प्रिया के लिए कथित मसीहा बने सैमुअल जेरोम पर तलाल के परिवार ने सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। तलाल अब्दो महदी के भाई अब्दुल फतह ने कहा है कि सैमुअल जेरोम ने उनके परिवार से कभी मुलाकात ही नहीं की। उन्होंने कहा कि जेरोम निमिषा प्रिया के नाम पर अवैध रूप से फंड इकट्ठा कर रहे हैं। उन्होंने जेरोम पर 40 हजार डॉलर के गबन का आरोप लगाया है।

इंडोनेशिया में इंटरनेशनल ऑटो शो (जीआईआईएएस) में लोग चीनी वाहन कंपनी बीएआईसी के नये ब्रांड को देखते हुए। जीआईआईएएस अगले माह 3 अगस्त तक लोगों के लिए खुला रहेगा।

इन्फोसिस के मजबूत तिमाही नतीजे के बाद शेयर में तेजी

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख आईटी कंपनी इन्फोसिस लिमिटेड के शेयर गुरुवार को बाजार खुलते ही लगभग 0.5 फीसदी चढ़कर कारोबार करते नजर आए। यह तेजी कंपनी के अप्रैल-जून तिमाही के मजबूत नतीजों के बाद देखने को मिली है। कंपनी का मुनाफा 6,921 करोड़ रहा, जो साल-दर-साल आधार पर 8.7 फीसदी अधिक है। हालांकि, पिछली तिमाही की तुलना में मुनाफे में 1.6 फीसदी की हल्की गिरावट दर्ज की गई। कंपनी की कुल आय बढ़कर 42,279 करोड़ हो गई, जिसमें 7.5 फीसदी की वार्षिक वृद्धि हुई है। ब्रोकरेज कंपनियों ने इन नतीजों के बाद इन्फोसिस के शेयर पर अपनी राय साझा की है। अधिकतर ब्रोकरेज फर्मों ने बाय की रेटिंग बरकरार रखते हुए शेयर में आगे तेजी की संभावना जताई है। नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने इन्फोसिस का टारगेट प्राइस 1,700 से बढ़ाकर 1,850 कर दिया है, जो वर्तमान भाव 1,570 के मुकाबले करीब 18 फीसदी का अपसाइड दर्शाता है। ब्रोकरेज का मानना है कि कंपनी ने मजबूत नतीजे दिए हैं और स्थिर मुद्रा में रेवेन्यू अनुमान से बेहतर रहा है। नुवामा ने यह भी कहा कि भले ही निकट भविष्य में मांग कमजोर रह सकती है, लेकिन मध्यम से दीर्घकालिक दृष्टिकोण सकारात्मक है। जैसे ही वैश्विक आर्थिक स्थिति सुधरेगी, आईटी पर खर्च बढ़ेगा, जिससे इन्फोसिस को फायदा होगा। इस सकारात्मक आउटलुक के चलते निवेशकों के लिए इन्फोसिस में निवेश का यह उपयुक्त समय माना जा रहा है।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच मजबूत बनी भारतीय अर्थव्यवस्थाः आरबीआई रिपोर्ट

- भारत के पास वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में अपनी भागीदारी बढ़ाने का सुनहरा अवसर

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक व्यापार और टैरिफ को लेकर जारी अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत मैक्रोइकोनॉमिक फंडामेंटल्स के चलते स्थिर बनी हुई है। आरबीआई के बुलेटिन में प्रकाशित स्टेट ऑफ द इकोनॉमी रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में मुद्रास्फीति में कमी, खरीफ सीज़न की अच्छी संभावनाएं, सरकारी खर्च में तेजी, और अनुकूल वित्तीय स्थितियां आगे चलकर समग्र मांग को समर्थन देंगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि भू-आर्थिक विखंडन और व्यापारिक अनिश्चितताओं के बीच भारत के पास वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में अपनी भागीदारी बढ़ाने का सुनहरा अवसर है। साथ ही ढांचागत निवेश और उत्पादकता बढ़ाने वाले संरचनात्मक सुधार भविष्य में विकास को मजबूती प्रदान करेंगे। इस बीच मॉर्गन स्टेनली ने अनुमान जताया है कि भारत 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। वहीं एशियाई विकास बैंक (एडीबी) का अनुमान है कि भारत की जीडीपी वृद्धि दर 2025 में 6.5 फीसदी और 2026 में 6.7 फीसदी रहेगी। मुद्रास्फीति भी आरबीआई के अनुमानित लक्ष्य के भीतर रहने की संभावना है। हालांकि आरबीआई ने चेतावनी दी है कि 1 अगस्त 2025 से लागू होने वाली नई आयात शुल्क दरों को लेकर वैश्विक वित्तीय बाजारों में अनिश्चितता बनी हुई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं अभी भी अस्थिर हैं, जिससे वैश्विक आर्थिक संभावनाओं पर असर पड़ सकता है।

एन. चंद्रशेखरन को वित्त वर्ष 25 में 155.81 करोड़ का पारिश्रमिक मिला

नई दिल्ली ।

टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के कार्यकारी चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को वित्त वर्ष 2025 में कुल 155.81 करोड़ रुपये का पारिश्रमिक मिला, जो उन्हें देश के सबसे अधिक वेतन पाने वाले कॉरपोरेट लीडर्स में शामिल करता है। यह पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 15 फीसदी अधिक है। टाटा संस की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 25 में कंपनी का शुद्ध लाभ 24.3 फीसदी घटकर 26,232 करोड़ रुपये रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष में 34,654 करोड़ रुपये था। चंद्रशेखरन को वेतन और अन्य भत्तों के रूप में 15.1 करोड़ रुपये मिले, जबकि शेष 140.7 करोड़ रुपये लाभ आधारित कमीशन के रूप में दिए गए। यह कमीशन कंपनी के शुद्ध लाभ का 0.6 फीसदी रहा, जबकि वित्त वर्ष 24 में यह 0.4 फीसदी था। टाटा संस के कार्यकारी निदेशक सौरभ अग्रवाल का कुल पारिश्रमिक वित्त वर्ष 25 में 7.7 फीसदी बढ़कर 32.7 करोड़ रुपये हो गया। सेवानिवृत्त चेयरमैन रतन टाटा के निधन के बाद बोर्ड में शामिल हुए नोएल टाटा को 1.42 करोड़ रुपये का लाभ आधारित कमीशन मिला। इसके अलावा मार्च 2025 में सेवानिवृत्त लियो पुरी को 3.13 करोड़ रुपये और अगस्त 2024 में सेवानिवृत्त भास्कर भट्ट को 1.33 करोड़ रुपये का कमीशन दिया गया। टाटा ट्रस्ट के निदेशक वेणु श्रीनिवासन ने लाभ पर कमीशन लेने से मना कर दिया। हालांकि टाटा संस का मुनाफा घटा है, कंपनी के शीर्ष अधिकारियों को मिला पारिश्रमिक इस बात को दर्शाता है कि कंपनी नेतृत्व को प्रदर्शन के अनुसार पुरस्कृत करना जारी रखती है।

भारत का स्मार्टफोन बाजार अप्रैल-जून 2025 में 7 फीसदी बढ़ा

- इन्वेंट्री की चुनौतियों में कमी और विक्रेताओं की फिर से सक्रियता से आई तेजी

नई दिल्ली ।

भारत का स्मार्टफोन बाजार अप्रैल-जून 2025 की तिमाही में 7 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 3.9 करोड़ यूनिट्स तक पहुंच गया है। इस तेजी के पीछे मुख्य कारण इन्वेंट्री की चुनौतियों में कमी और विक्रेताओं की फिर से सक्रियता है। पहली तिमाही में इन्वेंट्री के उच्च स्तर के कारण नए स्मार्टफोन लॉन्च में देरी हुई थी, जबकि दूसरी तिमाही में कई नए मॉडल लॉन्च होने से बिक्री में वृद्धि हुई।

कैनालिस की रिपोर्ट के अनुसार इस तिमाही में वीवो (आईक्यूओओ को छोड़कर) ने सबसे अधिक शिपमेंट की, जो 81 लाख यूनिट्स के साथ 21 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी पर काबिज रहा। इसके बाद सैमसंग 62 लाख यूनिट्स और 16 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर रहा। ओप्पो (वनप्लस को छोड़कर) और श्याओमी दोनों ने लगभग 50 लाख यूनिट्स की शिपिंग की जबकि रियलमी 36 लाख यूनिट्स के साथ शीर्ष पांच में शामिल हुआ। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत के स्मार्टफोन बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। एक विश्लेषक के अनुसार प्रीमियम ब्रांड और डिजाइन-आधारित कंपनियां अपनी रणनीतियों में सुधार कर बाजार में अपनी पकड़ मजबूत कर रही हैं। एप्पल ने इस तिमाही में छठा स्थान हासिल किया है।

एप्पल का भारत में पहली छमाही में आईफोन शिपमेंट 36 फीसदी बढ़ा

मुंबई । टेक दिग्गज एप्पल ने 2025 की पहली छमाही में भारत में अपने आईफोन शिपमेंट में सालाना आधार पर 36 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की है। यह जानकारी हाल ही में एक रिपोर्ट में सामने आई है। कंपनी ने अपने आईपैड सेगमेंट में भी 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो देश में एप्पल के लेटेस्ट-जनरेशन डिवाइस की बढ़ती मांग को दर्शाता है। रिपोर्ट के अनुसार, आईफोन 16 सीरीज इस अवधि में सबसे लोकप्रिय रही, जिसने आईफोन बाजार हिस्सेदारी का 62 प्रतिशत हिस्सा हासिल किया। इसके बाद आईफोन 15 सीरीज 30 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर रही। इसके अलावा, आईफोन 16ई और आईफोन 14 सीरीज ने भी कंपनी की बिक्री में योगदान दिया, जिनकी बाजार हिस्सेदारी लगभग 4 प्रतिशत रही। आईपैड टैबलेट सेगमेंट में आईपैड 11 सीरीज ने 64 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ बढ़त बनाई, जबकि आईपैड ईयर 2025 सीरीज 25 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर रही। वहीं, आईपैड प्रो 2024, आईपैड एयर 2024 और आईपैड 10 सीरीज जैसे पुराने मॉडल की हिस्सेदारी में कमी देखी गई।

बीकाजी फूड्स का पहली तिमाही में मुनाफा बढ़कर 58.52 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली । एथनिक स्नैक्स और मिठाइयों के क्षेत्र में प्रमुख बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 1.3 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 58.52 करोड़ का एकीकृत शुद्ध लाभ दर्ज किया। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 57.77 करोड़ रहा था। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इस अवधि के दौरान उसकी परिचालन आय 14.86 प्रतिशत बढ़कर 637.05 करोड़ हो गई, जो कि एक साल पहले 554.59 करोड़ थी। वहीं, कंपनी की कुल आय, जिसमें अन्य आय भी शामिल है, 14.52 प्रतिशत बढ़कर 662.66 करोड़ रही। हालांकि, बीकाजी के कुल खर्च में 16.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह 584.09 करोड़ पर पहुंच गया। इससे शुद्ध लाभ में तेज बढ़ोतरी नहीं हो पाई, लेकिन कंपनी ने लागत में बढ़ोतरी के बावजूद लाभ में स्थिरता बनाए रखी। उद्योग क्षेत्र की बात करें तो कंपनी की 'एथनिक स्नैक्स' श्रेणी से आय में 11.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो इसके कुल कारोबार में 75.3 प्रतिशत का योगदान करती है। वहीं, 'पैकेज्ड स्वीट्स' श्रेणी की आय 3.1 प्रतिशत बढ़ी। बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल भारत की तीसरी सबसे बड़ी एथनिक स्नैक्स निर्माता कंपनी है। यह भारतीय पारंपरिक नमकीन और मिठाइयों के उत्पादन और वितरण में विशेषज्ञता रखती है।

अमेरिकी कंपनियों के लिए भारत और चीन में निवेश के दिन लद गए ट्रंप

न्यूयॉर्क ।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी टेक कंपनियों को विदेशों में कारोबार फैलाने को लेकर सख्त चेतावनी दी है। एआई (कृत्रिम मेधा) शिखर सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में ऐसी कंपनियों के लिए भारत और चीन जैसे देशों में फैक्ट्री लगाना और नौकरियां भेजना अब स्वीकार्य नहीं होगा। ट्रंप ने खासतौर पर उन कंपनियों की आलोचना की जो चीन में कारखाने लगाती हैं, भारत में लोगों को नौकरी देती हैं और टैक्स बचाने के लिए आयरलैंड का सहारा लेती हैं। उन्होंने कहा कि यह नीतियां अमेरिकी श्रमिकों के साथ धोखा हैं और इससे देश को नुकसान हुआ है। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिकी टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री लंबे समय से कट्टरपंथी वैश्वीकरण के रास्ते पर चल रही है, जिससे लाखों अमेरिकी ठगा हुआ महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि टेक कंपनियां अमेरिका के प्रति अपनी निष्ठा दिखाएं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरापट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान आईटी कंपनी टेक महिन्द्र के शेयरों में गिरावट से भी बाजार पर दबाव आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 542 अंकों की गिरावट के साथ ही 82,184.17 अंकों पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 158.80 अंक की गिरावट के साथ ही 25,062.10 पर बंद हुआ।

आज के कारोबार के दौरान निफ्टी पर इटरनल (जोमेटो) , डॉ रेड्डीज़ लैब्स, टाटा मोटर्स, टाटा कंज्यूमर, सिप्ला के शेयर सबसे अधिक लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। वहीं ट्रेंट, नेस्ले, श्रीराम फाइनेंस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। आज पीएसयू बैंक और फार्मा के अलावा अन्या सभी सूचकांक गिरे हैं। वहीं बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक 0.4 फीसदी टूटा।

बाजार में गिरावट का एक अन्य कारण कंपनी के पहली तिमाही के कमजोर परिणाम भी रहे। वहीं अमेरिका-भारत व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता जारी रहने से भी बाजार पर दबाव आया है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जुलाई में अब तक 26,395 करोड़ रुपये मूल्य के भारतीय शेयर बेचे हैं। उससे भी बाजार कमजोर हुआ।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की सपाट शुरुआत हुई। सेंसेक्स गुरुवार को मामूली बढ़त के साथ 82,779 पर खुला। हालांकि, खुलते ही यह लाल निशान में फिसल गया। इसी तरह निफ्टी-50 भी 25,243 अंक के सपाट लेवल पर खुला। वहीं एशिया-पैसिफिक मार्केट्स में तेजी देखी जा रही है। अमेरिका और जापान के बीच ट्रेड डील को लेकर बनी सहमति और यूरोपियन यूनियन के साथ बातचीत में सकारात्मक संकेतों से निवेशकों की धारणा मजबूत हुई है। जापान का टॉपिक्स इंडेक्स 1.2 फीसदी की बढ़त के साथ रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया, जबकि निक्केई 1.09 फीसदी ऊपर रहा। कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 1.6 फीसदी चढ़ा है और ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 फ्लैट ट्रेड कर रहा है। वहीं अमेरिकी बाजारों में भी जबरदस्त तेजी रही। एसएंडपी 500 लगातार तीसरे दिन रिकॉर्ड उच्च स्तर पर बंद हुआ और 6,358.91 के स्तर पर पहुंच गया। डाओ जोंस 507.85 पॉइंट की छलांग लगाकर 45,010.29 पर बंद हुआ। नेस्डेक ने भी पहली बार 21,000 का स्तर पार किया और 21,020.02 पर बंद हुआ।

एनएसई ने रिटेल एल्गो ट्रेडिंग के लिए नए रजिस्ट्रेशन नियम जारी किए

मुंबई । एनएसई ने रिटेल एल्गो ट्रेडिंग स्ट्रेटेजी के रजिस्ट्रेशन के लिए नए नियम लागू करने की घोषणा की है। 1 अगस्त से सभी एल्गो ट्रेडिंग स्ट्रेटेजी का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य होगा, और हर स्ट्रेटेजी को एक यूनिक आइडेंटिफिकेशन दिया जाएगा। इसके तहत, ट्रेडिंग मेंबर्स या एल्गो प्रोवाइडर्स को अपनी स्ट्रेटेजी एक्सचेंज के पास रजिस्टर करनी होगी। एनएसई ने 'क्लाइंट डायरेक्ट के जरिए रिटेल इनवेस्टर्स को एल्गो ट्रेडिंग की सुविधा देने का प्रावधान किया है। ट्रेडिंग मेंबर्स को ऑर्डर लिमिट जांचने और एल्गो आईडी टैग करने वाले सिस्टम का इस्तेमाल करना होगा। ब्रोकर्स जिम्मेदार होंगे कि केवल योग्य क्लाइंट्स को ही एल्गो ट्रेडिंग की अनुमति मिले। एनएसई अपनी वेबसाइट पर रजिस्टर्ड एल्गो प्रोवाइडर्स की सूची अपडेट रखेगा। ये नए नियम रिटेल इनवेस्टर्स के लिए पारदर्शिता और सुरक्षा बढ़ाने के उद्देश्य से लागू किए गए हैं।

तिलकनगर इंडस्ट्रीज ने खरीदी इंपीरियल ब्लू व्हिस्की

मुंबई । तिलकनगर इंडस्ट्रीज ने फ्रेंच कंपनी पर्नोड रिकार्ड की भारतीय इकाई से इंपीरियल ब्लू व्हिस्की डिविजन को 4,150 करोड़ रुपये में खरीदने के लिए डिफिनिटिव एग्रीमेंट किया है। यह डील कॉम्पीटीशन कमीशन आफ इं डिया (सीसीआई) की मंजूरी के बाद पूरी होगी। तिलकनगर पहले से ही मेनसन हाउस ब्रांडी का निर्माण करती है, जो भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाला ब्रांड है। इस अधिग्रहण से कंपनी आइएमएफएल के व्हिस्की सेगमेंट में भी प्रवेश कर जाएगी और दोनों प्रमुख कैटेगरी में मजबूत खिलाड़ी बन जाएगी। तिलकनगर का कहना है कि इससे उसका प्रीमियम पोर्टफोलियो और वितरण नेटवर्क मजबूत होगा। पर्नोड रिकार्ड ने इस डील को अपने पोर्टफोलियो रीस्ट्रक्चरिंग का अहम हिस्सा बताया है, जिससे वे भारत में प्रीमियम ब्रांड्स पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे और ऑपरेटिंग मार्जिन बढ़ा सकेंगे। यह कदम भारत के तेजी से बढ़ते आईएमएफएल बाजार में बड़ा बदलाव लाएगा।

सार्वजनिक बैंकों का एनपीए घटा, भाजपा नेता ने मोदी सरकार की नीतियों को सराहा

- देश को 2047 तक विकसित भारत की ओर ले जा रही है मोदीनॉमिक्स

मुंबई ।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) में पिछले चार वर्षों में 9.11 प्रतिशत से घटकर 2.58 प्रतिशत तक कमी आई है। भाजपा नेता गौरव वल्लभ ने इस उपलब्धि को मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों की सफलता बताया और कहा कि मोदीनॉमिक्स देश को 2047 तक विकसित भारत की ओर ले जा रही है। उन्होंने एक अखबार को` दिए एक साक्षात्कार में कहा कि यूपीए शासन के दौरान बैंकिंग प्रणाली में व्यापक भ्रष्टाचार था, जिससे एनपीए का स्तर उच्च था। मोदी सरकार ने इस भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ फेंका है, जिसके परिणामस्वरूप एनपीए में भारी कमी देखी जा रही है। गौरव वल्लभ ने कहा कि आज भारत उच्च विकास दर, निम्न मुद्रास्फीति और कम एनपीए के तीन स्तंभों पर मजबूत स्थिति में है। उन्होंने विशेष रूप से एमएसएमई सेक्टर में एनपीए की कमी को भारत की अर्थव्यवस्था की मजबूती बताया। राजनीतिक विषय पर गौरव वल्लभ ने राहुल गांधी के मतदाता सूची को लेकर उठाए गए सवालों की कड़ी आलोचना की। उनका कहना था कि राहुल गांधी को देश की जनता वोट नहीं देती, और वह अपनी हार का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव आयोग का सम्मान करना जरूरी है, क्योंकि यह संविधान की प्रक्रिया है। राहुल गांधी पर बिहार के युवाओं के अधिकारों को बांग्लादेशी घुसपैठियों को देने का आरोप भी लगाया गया। जगदीप धनखड़ के इस्तीफे पर गौरव वल्लभ ने कहा कि उन्होंने स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा दिया है और इसे सम्मान देना चाहिए। उन्होंने विपक्ष पर भी निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग पहले धनखड़ की आलोचना करते थे, आज वे सवाल उठा रहे हैं।

आदित्य इन्फोटेक का 1,300 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 जुलाई से खुलेगा

नई दिल्ली ।

वीडियो सुरक्षा उत्पादों के लिए प्रसिद्ध 'सीपी प्लस' ब्रांड की मूल कंपनी आदित्य इन्फोटेक अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) ला रही है। कंपनी का लक्ष्य इससे 1,300 करोड़ रुपये जुटाने का है। आईपीओ का प्राइस बैंड 640 से 675 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। यह निर्गम 29 जुलाई को खुलेगा और 31 जुलाई को बंद होगा। आईपीओ में 500 करोड़ के नए शेयर और 800 करोड़ की बिक्री पेशकश शामिल है। जुटाई गई राशि में से 375 करोड़ कर्ज चुकाने में और बाकी सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों में खर्च किए जाएंगे। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज और आईआईएफएल सिक्योरिटीज इस निर्गम के प्रमुख प्रबंधक हैं। कंपनी के शेयर 5 अगस्त 2025 को स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध हो सकते हैं। यह निर्गम निवेशकों के लिए सुरक्षा तकनीक क्षेत्र में हिस्सेदारी का एक अच्छा अवसर हो सकता है।

संक्षिप्त

आर्यन और लिखित विश्व तैराकी चैंपियनशिप में आगे बढ़ने में नाकाम

सिंगापुर, एजेंसी। भारतीय तैराक आर्यन नेहरा रविवार को यहां विश्व एक्वाटिक्स चैंपियनशिप में फाइनल के लिए क्वालीफाई करने से चूक गए जबकि एसपी लिखित भी अपनी स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे। पुरुषों के 400 मीटर फ्रीस्टाइल वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर रहे नेहरा चार मिनट 00.39 सेकेंड के समय के साथ अपनी हीट (शुरुआती दौर की रेस) में सातवें और कुल मिलाकर 37वें स्थान पर रहे। शीर्ष आठ तैराक फाइनल में पहुंचे। ऑस्ट्रेलिया के सैमुअल शॉर्ट ने तीन मिनट 42.07 सेकेंड के सबसे कम समय के साथ हीट में शीर्ष स्थान हासिल किया। दूसरी ओर लिखित ने पुरुषों की 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक स्पर्धा में एक मिनट 1.99 सेकेंड का समय लेकर कुल मिलाकर 40वां स्थान हासिल किया। शीर्ष 16 तैराकों ने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया। तुर्की के नुसरत अल्लाहवर्दी एक मिनट 1.11 सेकेंड के समय के साथ हीट में सबसे तेज तैराक रहे।

यूपीओए पेश करेगा नेशनल यूथ गेम्स के लिए दावेदारी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन (यूपीओए) ने उत्तर प्रदेश में नेशनल यूथ गेम्स के पहले संस्करण की मेज़बानी के लिए कमर कस ली है।

एसोसिएशन के महासचिव डा. आनन्देश्वर पाण्डेय ने रविवार को आयोजित वार्षिक साधारण सभा के बाद यह जानकारी देते हुए कहा कि आयोजन की कार्ययोजना तैयार कर भारतीय ओलंपिक संघ को इस बारे में प्रस्ताव भेजा जाएगा।

बैठक की अध्यक्षता एसोसिएशन के चेयरमैन बृजेश पाठक (उपमुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश) ने की। उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सूचीबद्ध खेलों के उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सूची बनाकर उनकी ज़रूरतों को समझा जाए और आवश्यक सहयोग सुनिश्चित किया जाए। डा. पाण्डेय ने कहा " नेशनल यूथ गेम्स का आयोजन उत्तर प्रदेश में कराने के लिए हम दावेदारी करेंगे।

आईटीबीपी ने कार्बी आंगलोंग मॉर्निंग स्टार को हराया

कोकराझार, एजेंसी। डूरंड कप में पदार्पण कर रही इंडो तिब्बतन बॉर्डर पुलिस (आईटीबीपी) एफटी ने 134वें इंडियन ऑयल डूरंड कप के ग्रुप डी के पहले मैच में दस पुरुषों वाली कार्बी आंगलोंग मॉर्निंग स्टार एफसी को 2-1 से हरा दिया। यह मैच यहां साई स्टेडियम में खेला गया। लुनमिनलेन हाओकिप ने कार्बी आंगलोंग मॉर्निंग स्टार एफसी को बढ़त दिलाई, लेकिन पुलुंग डायमरी और हेमराज भुजेल के गोलों ने अर्धसैनिक बल को जीत और तीन महत्वपूर्ण अंक दिलाए।

इटली ने पोलैंड को हराकर महिला वीएनएल के फाइनल में प्रवेश किया

वारसॉ, एजेंसी। मौजूदा चैंपियन इटली ने शनिवार को 2025 एफआईवीबी महिला वॉलीबॉल नेशंस लीग (वीएनएल) के सेमीफाइनल में मेजबान पोलैंड पर सीधे सेटों में शानदार जीत के साथ अपनी जीत का सिलसिला 28 मैचों तक बढ़ा दिया। अनुभवी कोच जूलियो वेलास्को के नेतृत्व में, इटली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हर सांख्यिकीय वर्ग में पोलैंड को पछाड़ दिया। गत चैंपियन ने पोलैंड के 30 किल के मुकाबले 51 किल दर्ज किए और मेजबान टीम के छह ब्लॉकों के मुकाबले 11 ब्लॉक दर्ज किए। टीम की कप्तान और मिडिल ब्लॉकर अन्ना दानेसी ने नेट पर सभी खिलाड़ियों का नेतृत्व करते हुए पांच ब्लॉक लगाए। पाओला एगोनू ने एक बार फिर इटली के आक्रमण का नेतृत्व किया और मैच में सर्वाधिक 17 अंक बनाए, जिसमें 15 किल, एक ब्लॉक और एक ऐस शामिल हैं। आउटसाइड हिटर एलिस डेग्राडी ने 13 अंक बनाए, जबकि मिडल ब्लॉकर एग्निस्का कोर्नेलुक ने 11 अंकों के साथ पोलैंड का नेतृत्व किया।

टेस्ट इतिहास में सिर्फ दूसरी बार विदेशी सरजमीं पर भारतीय बल्लेबाजों ने किया यह कारनामा

एक ही टेस्ट सीरीज में दो बल्लेबाजों ने 500+ रन बनाए

रिकॉर्ड

- **गिल ने चार मुकाबलों की आठ पारियों में 99.57 की औसत के साथ 697 रन बनाए**
- **केएल राहुल चार मुकाबलों की आठ पारियों में 72.57 की औसत के साथ 508 रन बनाए**

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर में टेस्ट सीरीज का चौथा मैच जारी है, जिसमें एक अनूठा कारनामा दोहराया गया। टेस्ट इतिहास में ऐसा दूसरी बार हुआ, जब विदेशी सरजमीं पर एक ही टेस्ट सीरीज में दो भारतीय बल्लेबाजों ने 500+ रन बनाए।

इंग्लैंड के विरुद्ध इस टेस्ट सीरीज में शुभमन गिल ने चार मुकाबलों की आठ पारियों में 99.57 की औसत के साथ 697 रन बनाए हैं। वहीं, दूसरी तरफ केएल राहुल चार मुकाबलों की आठ पारियों में 72.57 की औसत के साथ 508 रन जोड़ चुके हैं। यह दोनों ही बल्लेबाज चौथे दिन की समाप्ति तक नाबाद थे।

पहली बार यह कारनामा भारतीय बल्लेबाजों ने वेस्टइंडीज की सरजमीं पर 1970-71 में खेली गई टेस्ट सीरीज में किया था। सुनील गावस्कर ने उस सीरीज में 774 रन बनाए थे, जबकि दिलीप सरदेसाई ने 642 रन जोड़े।

मैनचेस्टर में जारी टेस्ट मुकाबले की बात करें, तो टॉस हारकर बल्लेबाजी के लिए उतरी भारतीय टीम पहली पारी में 358 रन बना सकी। यशस्वी जायसवाल ने 58, जबकि साई सुदर्शन ने 61 रन बनाए। इनके अलावा ऋषभ पंत ने 54 रन की जुझारू पारी खेली।

मेजबान टीम की ओर से बेन स्टोक्स ने सर्वाधिक पांच शिकार किए, जबकि जोफ्रा आर्चर ने तीन विकेट चटकाए।

इसके जवाब में इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 669 रन बनाते हुए 311 रन की बढ़त हासिल कर ली। इंग्लैंड के लिए जो रूट ने 150, जबकि कप्तान बेन स्टोक्स ने 141 रन जोड़े। भारत की ओर से रवींद्र जडेजा सर्वाधिक चार शिकार करने वाले गेंदबाज रहे।

चौथे दिन की समाप्ति तक भारत ने अपनी दूसरी पारी में दो विकेट खोकर 174 रन बना लिए हैं। फिलहाल भारत 137 रन से पीछे है। मेहमान टीम पहले ही ओवर में यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन का विकेट गंवा चुकी थी। उस समय तक टीम इंडिया का खाता तक नहीं खुला था।

यहां से केएल राहुल ने कप्तान शुभमन गिल के साथ तीसरे विकेट के लिए 174 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को संभाल लिया। फिलहाल, केएल राहुल 87, जबकि गिल 78 रन अपने-अपने खाते में जोड़ चुके हैं।

मोईन अली ने बताया शुभमन गिल को भविष्य का मजबूत कप्तान

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोईन अली का मानना है कि भारत के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल भविष्य में एक बहुत ही शानदार कप्तान के रूप में उभर सकते हैं। मोईन के मुताबिक गिल ने न सिर्फ बल्ले से बेहतरीन प्रदर्शन किया, बल्कि मैदान पर अपने आक्रामक रवैये और नेतृत्व कौशल से यह साबित भी कर दिया है कि उनमें नेतृत्व की पूरी क्षमता है। इंग्लैंड दौरे के दौरान गिल ने लगातार शानदार पारियां खेलीं, जिससे न सिर्फ भारत को मजबूती मिली बल्कि उन्होंने खुद को भी एक मैच विनर के तौर पर स्थापित किया। मोईन अली ने कहा कि गिल बल्ले से आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व कर रहे हैं और एक भारतीय कप्तान के लिए यह बहुत जरूरी गुण है। गिल ने इस सीरीज में कई बार इंग्लैंड के गेंदबाजों को मुश्किल में डाला, खासकर लीड्स और बर्मिंघम में। उन्होंने दो टेस्ट में तीन शतक लगाए, जिनमें एक 269 रनों की पारी भी शामिल रही, जो उनके करियर की अब तक की सर्वश्रेष्ठ पारी थी। इन दो मैचों में उन्होंने कुल 458 रन बनाए, जो उनके आत्मविश्वास और निरंतरता को दर्शाता है। तीसरे टेस्ट में जब मुकाबला थोड़ा तनावपूर्ण हुआ, तो गिल उस माहौल के केंद्र में नजर आए। इंग्लैंड और भारत के खिलाड़ियों के बीच तीखी जुबानी जंग हुई, जिसमें गिल ने आक्रामक अंदाज में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मोईन अली के मुताबिक इस तरह का मुकाबला लंबे समय से टेस्ट क्रिकेट में देखने को नहीं मिला था। उन्होंने कहा कि यह सीरीज मनोरंजक, आक्रामक और सम्मानजनक खेल का बेहतरीन उदाहरण रही है। उनके अनुसार दोनों टीमें युवा हैं, प्रतिभाशाली हैं और मैदान पर कड़ी मेहनत कर रही हैं। मोईन को लगता है कि शुभमन गिल जैसे युवा खिलाड़ी न केवल क्रिकेट के भविष्य हैं बल्कि भारतीय टीम का नेतृत्व भी मजबूत हाथों में होगा।

आर्सेनल ने स्ट्राइकर विक्टर ग्योकरेस के साथ 5 साल का करार किया

लंदन, एजेंसी। आर्सेनल ने स्वीडिश स्ट्राइकर विक्टर ग्योकरेस को स्पोर्टिंग लिस्बन से 55 मिलियन पाउंड (लगभग 74 मिलियन अमेरिकी डॉलर) में साइन कर लिया है, जिसमें 8.5 मिलियन पाउंड तक का इनसेंटिव्स भी शामिल हो सकता है।

ग्योकरेस ने शनिवार को मेडिकल टेस्ट पास करने के बाद लंदन स्थित क्लब के साथ पांच साल का अनुबंध किया है। अब वह सिंगापुर में अपनी नई टीम के साथ जुड़ेंगे। स्पोर्टिंग के साथ अपने दो सीजन के दौरान, विक्टर ग्योकेरेस ने टीम को लगातार दो प्राइमेरा लीगा खिताब, एक नेशनल कप जिताने में मदद की और दोनों सीजन में लीग के टॉप स्कोरर भी रहे। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वीडन के लिए अपने पिछले 17 मैचों में 12 गोल किए हैं।

27 वर्षीय ग्योकेरेस ने पिछले सीजन पुर्तगाल लीग में 39 गोल किए। उन्होंने कहा, "मुझे बस यही लगा कि यह क्लब मेरे लिए बिल्कुल सही है। ग्योकेरेस ने बताया कि पिछले नवंबर में यूईएफए चैंपियंस लीग में आर्सेनल के हाथों अपनी टीम की 5-1 से हार उनके फैसले में एक बड़ा कारण बनी।

उन्होंने कहा, "जब मैं पिछले सीजन में आर्सेनल के खिलाफ खेल रहा था, तो मुझे अहसास हुआ कि यह एक बहुत ही मजबूत टीम है। इसके खिलाफ खेलना बहुत मुश्किल है। यही वजह रही कि मैंने आर्सेनल को चुना। यकीनन क्लब का समृद्ध इतिहास और इसके विशाल फैनबेस ने भी मुझे आकर्षित किया। आर्सेनल के कोच मिकेल आर्टेटा ने अपने इस स्ट्राइकर का स्वागत करते हुए कहा, "विक्टर में कई खूबियां हैं। वह तेज और ताकतवर फॉरवर्ड हैं, जिनका क्लब और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गोल करने का रिकॉर्ड शानदार रहा है। वह मौकों को गोल में बदलने की अद्भुत क्षमता रखते हैं।"

आर्सेनल इस ग्रीष्म ऋतु के ट्रांसफर मार्केट में काफी सक्रिय रहा है। इस टीम ने स्पेन के अंतर्राष्ट्रीय मिडफील्डर मार्टिन जुबीमेंडी, ब्रेंटफोर्ड से क्रिश्चियन नॉरगार्ड, चेल्सी के जोड़ीदार केपा अरियाजाबलागा और नोनी मडुएके और वेलेंसिया के स्पेन अंडर-21 डिफेंडर क्रिश्चियन मोस्केरा जैसे खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ा है।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को तीन विकेट से हराया

टी20 सीरीज

- **कैमरन ग्रीन, जोश इंग्लिस और ग्लेन मैक्सवेल की पारियों के दम पर मेजबान विंडीज को तीन विकेट से हराया**

बासटेयर, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने एक बार फिर अपना तूफानी खेल दिखाते हुए वेस्टइंडीज को उसके घर में चौथे टी20 में भी पटखनी दे दी। सेंट किट्स के वार्नर पार्क मैदान पर खेले गए मैच में ऑस्ट्रेलिया ने कैमरन ग्रीन, जोश इंग्लिस और ग्लेन मैक्सवेल की पारियों के दम पर मेजबान विंडीज को तीन विकेट से हरा दिया। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट खोकर 205 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया ने ये टारगेट सात विकेट खोकर हासिल कर लिया।

ग्रीन ने 35 गेंदों पर तीन चौके और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 55 रन बनाए। इंग्लिस ने 30 गेंदों पर 51 रनों की पारी खेली जिसमें 10 चौके और एक छक्का शामिल रहा। इस सीरीज में ओपनर की जिम्मेदारी निभा रहे ग्लेन मैक्सवेल ने 18 गेंदो पर एक चौके और छह छक्कों के दम पर 47 रनों की पारी खेल जीत की नींव रख दी थी।

मैक्सवेल की पारी ने विंडीज टीम जीत के सपने को चकनाचूर करना शुरू किया जो उसने मिचेल मार्श को दूसरी ही गेंद पर बिना खाता खोले आउट करने पर देखना शुरू किया था। मैक्सवेल का पूरा साथ दिया इंग्लिस ने। मैक्सवेल जब चलते हैं तो दूसरा बल्लेबाज सिर्फ देखता है और इस ऐसा नहीं हुआ। इंग्लिस बल्ला चला रहे थे और मैक्सवेल देख रहे थे। 66 के कुल स्कोर पर इंग्लिस आउट हो गए जब मैक्सवेल 15 रनों पर थे।

यहां से फिर मैक्सवेल ने अपनी तूफानी बैटिंग शुरू की। 129 के कुल स्कोर तक वह टीम को ले गए। ब्लैड्स की एक गेंद ने उनको अर्धशतक पूरा नहीं करने दिया। उनके जाने के छह रन बाद मिचेल ओवन दो रन बनाकर आउट हो गए। ओवन तब आए थे जब इंग्लिस आउट हुए और वह मैक्सवेल के आउट होने के बाद पवेलियन लौटे। इससे समझा जा सकता है कि जब मैक्सवेल बैटिंग कर रहे थे तब वह सिर्फ देख रहे थे। मैक्सवेल के जाने के बाद ग्रीन ने तूफान मचाया और नाबाद रहते हुए टीम को जीत दिलाई।

वहीं वेस्टइंडीज की तरफ से एक भी अर्धशतक नहीं लगा। कप्तान शै होप और ब्रेंडन किंग ने टीम को तेज शुरुआत दी लेकिन इसे ज्यादा देर जारी नहीं रख सके। दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर ब्रेंडन किंग 23 रनों के कुल स्कोर पर आउट हो गए। चौथे ओवर की पहली गेंद पर होप भी पवेलियन लौट गए। किंग ने 18 और होप 10 रन बनाकर आउट हो गए। रोस्टन चेज बिना खाता खोले आउट हो गए।

वेस्टंडीज के बल्लेबाजों ने शुरुआत तो की लेकिन उसे बड़े स्कोर में बदल नहीं सके। हालांकि, उनकी ये शुरुआत ही टीम को 200 के पार ले जाने में सफल रही। टीम के लिए सबसे ज्यादा 31 रन शेरफेन रदरफोर्ड ने बनाए। रोवमैन पावेल और रोमारियो शेफर्ड ने भी 28-28 रनों का योगदान दिया। जेसन होल्डर ने 26 रनों की पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से एडम जैम्पा ने तीन विकेट अपने नाम किए।

दक्षिण अफ्रीका को 3 रन से हराकर न्यूजीलैंड ने जीती त्रिकोणीय टी20 सीरीज

हरारे, एजेंसी। आखिरी ओवर और जीत के लिए चाहिए मात्र 7 रन और हाथ में हों 6 विकेट। क्रीज पर सेट बल्लेबाज मौजूद है और फिर भी टीम फाइनल मुकाबला 3 रन से हार जाती है। जी आप सही पढ़ रहे हैं। ऐसा ही हुआ वो भी साउथ अफ्रीका के साथ। जिम्बाब्वे में खेली गई टी20 ट्राई सीरीज के फाइनल में न्यूजीलैंड ने ये चमत्कार किया। हरारे में न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के बीच टी20 ट्राई सीरीज का फाइनल खेला गया। न्यूजीलैंड ने साउथ अफ्रीका को तीन रन से हराकर खिताब जीता। इस सांस रोक देने वाले मैच में मैट हेनरी ने अपनी नब्ज पर काबू रखा और साउथ अफ्रीका को आखिरी ओवर में 7 रन नहीं बनाने दिए।

फाइनल मैच में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। न्यूजीलैंड की तरफ से सीफर्ट और कॉनवे ने बेहतरीन शुरुआत की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 75 रन जोड़े। सीफर्ट 30 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कॉनवे 47 रन बनाकर 101 के स्कोर पर आउट हुए। रचिन रवींद्र ने 47 रन बनाकर टीम का स्कोर 170 के पार पहुंचा दिया। डेरिल मिचेल ने नाबाद 16 रन बनाए। न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 180 रन बनाए। साउथ अफ्रीका की बैटिंग लाइन-अप को देखते हुए यह स्कोर छोटा दिखा रहा था।

खैर, टीम लक्ष्य का पीछा करने उतरती है। प्रीटोरियस और हेंड्रिक्स के बीच पहले विकेट के लिए 92 रन की साझेदारी होती है। ड्रे प्रीटोरियस 51 रन बनाकर आउट हुए। लग रहा था मैच साउथ अफ्रीका की मुट्ठी में है। लेकिन, हेंड्रिक्स भी जल्द ही 37 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

इसके बाद अफ्रीका ने 131 के स्कोर पर दो विकेट गंवा दिए। यहां से मैच में न्यूजीलैंड ने वापसी कर ली। हालांकि, डेवाल्ड ब्रेविस ने कुछ बाउंड्री लगाकर साउथ अफ्रीका को वापसी करने का मौका दिया। अब आखिरी ओवर में अफ्रीका को जीत के लिए 7 रन चाहिए थे। क्रीज पर सेट बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस मौजूद थे और अफ्रीका के हाथ में 6 विकेट थी।

सेंटनर ने मैट हेनरी को गेंद सौंपी। पहली गेंद पर ब्रेविस कोई रन नहीं बना सके। दूसरी गेंद पर ब्रेविस बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में कैच आउट हो गए। तीसरी गेंद पर कॉर्बिन बॉश ने दो रन लिए।

कुलदीप को बल्लेबाजी संतुलन की भेंट चढ़ा रहे चयनकर्ता: मोर्कल

नई दिल्ली, एजेंसी। मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान जब इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजी की धज्जियां उड़ाईं, तब हर किसी को स्पिनर कुलदीप यादव की कमी खली। सीरीज में अब तक एक भी मैच न खेलने वाले कुलदीप की चर्चा हर मुकाबले से पहले होती है, लेकिन टीम चयन में उन्हें लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में तीन मैचों के बाद भारत 2-1 से पीछे है और चौथे टेस्ट में इंग्लैंड ने पहली पारी में 544 रन ठोक डाले, जिससे कुलदीप की गैरमौजूदगी पर सवाल और भी तेज हो गए। तीसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने कुलदीप को न खिलाने की असल वजह स्पष्ट की। मोर्कल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि टीम प्रबंधन गेंदबाजी से ज्यादा बल्लेबाजी लाइन-अप को मजबूत करने पर ध्यान दे रहा है। उनका कहना था कि टीम ने पिछले मैचों में कई बार बल्लेबाजी में जल्दी विकेट गंवाए हैं, इसलिए संतुलन बनाए रखने के लिए लंबे बल्लेबाजी क्रम की जरूरत महसूस की गई। उन्होंने माना कि कुलदीप विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं और शानदार फॉर्म में हैं, लेकिन फिलहाल टीम संयोजन में उन्हें फिट कर पाना मुश्किल हो रहा है।

प्रतिक्रिया | **शुभमन गिल को अंतिम एकादश चुनने में शायद अंतिम फैसला लेने का अधिकार नहीं था**

गिल शायद शारदुल को नहीं, कुलदीप को खिलाना चाहते थे : सुनील गावस्कर

मैनचेस्टर, एजेंसी। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि शुभमन गिल को अंतिम एकादश चुनने में शायद अंतिम फैसला लेने का अधिकार नहीं था। उनका कहना है कि यह फैसला पूरी तरह से कप्तान का होना चाहिए और मुख्य कोच सहित किसी और का इस पर प्रभाव नहीं होना चाहिए।

बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को लगातार टीम में नहीं चुने जाने पर तीखी बहस छिड़ गई है, विशेषकर जो रूट के मौजूदा चौथे टेस्ट में रिकॉर्ड शतक के बाद जहां वह रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट में दूसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। रूट के नाम अब 13,409 रन हैं और केवल सचिन तेंदुलकर (15,291 रन) उनसे आगे हैं।

गावस्कर ने सोनी स्पोर्ट्स पर कहा, "आखिरकार, यह कप्तान की टीम होती है।" उन्होंने आगे कहा, "हो सकता है कि शुभमन शारदुल को टीम में नहीं चाहते थे और कुलदीप को चाहते थे।" रूट को 2018 में मैनचेस्टर और लॉर्ड्स में दो सीमित ओवरों के मैच तीन गेंद पर दो बार आउट करने के बावजूद कुलदीप अब तक पूरी टेस्ट श्रृंखला में बाहर रहे हैं। आम धारणा यह है कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ऐसे गेंदबाजों पर जोर दिया है जो बल्ले से योगदान दे सकें, विशेषकर हेडिंग्ले टेस्ट में भारत के तीन विकेट पर 430 रन बनाने के बावजूद अगले 11 ओवर में 471 पर ऑल आउट होने के बाद।

गावस्कर का मानना था कि कुलदीप को एकादश का हिस्सा होना चाहिए था। उन्होंने कहा, "उसे टीम में वह मिलना चाहिए था। वह कप्तान है। लोग उसके और उसकी कप्तानी के बारे में बात करेंगे। इसलिए यह फैसला असल में उसका ही होना चाहिए।" पूर्व भारतीय कप्तान का यह भी मानना था कि आंतरिक मतभेदों या चयन के मुद्दों को जानबूझकर छुपाया जा सकता है जिससे यह दिखाया जा सके कि ड्रेसिंग रूम में 'सब कुछ ठीक है'।

गावस्कर ने कहा, "मुझे पता है कि सब कुछ ठीक-ठाक दिखाने के लिए ये बातें शायद सामने न आएं। सच तो यह है कि कप्तान जिम्मेदार है। वही एकादश का नेतृत्व करेगा। यह सामान्य सी बात है।" गावस्कर ने कहा कि उनके कप्तानी कार्यकाल में चीजें अलग तरह से होती थीं, जब टीम का चयन पूरी तरह से कप्तान का विशेषाधिकार होता था और कोच की अवधारणा ही नहीं थी क्योंकि सब कुछ मैनेजर और सहायक मैनेजरों के बारे में था।

उन्होंने कहा, "हमारे पास कोच नहीं थे। हमारे पास सिर्फ पूर्व खिलाड़ी ही टीम के मैनेजर या सहायक मैनेजर हुआ करते थे। वे ऐसे लोग थे जिनके पास जाकर आप बात कर सकते थे, वे आपको लंच के समय, दिन के खेल के अंत में या मैच की पूर्व संध्या पर सलाह देते थे।" गावस्कर ने कहा, "इसलिए मेरे लिए कप्तान और कोच के संयोजन को समझना मुश्किल है। जब मैं कप्तान था तब हमारे पास कोई भी पूर्व खिलाड़ी नहीं था।"

भारत ने अब तक शुरुआती और मौजूदा चौथे टेस्ट में तेज गेंदबाजी करने वाले ऑलराउंडर शारदुल को चुना है जबकि दूसरे और तीसरे मैच में नितीश कुमार रेड्डी एकादश का हिस्सा थे। हालांकि इनका गेंदबाजी योगदान न्यूनतम रहा है। शारदुल ने तीन पारियों में सिर्फ 27 ओवर फेंके हैं और दो विकेट लिए हैं जबकि रेड्डी ने दो मैच में 28 ओवर फेंके हैं और दो विकेट चटकाए। शारदुल ने एक, चार और 41 रन बनाए हैं, जबकि रेड्डी ने एक, एक, 30 और 13 रन की पारियां खेलीं।

साहसिक गतिविधियों और सांस्कृतिक धरोहरों के लिए प्रसिद्ध हैं कुल्लू और मनाली

कुल्लू को फ़देवताओं की घाटीफ़ के नाम से जाना जाता है। यहाँ का वातावरण शांत, प्राकृतिक और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर होता है। कुल्लू अपने मंदिरों, उत्सवों और हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध है। व्यास नदी के किनारे बसे ये स्थान हर साल लाखों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

कुल्लू और मनाली, हिमाचल प्रदेश के दो अत्यंत लोकप्रिय पर्वतीय स्थल हैं, जो प्राकृतिक सौंदर्य, साहसिक गतिविधियों और सांस्कृतिक धरोहरों के लिए प्रसिद्ध हैं। व्यास नदी के किनारे बसे ये स्थान हर साल लाखों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। बर्फ से ढकी चोटियाँ, हरे-भरे जंगल, सुंदर घाटियाँ और शांत वातावरण इन स्थलों को किसी स्वर्ग से कम नहीं बनाते।

कुल्लू – देवताओं की घाटी

कुल्लू को फ़देवताओं की घाटीफ़ के नाम से जाना जाता है। यहाँ का वातावरण शांत, प्राकृतिक और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर होता है। कुल्लू अपने मंदिरों, उत्सवों और हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध है।

प्रमुख आकर्षण :

रघुनाथ मंदिर– यह कुल्लू का सबसे प्रसिद्ध मंदिर है, जिसे भगवान राम को समर्पित किया गया है।

कुल्लू दशहरा– यहाँ का दशहरा उत्सव विश्व प्रसिद्ध है, जिसमें हज़ारों लोग भाग लेते हैं और अलग-अलग देवताओं की झांकियाँ निकाली जाती हैं।

बिजली महादेव मंदिर– एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित यह मंदिर प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक भावना का संगम है।

मनाली– साहसिक यात्रियों का स्वर्ग

कुल्लू से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित मनाली एक खूबसूरत हिल स्टेशन है, जो विशेष रूप से नवविवाहित जोड़ों, ट्रेकिंग और स्कीइंग के शौकीनों के बीच लोकप्रिय है।

प्रमुख आकर्षण :

हिडिम्बा देवी मंदिर– यह मंदिर अद्वितीय वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है और पांडवों की पत्नी हिडिम्बा को समर्पित है।

सोलंग वैली– स्कीइंग, पैराग्लाइडिंग, ज़िपलाइनिंग और स्नोबोर्डिंग जैसी गतिविधियों के लिए आदर्श स्थान।

रोहतांग पास– यह ऊँचाई पर स्थित दर्रा साल के अधिकतर हिस्सों में बर्फ से ढका रहता है और हिमाचल का सबसे आकर्षक स्थान माना जाता है।

वशिष्ठ कुंड– यहाँ के गर्म पानी के स्रोत प्राकृतिक औषधीय गुणों के लिए प्रसिद्ध हैं।

कुल्लू-मनाली में करने योग्य गतिविधियाँ

रिवर राफ्टिंग (ब्यास नदी में)

ट्रेकिंग (हामटा पास, बीजली महादेव, भृगु झील ट्रेक)

कैंपिंग और बोनफायर

लोक-संगीत और नृत्य का आनंद

हस्तशिल्प, ऊनी कपड़े और लकड़ी के सामान की खरीदारी

यात्रा की उत्तम अवधि

मार्च से जून के बीच का समय गर्मियों की छुट्टियों के लिए सबसे अच्छा है, जबकि दिसंबर से फरवरी तक बर्फबारी और विंटर स्पोर्ट्स का आनंद लिया जा सकता है। मानसून के समय (जुलाई-अगस्त) यात्रा से बचना बेहतर होता है।

कैसे पहुँचे ?

हवाई मार्ग : निकटतम हवाई अड्डा भुंतर (कुल्लू) है, जो मनाली से लगभग 50 किमी दूर है।

सड़क मार्ग : दिल्ली, चंडीगढ़ और शिमला से नियमित बस और टैक्सी सेवा उपलब्ध है।

रेल मार्ग : नजदीकी रेलवे स्टेशन जोगिंदरनगर है, हालांकि चंडीगढ़ से सड़क मार्ग अधिक सुविधाजनक है।

कुल्लू-मनाली केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि एक अनुभव है– प्रकृति, रोमांच, आध्यात्मिकता और संस्कृति का अनोखा संगम। चाहे आप सुकून भरे पल बिताना चाहें या साहसिक गतिविधियों का लुत्फ उठाना, यह स्थल हर तरह से आपको संतुष्टि प्रदान करेगा।

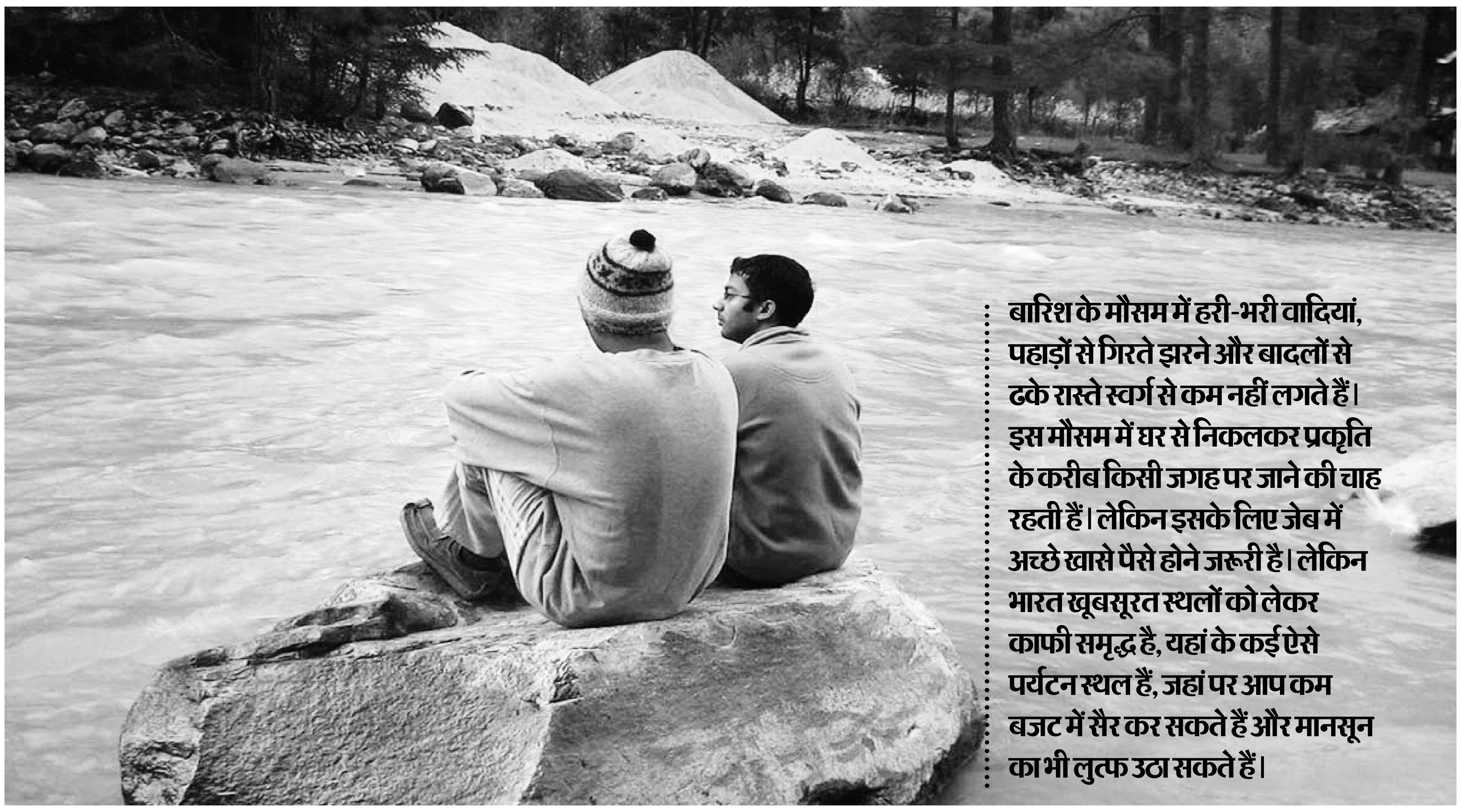

बारिश के मौसम में हरी-भरी वादियां, पहाड़ों से गिरते झरने और बादलों से ढके रास्ते स्वर्ग से कम नहीं लगते हैं। इस मौसम में घर से निकलकर प्रकृति के करीब किसी जगह पर जाने की चाह रहती हैं। लेकिन इसके लिए जेब में अच्छे खासे पैसे होने जरूरी है। लेकिन भारत खूबसूरत स्थलों को लेकर काफी समृद्ध है, यहां के कई ऐसे पर्यटन स्थल हैं, जहां पर आप कम बजट में सैर कर सकते हैं और मानसून का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

पहाड़ों से गिरते झरने और बादलों से ढके रास्ते स्वर्ग से कम नहीं लगते

ऐसे में अगर आपका बजट कम है, तो भी परेशान होने की जरूरत नहीं हैं। क्योंकि भारत में कई ऐसी खूबसूरत और फेमस जगहे हैं, जहां पर आप सिर्फ 5,000 रुपए में दिल खोलकर ट्रैवल कर सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको लो-बजट मानसून डेस्टिनेशंस के बारे में बताने जा रहे हैं।

लैंसडाउन

आप जुलाई में उत्तराखंड के लैंसडाउन की यात्रा कर सकते हैं। हल्की बारिश के मौसम में यह जगह काफी सुहावनी हो सकती है। दिल्ली से लैंसडाउन की दूरी करीब 250 किमी है। आप यहां पर बस के जरिए पहुंच सकते हैं। बारिश के मौसम में यहां पर पर्यटक ताजी हवा का आनंद लेने आते हैं। मानसून में हरियाली और बादल का अद्भुत नजारा काफी मनमोहक हो जाता है।

टेहरी झील

उत्तराखंड के टिहरी झील घूमन के लिहाज से सबसे अच्छा समय जून से सितंबर और दिसंबर तक है। इस दौरान मौसम काफी सुहावना हो जाता है। झील के पानी में खेलने के साथ आप अन्य कई एक्टिविटी कर सकते हैं। यहां पर आप एडवेंचर्स ट्रिप कर सकते हैं। कैंपिंग, बोटिंग और लोकल खाने आदि को मिलाकर 5,000 रुपए तक का खर्च आएगा। बारिश में झील और पहाड़ों का मिलन दिल छू लेता है।

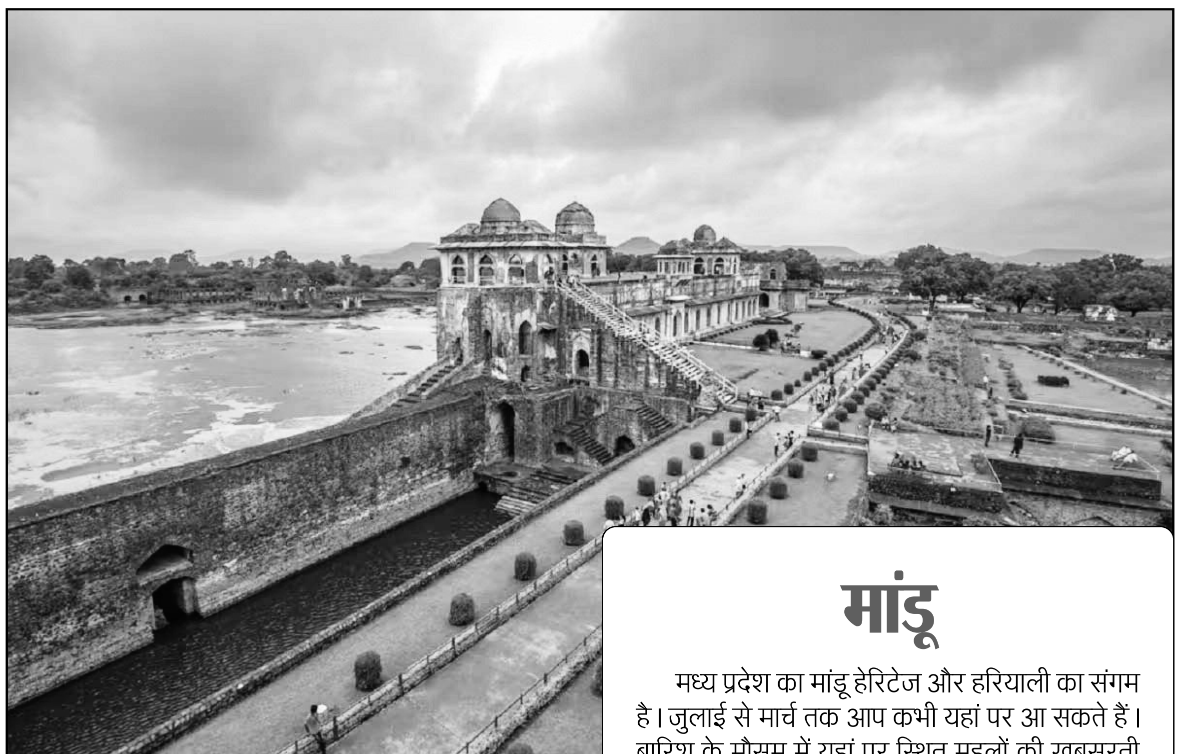

भीमताल

उत्तराखंड का नैनीताल हिल स्टेशन लोकप्रिय होने की वजह से यहां पर ज्यादा भीड़ होती है। लेकिन अगर आप भीड़भाड़ से दूर किसी सुकून वाली जगह की तलाश कर रहे हैं, तो आपको उत्तराखंड के भीमताल या नौकुचियाताल जाना चाहिए। यहां पर आपको नैनीताल से कम भीड़ और अधिक सुकून व शांति नजर आएगी। यहां पर आप झील किनारे बैठ सकते हैं, बोटिंग, ट्रैकिंग

और बारिश का मजा ले सकते हैं।

मांडू

मध्य प्रदेश का मांडू हेरिटेज और हरियाली का संगम है। जुलाई से मार्च तक आप कभी यहां पर आ सकते हैं। बारिश के मौसम में यहां पर स्थित महलों की खूबसूरती दोगुनी हो जाती है। दिल्ली या अधिकतर स्थानों से आप मांडू के लिए रेल यात्रा कर सकते हैं। होटल और होम स्टे के साथ स्थानीय भोजन आदि मिलाकर आप कुल 4,500 रुपए के अंदर पूरी कर सकते हैं।

चिखलदरा

महाराष्ट्र में मानसून में घूमने के लिए वैसे तो कई फेमस और लोकप्रिय जगहे हैं। लेकिन अगर आप कम पैसों में घूमने का लुत्फ उठाना चाहते हैं, तो चिखलदरा की सैर पर जा सकते हैं। मार्च से जून का महीना चिखलदरा घूमने के लिए बेस्ट है। चिखलदरा विदर्भ क्षेत्र का एकमात्र हिल स्टेशन है, जोकि अमरावती जिले में है। यहां पर मानसून में झरनों और कॉफी प्लांटेशन का बेहतरीन दृश्य देख सकते हैं।

सोनमर्ग प्रकृति की गोद में बसा ऐसा पर्यटन स्थल है, जहाँ हर कदम पर बिखारा है सौंदर्य

सोनमर्ग चारों ओर से बर्फ से ढकी ऊंची-ऊंची चोटियों, देवदार और चीड़ के घने जंगलों तथा कलकल बहती नदियों से घिरा हुआ है। यहाँ की सबसे प्रसिद्ध नदी है सिंध नदी, जो बर्फीले ग्लेशियरों से निकलती है और यहाँ के जीवन को जीवन्त बनाती है। जम्मू और कश्मीर राज्य के गंदरबल ज़िले में स्थित सोनमर्ग (जिसका अर्थ है सोने की घाटी) एक सुरम्य पर्यटन स्थल है, जो प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और रोमांचक गतिविधियों का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है। समुद्र तल से लगभग 2,800 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह जगह गर्मियों के मौसम में हरे-भरे घास के मैदानों और जाड़ों में बर्फीले चादरों से ढकी होती है।

प्राकृतिक सौंदर्य की अद्भुत झलक

सोनमर्ग चारों ओर से बर्फ से ढकी ऊंची-ऊंची चोटियों, देवदार और चीड़ के घने जंगलों तथा कलकल बहती नदियों से घिरा हुआ है। यहाँ की सबसे प्रसिद्ध नदी है सिंध नदी, जो बर्फीले ग्लेशियरों से निकलती है और यहाँ के जीवन को जीवन्त बनाती है।

प्रमुख आकर्षण स्थल

1. ठाजीवास ग्लेशियर

यह सोनमर्ग से लगभग 7 किलोमीटर दूर स्थित है और यहाँ का सबसे प्रमुख पर्यटन स्थल है। पर्यटक यहाँ घोड़ों पर सवारी करके जाते हैं और बर्फ में खेलते हैं। गर्मियों में भी यहाँ बर्फ देखने को मिलती है।

2. ज़ोजिला पास

यह दर्रा श्रीनगर को लेह-लद्दाख से जोड़ता है। साहसिक पर्यटकों के लिए यह स्थान बेहद रोमांचक है। यह रास्ता ऊँचा, घुमावदार और रोमांच से भरपूर होता है।

3. बालटाल

यह अमरनाथ यात्रा का प्रमुख पड़ाव है। सोनमर्ग से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित यह जगह अमरनाथ गुफा तक ट्रेकिंग के लिए जानी जाती है।

रोमांच और गतिविधियाँ

ट्रेकिंग : सोनमर्ग से कई खूबसूरत ट्रेक शुरू होते हैं, जैसे गंगाबल झील ट्रेक, किशनसर और विषनसर

झील ट्रेक आदि।

फिशिंग : सिंध नदी ट्राउट मछली पकड़ने के लिए प्रसिद्ध है।

कैम्पिंग : घास के मैदानों में टेंट लगाकर रात बिताने का अनुभव बेहद खास होता है।

प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग

सोनमर्ग उन लोगों के लिए आदर्श स्थान है जो भीड़भाड़ से दूर, शांतिपूर्ण वातावरण में प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेना चाहते हैं। फूलों से ढके मैदान, नीले आसमान के नीचे बर्फ से चमकते पहाड़, और पंछियों की मधुर चहचहाहट – यह सब किसी चित्रपटल जैसा लगता है।

कैसे पहुंचें

हवाई मार्ग : निकटतम हवाई अड्डा श्रीनगर (लगभग 80 किमी) है।

सड़क मार्ग : श्रीनगर से सोनमर्ग तक का सफर टैक्सी या बस से आसानी से किया जा सकता है। यात्रा के दौरान मनोहारी दृश्य मन मोह लेते हैं।

यात्रा का उपयुक्त समय – मई से सितंबर तक का समय सोनमर्ग घूमने के लिए सबसे अच्छा होता है। सर्दियों में भारी बर्फबारी के कारण रास्ते बंद हो सकते हैं, पर बर्फ प्रेमियों के लिए यह भी एक अनोखा अनुभव हो सकता है।

सोनमर्ग प्रकृति की गोद में बसा ऐसा पर्यटन स्थल है, जहाँ हर कदम पर सौंदर्य बिखरा है। चाहे आप रोमांच की तलाश में हों या शांति की, सोनमर्ग आपके हर सपने को साकार करता है। अगर आप वादियों के संगीत को सुनना चाहते हैं और स्वर्ग जैसी जगह का अनुभव करना चाहते हैं, तो सोनमर्ग आपके इंतजार में है।

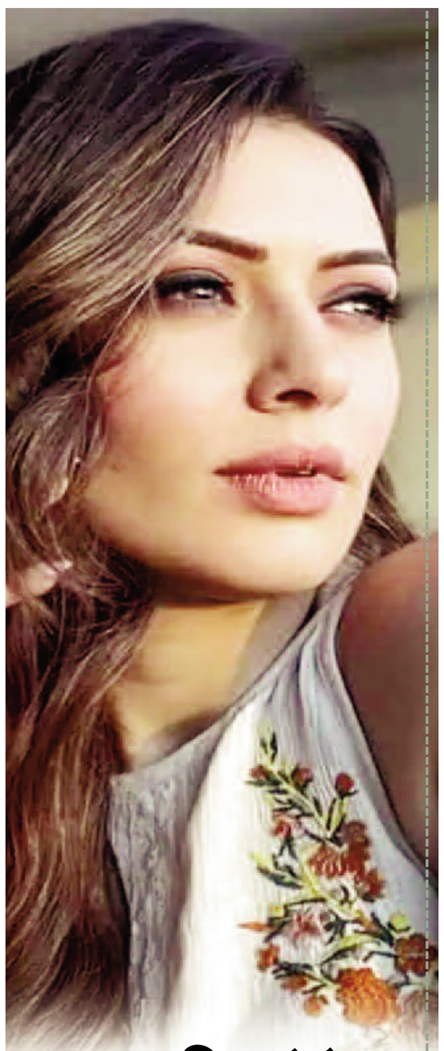

क्या पति सोहेल कथूरिया से तलाक ले रहीं हैं हंसिका मोटवानी?

मनोरंजन जगत की चर्चित अभिनेत्री हंसिका मोटवानी इस समय अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। एक्ट्रेस ने दो साल पहले बिजनेसमैन पति सोहेल कथूरिया से शादी की थी। पिछलों दिनों दोनों के रिश्तों के बीच में कड़वाहट की खबरें आई थीं और तलाक की भी अटकलें लग रही थीं। साथ ही दोनों के अलग-अलग रहने की भी बात सामने आई थी। अब इस मामले पर अभिनेत्री के पति ने चुप्पी तोड़ते हुए जवाब दिया है। आइए जानते हैं कि उन्होंने क्या बताया।

क्या सचमुच दोनों हुए अलग?

हंसिका मोटवानी के पति सोहेल कथूरिया ने तलाक की अफवाहों को खारिज करते हुए कहा, 'यह सच नहीं है।' लेकिन एक्ट्रेस के पति ने दोनों के अलग रहने की अफवाहों पर कोई जवाब नहीं दिया, जिससे कई सवाल अभी भी बने हुए हैं।

क्या है पूरा मामला?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कहा गया कि अभिनेत्री हंसिका मोटवानी अपनी मां के साथ रहने लगी हैं, जबकि उनके पति फिलहाल अपने माता-पिता के साथ रह रहे हैं। इसके साथ ही रिपोर्ट्स में बताया गया कि जब दिसंबर 2022 में दोनों की शादी हुई थी तो वे शुरुआत में साथ रहते थे। हालांकि, बाद में दोनों के बीच सामंजस्य ना होने के कारण दोनों उसी बिल्डिंग के अलग-अलग अपार्टमेंट में रहने लगे। इसके बाद भी दोनों के बीच की नाराजगी नहीं ठीक हो पाई। इस जोड़े ने 4 दिसंबर, 2022 में जयपुर में शादी की थी।

हंसिका मोटवानी का वर्कफ्रंट

हंसिका मोटवानी ने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। उस शो का नाम था 'शका लका बूम बूम'। इसके अलावा वह सिंघम 2 (तमिल), बोगन, आंबाला जैसी साउथ फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं।

एटली की फिल्म में अल्लू अर्जुन निभाएंगे मल्टीपल रोल

दीपिका, जाह्नवी, रश्मिका और मृणाल संग बनेगी जोड़ी

पैन इंडिया स्टार अल्लू अर्जुन और एटली इस वक्त फिल्म AA22×A6 पर काम कर रहे हैं। ये फिल्म मच अवेटेड होने के साथ अपनी हाईप्रोफाइल स्टारकास्ट की वजह से सुर्खियों में है। इसमें अल्लू अर्जुन के साथ दीपिका पादुकोण, जाह्नवी कपूर, रश्मिका मंदाना और मृणाल ठाकुर नजर आएंगी। लेटेस्ट मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अल्लू अर्जुन एटली की इस फिल्म में मल्टीप्ल रोल में नजर आएंगे। ये पहली बार होगा, जब पुष्पा स्टार एक साथ कई किरदार निभाएंगे। फिल्म में एक्टर पूरे परिवार का किरदार निभाते नजर आएंगे। सूत्र के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है, अल्लू एटली की अगली फिल्म में अपने पूरे परिवार का किरदार निभा रहे हैं। वह फिल्म में दादा, पिता और दो बेटों का किरदार करते नजर आएंगे। यह उनके करियर की पहली मल्टीप्ल रोल वाली फिल्म होगी। सूत्र ने बताया है कि अल्लू ने खुद ही चारों किरदार निभाने पर जोर दिया। एक्टर के कहने पर पहले तो एटली थोड़ा हिचकिचाए, लेकिन लुक टेस्ट के बाद उन्हें लगा कि यह फिल्म के लिए फायदेमंद रहेगा। दर्शकों को एक टिकट की कीमत पर अल्लू अर्जुन के 4 अलग-अलग अवतार देखने को मिलेंगे। फिल्म का एक और बड़ा हाईलाइट रश्मिका मंदाना का किरदार होगा। 'पुष्पा- द राइज' और 'पुष्पा 2- द रूल' में अल्लू अर्जुन के अपोजिट दिखीं रश्मिका AA22×A6 में निगेटिव रोल में नजर आएंगी। ये भी पहली बार होगा, जब ऑडियंस रश्मिका को निगेटिव किरदार में देखेगी। विलेन के रूप में, रश्मिका अल्लू अर्जुन, दीपिका, जाह्नवी और मृणाल के साथ मुकाबला करेंगी।

फिर साथ दिखेगी कंगना रनौत और आर माधवन की हिट जोड़ी

फिल्म तनु वेड्स मनु और उसके सीक्वल तनु वेड्स मनु रिटर्न्स में जबरदस्त केमिस्ट्री दिखा चुके कंगना रनौत और आर माधवन अब एक बार फिर पर्दे पर साथ नजर आने को तैयार हैं। इस बार ये जोड़ी लेकर आ रही है एक रोमांचक साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म, जिसका नाम रखा गया है सर्कल। इस फिल्म को लेकर अपडेट सामने आया है। दर्शक इस जोड़ी को दशहरे 2025 पर एक बार फिर साथ में देख सकेंगे।

तीन भाषाओं में रिलीज होगी फिल्म

फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं ए एल विजय, जो साउथ सिनेमा के जाने-माने निर्देशक हैं। वहीं इस फिल्म का निर्माण कर रही है ट्राइडेंट प्रोडक्शन्स। देक्कन क्रॉनिकल की रिपोर्ट की मानें तो ये फिल्म तीन भाषाओं- हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज की जाएगी। सर्कल को एक पैन-इंडिया प्रोजेक्ट बताया जा रहा है, जिसकी शूटिंग चेन्नई, ऊटी, जयपुर और हैदराबाद जैसी अलग-अलग जगहों पर की गई है।

कैसी होगी फिल्म की कहानी?

सर्कल की कहानी को लेकर अब तक कई अपडेट्स सामने आए हैं। कहा जा रहा है कि फिल्म एक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर है जिसमें सस्पेंस की परतें धीरे-धीरे खुलेंगी। सूत्रों की मानें तो कहानी में एक बड़ा ट्विस्ट ये होगा कि एक मरीज और डॉक्टर असल में एक ही इंसान होते हैं। कुछ इसी प्लॉट के ईर्द-गिर्द ही ये कहानी घूमने वाली है।

क्लाइमेक्स सीन की शूटिंग हैदराबाद में हुई

फिल्म की शूटिंग हाल ही में पूरी हुई है। हैदराबाद के जुबली हिल्स स्थित एक क्लब में इसका आखिरी सीन फिल्माया गया, जिसमें आर माधवन के साथ एक और प्रमुख भूमिका निभा रहीं अभिनेत्री अवंतिका मिश्रा नजर आएंगी। इस क्लब सीन के साथ फिल्म की शूटिंग पूरी हुई।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म सर्कल के 2025 के दशहरे के मौके पर रिलीज होने की खबर सामने आ रही है। हालांकि इसका अभी ऑफिशियल ऐलान नहीं हुआ है। खास बात ये है कि हिंदी, तमिल और तेलुगु के अलावा इसकी मलयालम डबिंग पर भी काम चल रहा है।

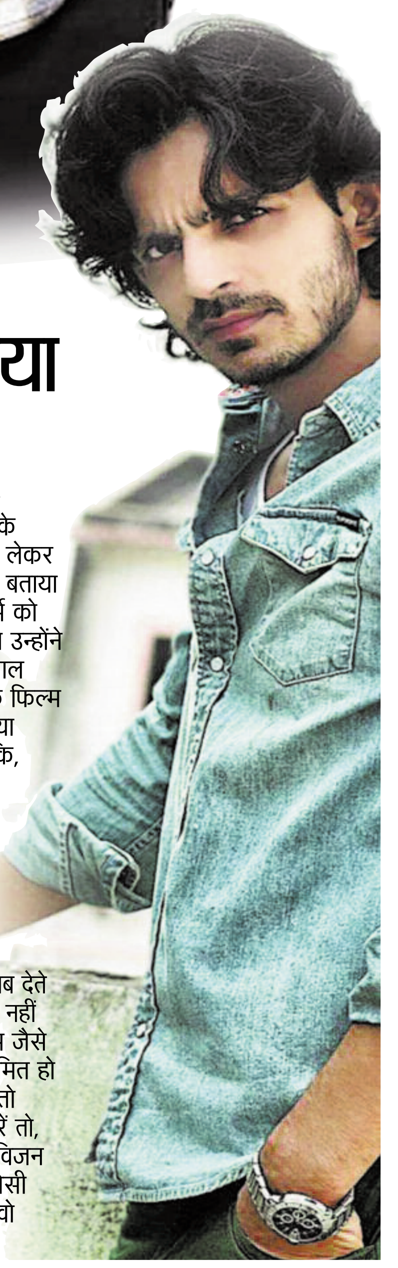

इंडस्ट्री में टैलेंट से ज्यादा सोशल मीडिया फॉलोवर्स की वैल्यू

'जामताड़ा', '12वीं फेल' जैसे प्रोजेक्ट में काम कर चुके एक्टर अंशुमान पुष्कर ने इंडस्ट्री में कास्टिंग प्रोसेस को लेकर खुलासे किए हैं। अपने एक हालिया इंटरव्यू में एक्टर ने बताया है कि कैसे कास्टिंग के दौरान सोशल मीडिया फॉलोअर्स को ध्यान में रखा जाता है। फॉलोअर्स कम होने की वजह से उन्होंने फिल्मों में रोल भी गंवाए हैं। अंशुमान बताते हैं कि सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स कम होने की वजह से उन्होंने एक फिल्म गंवा दी थी। उन जैसे एक्टर्स की कास्टिंग सोशल मीडिया फॉलोअर्स तक सीमित रह गई है। वो कहते हैं- 'हालांकि, मैं इन सारी बातों को पर्सनली नहीं लेता हूं। अगर कोई प्रोड्यूसर या डायरेक्टर टैलेंट से ज्यादा फॉलोअर्स की तरजीह दे रहा है तो ये उनकी च्वाइस है। इसका ये मतलब नहीं है कि जिन एक्टर को नहीं चुना गया, उनमें कम प्रतिभा है।' इस वक्त इंस्टाग्राम पर अंशुमान के 91 हजार फॉलोअर्स हैं। जब इंटरव्यू में अंशुमान से पूछा गया कि क्या एक्टर का एक्टिंग स्किल्स से ज्यादा सोशल मीडिया पर एक्टिव होना जरूरी है? सवाल के जवाब देते हुए वो आगे कहते हैं- आप रणबीर कपूर से अपनी तुलना नहीं कर सकते हैं। उनके पास पहले से ही काफी फैंस हैं। हम जैसे एक्टर्स की कास्टिंग सिर्फ इंस्टाग्राम फॉलोअर्स तक सीमित हो गई है। हालांकि, मुझे इस बात से शिकायत नहीं है। ये तो सिस्टम का हिस्सा है। अंशुमान की वर्कफ्रंट की बात करें तो, एक्टर ने साल 2018 में अपने करियर की शुरुआत टेलीविजन से की थी। बड़े पर्दे पर उन्होंने साल 2023 में विक्रांत मैसी स्टारर फिल्म 12वीं फेल में काम किया था। फिलहाल वो राजकुमार राव की फिल्म मालिक में नजर आए हैं।

कॉस्मेटिक सर्जरी को लेकर खुशी कपूर ने बेबाकी से दिया जवाब

मनोरंजन जगत में खुद को ऑन-स्क्रीन और ऑफ-स्क्रीन खूबसूरत और आकर्षक दिखाने के लिए एक्टर्स कई तरीकों को अपनाते हैं। इस कड़ी में बोटॉक्स और त्वचा निखारने वाले अन्य कॉस्मेटिक सर्जरी शामिल हैं। अब इस मामले पर अभिनेत्री खुशी कपूर ने बेबाकी से अपनी राय रखी है।

खुशी कपूर ने सर्जरी की बात स्वीकारी

हाल ही में खुशी कपूर ने बातचीत में कॉस्मेटिक सर्जरी और शारीरिक बदलाव कराने पर विचार प्रकट किए। उन्होंने कहा, हां, मैंने अपना रूप बदला है, लेकिन हर कोई सोचता है कि मैंने खुद पर कई तरीके के प्रयोग किए हैं। मुझे नहीं लगता कि अपने लुक के लिए सर्जरी करवाना इतनी बड़ी बात है। मेरे लिए, अपने आस-पास के लोगों के साथ अपने लुक के बारे में बेईमानी करना ठीक नहीं है। बहुत सारे प्रभावशाली युवा हैं, जो हमें इंटरनेट पर फॉलो करते हैं। साथ ही, अगर हम अपने लुक के बारे में कुछ नहीं करते हैं, तो यह एक समस्या है और लोग आपको आपके लुक के आधार पर जज करेंगे। अगर हम अपने लिए कुछ करते हैं, तो भी लोगों को समस्या है।'

खुद के मन से जीती हैं जिंदगी

आगे बातचीत में अभिनेत्री ने कहा, 'लोग कहेंगे कि उन्होंने खुद को क्यों बदला और अपने असली लुक पर क्यों नहीं टिकीं? तो, आप मुझसे किसी भी तरह से जीतने वाले नहीं हैं। मैं अपनी जिंदगी वैसे ही जीने वाली हूं जैसे मैं चाहती हूं। मुझे अपने लुक्स की परवाह है, लेकिन मैंने अपने चेहरे में मात्र कुछ बदलाव करवाएं हैं। इसीलिए मैंने उनके बारे में खुलकर बात की।'

कास्टिंग डायरेक्टर से एक्ट्रेस बनीं भूमि, पहली फिल्म को मिला अवॉर्ड

भूमि पेडनेकर ने बॉलीवुड को कई बेहतरीन फिल्में दी हैं। इनमें कई फिल्में हिट रहीं और कई फिल्में उम्मीद के मुताबिक नहीं चल सकीं। हालांकि लगभग सभी फिल्मों में उनकी बेहतरीन अदाकारी के लिए उन्हें सराहा गया। पढ़ाई के बाद उन्होंने असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया। इसके बाद उन्होंने बतौर एक्ट्रेस फिल्मों में काम करना शुरू किया। उनकी पहली ही फिल्म हिट रही। फिल्मों के अलावा वह दूसरे कामों को लेकर भी चर्चा में रहीं। उनके जन्मदिन पर आइए जानते हैं उनके बारे में कुछ अहम बातें।

यश राज फिल्म्स में किया असिस्टेंट कास्टिंग डायरेक्टर का काम

भूमि पेडनेकर ने यशराज फिल्म्स के साथ छह वर्षों तक बतौर असिस्टेंट कास्टिंग डायरेक्टर काम किया। इसके बाद भूमि ने पहली बार फिल्म दम लगा के हईशा(2015) में लीड एक्ट्रेस के तौर पर काम किया। इसमें उनके साथ आयुष्मान खुराना थे। उनकी पहली ही फिल्म काफी कामयाब रही। इस फिल्म में बेहतरीन काम करने के लिए भूमि को बेस्ट फीमेल डेब्यू एक्ट्रेस का फिल्मफेयर अवॉर्ड दिया गया। इसके बाद भूमि ने टॉयलेट- एक प्रेम कथा, शुभ मंगल सावधान और बाला जैसी बेहतरीन फिल्में कीं।

फिल्में फ्लॉप लेकिन किरदार हिट

भूमि पेडनेकर ने अपने छोटे से करियर में कई फिल्में की हैं। हालांकि उनकी बहुत कम ही फिल्में कामयाब रही हैं। फिल्म बधाई दो में भूमि पेडनेकर ने एक ऐसी महिला का किरदार निभाया है जो समलैंगिक होती है। उनकी यह फिल्म बहुत अच्छी नहीं चल सकी। फिल्म रक्षा बंधन में उन्होंने एक ऐसी प्रेमिका का किरदार निभाया है जिसका प्रेमी अपनी बहनों की वजह से अपनी शादी नहीं कर पाता है। यह फिल्म फ्लॉप रही थी। इसी तरह से भूमि ने भक्षक फिल्म में एक ऐसी महिला का किरदार निभाया है जो पत्रकार होती है। उनकी यह फिल्म भी कुछ खास नहीं कर सकी थी। इन सभी फिल्मों में उनकी अदाकारी की तारीफ हुई।

भूमि ने वेब सीरीज में की रंग जमाने कोशिश

भूमि पेडनेकर ने फिल्मों के अलावा वेब सीरीज में बेहतरीन काम किया। 9 मई 2025 को वेब सीरीज द रॉयल्स रिलीज हुई। इसमें उनके साथ ईशान खट्टर अहम किरदार में थे। सीरीज की कहानी एक शाही परिवार पर आधारित है, जो आर्थिक तंगी से जूझता है। इस परिवार की किस्मत तब बदलती है जब एक कारोबारी लड़की सोफिया आती है और उनके महल को एक लक्जरी रिसॉर्ट में बदलने की कोशिश करती है। सीरीज में भूमि की अदाकारी की तारीफ हुई। भूमि जल्द ही वेब सीरीज दलाल में नजर आने वाली हैं। यह सीरीज किताब भिंडी बाजार पर आधारित होगी।

भूमि पेडनेकर का फिल्मों के अलावा काम

भूमि पेडनेकर ने फिल्मों में बेहतरीन अभिनय करने के अलावा दूसरे क्षेत्रों में भी नाम कमाया है। भूमि को फोर्ब्स इंडिया ने 2018 की अपनी 30 अंडर 30 सूची में शामिल किया था। पेडनेकर को रेडिफ डॉट कॉम की 2020 की सर्वश्रेष्ठ बॉलीवुड अभिनेत्रियों की सूची में पांचवां स्थान मिला। उन्हें टाइम्स की 50 सबसे बेहतरीन महिलाओं की सूची में कई बार जगह मिली। 2019 में वह 40वें और 2020 में 39वें स्थान पर रहीं। 2019 में, पेडनेकर ने पर्यावरण संरक्षण और ग्लोबल वार्मिंग के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए क्लाइमेट वॉरियर नाम का एक अभियान शुरू किया। वह बॉलीवुड इंडस्ट्री में वेतन समानता जैसे मुद्दों पर भी मुखर हैं। भूमि पर्यावरण संरक्षण की समर्थक भी हैं। वह संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के लिए काम कर रही हैं।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 9210761111 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। संपादक : मो इस्माईल खान RNI No. DLHIN/2010/37009